स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर , बृहस्पतिवार
4 जून, 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष 4
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 282 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

रोहित-कोहली के साथ एक मैच भी खेल लिया तो सपना पूरा हो जाएगा
हर्ष दुबे

दिल्ली के रेस्तरां में आग का तांडव, 21 की मौत

नई दिल्ली। बुधवार की सुबह दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी स्थित लेमन ग्रीन रेस्तरां में भीषण

- जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदे लोग
- आग लगने के कारणों का पता नहीं

आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौजूद रह कर राहत कार्यों में जुटी रहीं। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 घायल हैं। जान बचाने के लिए कई लोग बिल्डिंग से कूद गए।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली फायर सर्विस टीम को मालवीय नगर में लेमन ग्रीन रेस्तरां में सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके तुरंत बाद दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बताया

मृतकों में ज्यादातर विदेशी नागरिक

जा रहा है कि रेस्तरां के बेसमेंट से ये आग लगनी शुरू हुई। रेस्तरां के बेसमेंट से गंभीर हालत में लोगों को रेस्क्यू किया गया। इस आग की वजह से अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है और 37 लोग घायल हैं। घायलों को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस समय भी कुछ लोग रेस्तरां के अंदर फंसे हुए हैं जिन्हें बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह इलाका साकेत स्थित मैक्स अस्पताल के करीब होने के कारण यहां कई होटल और रेस्टोरेंट हैं, जहां विदेशी नागरिक इलाज के लिए आते हैं। दिल्ली सरकार की बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के तहत कॉमनवेल्थ गेम्स के समय इस क्षेत्र में 15 होटलों को अनुमति दी गई थी।

दरअसल, साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में कई विदेशी नागरिक भी इलाज करने के लिए पहुंचते हैं, जिसकी वजह से आसपास कई होटल और रेस्टोरेंट बने हुए हैं, बताया जा रहा है कि जिस रेस्टोरेंट कम होटल में आग लगी उसमें कई विदेशी भी ठहरे हुए थे, आशंका व्यक्त की जा रही है कि मृतकों में अधिकतर विदेशी शामिल हैं।

छह की अनुमति, अवैध रूप से 25 कमरे बने हुए थे

साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में कई विदेशी नागरिक भी इलाज करने के लिए पहुंचते हैं, जिसकी वजह से आसपास कई होटल और रेस्तरां बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि जिस रेस्तरां कम होटल में आग लगी उसमें कई विदेशी भी ठहरे हुए थे। अभी जो जानकारी आ रही है उसके अनुसार होटल को सिर्फ 6 कमरे बनाने की अनुमति थी, लेकिन यहां पर अवैध रूप से 25 कमरे बने हुए थे। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया कि मालवीय नगर के रेस्तरां में लगी आग में मारे गए लोगों में से अधिकांश विदेशी नागरिक हैं।

एक परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

इस हादसे में गुरुग्राम निवासी विवेक अग्रवाल और उनकी बेटी जीविशा की भी दुखद मृत्यु हो गई। विवेक अग्रवाल अपने पिता को देखने के लिए दिल्ली आए थे, जो मैक्स अस्पताल में भर्ती थे। वे अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ होटल में रुके हुए थे। आज सुबह ही उनके मौसा-मौसी उनसे मिलने आए थे, जो इस हादसे का शिकार हो गए। इस परिवार के कुल छह सदस्यों की मौत की खबर ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। पीड़ित परिवारों के परिजन अस्पताल के बाहर बेसुध हालत में हैं।

अत्यंत दुखद और हृदय विदारक : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के रेस्टोरेंट में हुए भीषण अग्निकांड पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना हृदय विदारक है। उन्होंने एक्स पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में एक दुर्भाग्यपूर्ण भीषण अग्नि दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार

- जबरन मजदूरी का लगाया आरोप

फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है।

भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं। गौरतलब है कि अतिरिक्त टैरिफ लगाने का यह प्रस्ताव ऐसे समय दिया गया है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। भारत और अमेरिका के बीच हाल के समय में कई दौर की बातचीत हो चुकी है, जिनमें बाजार पहुंच, शुल्क, डिजिटल व्यापार और कृषि जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

ममता बनर्जी की टीएमसी टूटी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी में फूट पड़ गई है। सोमवार को पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतुब्रत बनर्जी को पार्टी

- 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

के 58 बागी एमएलए ने विधायक दल का नेता घोषित किया। बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस से मिलकर समर्थन पत्र भी सौंपा। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता बनाया गया है। वहीं अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है।

लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है।

सोमवार को अभिषेक बनर्जी के लेटर हेड पर स्पीकर को भेजे गए पत्र में शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने का प्रस्ताव भेजा था। विधायक संदीपन साहा और ऋतुब्रत बनर्जी ने शिकायत की थी कि इस प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर फर्जी हैं।

शासकीय अधिवक्ताओं का मानदेय बढ़ा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 25 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 24 प्रस्तावों को

- योगी कैबिनेट की बैठक में 25 प्रस्ताव प्रस्तुत, 24 को मंजूरी
- विधि अधिकारियों की फीस और मानदेय में भी बढ़ोतरी

मंजूरी दे दी गई। केवल परिवहन विभाग से जुड़ा एक प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। प्रदेश के 17 नगर निगमों और नोएडा में 1725 नई इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इस बैठक में किसानों, परिवहन व्यवस्था, न्यायिक क्षेत्र और जेल प्रशासन से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। राज्य के विधि अधिकारियों की फीस और मानदेय में भी बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई। जिला शासकीय अधिवक्ताओं का मासिक मानदेय 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 14 हजार रुपये कर दिया गया है, जबकि प्रति सुनवाई फीस 1650 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दी गई है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ताओं का मानदेय भी 7900 रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के विधि अधिकारियों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिलेगा मंत्री मनोज पांडेय ने बताया कि राज्य के करीब 17 करोड़ किसानों के हित में मक्का खरीद को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है। मक्का के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 175 रुपये प्रति

क्विंटल की वृद्धि करते हुए इसे 2225 रुपये से बढ़ाकर 2400 रुपये कर दिया गया है। मक्का की खरीद वर्ष में दो बार की जाएगी और 25 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसानों को भुगतान 48 घंटे के भीतर किया जाएगा। इस निर्णय से फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, एटा, शाहजहांपुर, कानपुर नगर और कानपुर देहात समेत कई जिलों के किसानों को लाभ मिलेगा।

नई जेलें, बंदियों के लिए नई नीति

कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने बताया कि जेलों में भीड़भाड़ कम करने के लिए पांच नए कारागारों को मंजूरी दी गई है। ये जेल मुरादाबाद, ललितपुर, औरैया, कानपुर नगर और भदोही में बनाए जाएंगे। इस परियोजना पर 1400 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होगा। वर्तमान में प्रदेश की 37 जेलों में क्षमता से अधिक बंदी हैं और कुल 86,762 कैदी निरुद्ध हैं। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देशों के क्रम में जेल में आपसी झगड़े या इलाज में लापरवाही से बंदी की मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये तथा आत्महत्या की स्थिति में तीन लाख रुपये मुआवजा दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को मंजूरी

उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी परिवहन को मजबूत बनाने के लिए 17 नगर निगमों और नोएडा में 1725 नई इलेक्ट्रिक बसें चलाने का निर्णय लिया है। इस योजना से सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं बेहतर होंगी, प्रदूषण घटेगा और जेवर एयरपोर्ट को भी परिवहन नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। परियोजना पर 1852 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना के तहत 9 मीटर लंबाई की 725 और 12 मीटर लंबाई की 1000 ई-बसें चलाई जाएंगी। वर्तमान में 733 ई-बसें पहले से संचालित हैं। नई व्यवस्था में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) को भी सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।परियोजना के संचालन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन का गठन किया जा चुका है और ऑपरेटिंग कंपनियों का चयन भी हो गया है।

डीके शिवकुमार बने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के गठन के साथ बुधवार को डीके शिवकुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह

- संविधान हाथ में लेकर ली शपथ, जी परमेश्वर डिप्टी सीएम बने

के दौरान शिवकुमार ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण ली।

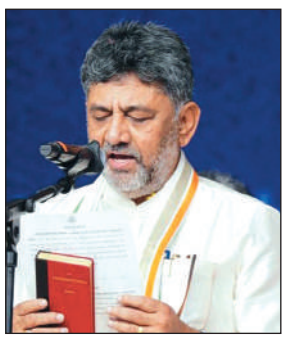

राज्यपाल ने दोनों नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्रि परिषद के विस्तार के तहत 12 अन्य नेताओं को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा रही है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया का नाम भी शामिल है। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 30 मई को बंगलूरू में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा गया था।

वैश्विक विकास के नाम पर नहीं चलेगी मनमानी

न्यूयॉर्क। विश्व निकाय में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के विकास स्तंभ की प्रधानता को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया

- यूएन में भारत की दहाड़

कि वैश्विक विकास प्रयासों में राष्ट्रीय स्वामित्व केंद्र में बना रहे। संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) में चर्चा के दौरान भारत ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर प्रणाली में सुधारों पर जारी वार्ताएं, देशों की विकास प्राथमिकताओं के लिए समर्थन की मजबूती पर ही केंद्रित होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा, उन्होंने यूएन की उप-महासचिव अमीना जे. मोहम्मद के साथ एक संवाद में भाग लेकर सभी विकास प्रयासों के मूल में राष्ट्रीय स्वामित्व को जरूरी बताया। अमीना मोहम्मद संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समूह की अध्यक्ष भी हैं। यह संवाद विकास के लिए परिचालन गतिविधियां सत्र के दौरान हुआ। उन्होंने कहा, रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर प्रणाली में कोई भी बदलाव, विकास स्तंभ पर देशों को दिए जाने वाले कार्यक्रम-संबंधी समर्थन को मजबूत करने वाला होना चाहिए।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुंचा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को लेकर अमेरिकी राजदूत ने बड़ा बयान दिया है। भारत में अमेरिका के

- अमेरिकी राजदूत बोले अब सिर्फ एक प्रतिशत काम बाकी है

राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और अब केवल एक प्रतिशत काम बाकी है। मुंबई में आयोजित

सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि दोनों देश इस समझौते को लेकर बेहद आशावादी हैं और यह डील भारत और अमेरिका दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित होगी। सर्जियो गोर ने आगे कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह साझेदारी आने वाले समय में दुनिया की दिशा तय करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का चार दिनों तक भारत दौरे पर रहना इस रिश्ते की गंभीरता और गहराई को दिखाता है। गोर ने कहा कि अमेरिका भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है और दोनों देशों के बीच लगातार भरोसा मजबूत हो रहा है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद बीती रात सबसे बड़े सैन्य टकरावों में से एक देखने को मिला। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम और

- यूएस बोला- सभी हमले नाकाम
- अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आइलैंड को निशाना बनाया

परमाणु वार्ता दोनों पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं। तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) का कहना है कि जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध और नाकेबंदी का पालन नहीं किया था। इसके जवाब में ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा

किया। हालांकि हालात तब ज्यादा गंभीर हो गए जब अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया। इस हमले के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया।

वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसके ठिकानों पर किए गए सभी हमले नाकाम रहे और ईरानी मिसाइलों व ड्रोन को या तो रास्ते में ही मार गिराया गया या वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके।

सौरव गांगुली की सुरक्षा 'जेड' से 'वाई' में डाउनग्रेड

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष सौरव गांगुली की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती की गई है। उनकी सुरक्षा को जेड कैटेगरी से घटाकर वाई कैटेगरी कर दिया गया है। गांगुली को पिछले कुछ वर्षों से जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही थी। हालांकि, हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद राज्य प्रशासन ने उनकी सुरक्षा श्रेणी में बदलाव करने का फैसला लिया है। सरकार के इस कदम को राज्य में बदले राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सौरव को वर्ष 2023 में तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की थी। उस समय उनकी सुरक्षा में 30 से 35 पुलिसकर्मी तैनात रहते थे, जबकि उनके काफिले के साथ पायलट वाहन भी चलता था।

अहमदाबाद में 290 बांग्लादेशी हिरासत में

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बुधवार को चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में कथित अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस प्रमुख शरद सिंघल के अनुसार कि अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को निशाना बनाते हुए देर रात एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया। कुल 290 संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लिया गया है और क्राइम ब्रांच उनसे पूछताछ कर रही है। इनमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया है, जबकि 160 संदिग्धों से गहन पूछताछ जारी है।

आरबीआई ने सोना बेचने की खबरों को नकारा

मुंबई। केंद्र सरकार ने बुधवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने के लिए 12 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सोना बेचा है। यह स्पष्टीकरण ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें दावा किया गया था कि केंद्रीय बैंक ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के प्रभाव से अपने विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा के लिए अपने सोने के भंडार का एक हिस्सा कम कर दिया होगा। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, भारत के केंद्रीय बैंक ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें दावा किया गया था कि उसने अपनी विदेशी मुद्रा संपत्तियों की सुरक्षा के लिए लगभग 12 अरब डॉलर मूल्य के सोने के भंडार बेच दिए हैं।

एडवेंचर — एयरबीएनबी की रिपोर्ट के मुताबिक 66 प्रतिशत यात्रा से एक-दो हफ्ते पहले ही बुकिंग करते हैं

लंबी छुट्टी के बजाय छोटी यात्राएं पसंद कर रहे जेनजी

नई दिल्ली। भारत में जेन जी की वजह से घूमने-फिरने का तरीका तेजी से बदल रहा है। एयरबीएनबी की रिपोर्ट 'द न्यू रूल्स ऑफ जेन जी ट्रेवल इन इंडिया' के मुताबिक 10 में से 7 युवा एक सालाना लंबी छुट्टी की जगह साल में तीन छोटी यात्राएं करना पसंद करते हैं। 87 प्रतिशत युवाओं की पसंद एक हफ्ते से कम की ट्रिप है। गर्मियों में जेन जी की सर्च सालाना आधार पर 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। इसमें 2 से 6 रात की घरेलू यात्राओं में सबसे तेज उछाल दिखा, जो करीब 80त्न तक रहा। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 66 प्रतिशत युवा यात्रा से कुछ दिन या एक-दो हफ्ते पहले ही बुकिंग करते हैं। यह रिपोर्ट एयरबीएनबी के 'स्टे योर वे' कैंपेन पर आधारित है। सर्वे यूगोव ने अप्रैल 2026 में किया। इसमें दिल्ली एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद, कोच्चि, जयपुर, चंडीगढ़ और गोवा के 18 से 29 साल के 2,012 युवाओं को शामिल किया गया।

ट्रैवल स्टाइल ही पहचान, भीड़ वाली जगहों से दूरी

युवाओं के लिए ट्रेवल का तरीका पर्सनैलिटी दिखाता है। 87 प्रतिशत मानते हैं कि वे जैसे घूमते हैं, वह उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। 92 प्रतिशत के लिए डेस्टिनेशन या स्टे का उनकी पसंद से मैच करना जरूरी है। 95 प्रतिशत चाहते हैं कि ट्रिप तय ढर्रे से हटकर अनोखी हो। 90 प्रतिशत युवा वायरल या बहुत ज्यादा रिकमेंड जगहों के बजाय कम-ज्ञात जगहों पर जाना पसंद करते हैं। 80 प्रतिशत के लिए मशहूर स्पॉट से ज्यादा ट्रिप के छोटे-छोटे पल अहम हैं।

डेस्टिनेशन से ज्यादा 'स्टे' महत्वपूर्ण

रिपोर्ट का बड़ा संकेत यह है कि अब ठहरने की जगह खुद एक डेस्टिनेशन बन रही है। 63 प्रतिशत युवाओं ने किसी शहर को सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि वहां उन्हें अच्छा स्टे मिला। 82 प्रतिशत ट्रिप प्लान करते समय सबसे ज्यादा अहमियत रहने की जगह को देते हैं। 78 प्रतिशत युवा अपने सफर का आधा समय उसी स्टे पर बिताते हैं। युवाओं को होटल के बजाय खुली छत, सुकून वाली सुबह और साथ मिलकर खाना बनाने जैसे अनुभव ज्यादा पसंद हैं।

होटल से अलग कमरों की जगह साझा घर पसंद

जेन जी के लिए ट्रिप में जगह से ज्यादा साथ जाने वाले लोग मायने रखते हैं। तीन-चौथाई युवाओं के लिए प्लानिंग में पहले साथी, फिर जगह और आखिर में अनुभव आता है। ग्रुप ट्रैवल में आधे से ज्यादा युवा अलग-अलग कमरों के बजाय एक साझा घर (होमस्टे) चुनते हैं, ताकि किचन और लिविंग रूम जैसी जगहों पर साथ समय बिता सकें। इसी वजह से एयरबीएनबी पर भारतीय जेन जी की ग्रुप बुकिंग सालाना आधार पर करीब 55 प्रतिशत बढ़ी है।

प्रसूता मौत में सेवा हॉस्पिटल संचालक पर मुकदमा दर्ज, मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) नवाबगंज उन्नाव- बीते एक दिन पूर्व प्रसूता की मौत के बाद सेवा हॉस्पिटल के बाहर हुए हंगामे के मामले में पुलिस ने अस्पताल संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। परिजन 15 लाख रुपये मुआवजे की मांग पर अड़े हैं। स्थिति को देखते हुए कुसुम्भी गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मालूम हो कि अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कुसुम्भी गांव निवासी बिट्टू (27) पत्नी बबलू को प्रसव के लिए 29 मई की रात नवाबगंज स्थित सेवा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान लापरवाही बरती गई, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। बाद में उसे कानपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर एक बार फिर सेवा हॉस्पिटल पहुंचने का प्रयास करने लगे और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। हालांकि साथ चल रहे भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक लिया और शव को गांव ले जाया गया। इस दौरान गांव में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों की भीड़ जुट गई तथा पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। सूचना पर पहुंचे एडिशनल श्यामलाल व क्षेत्राधिकारी तेज बहादुर ने ग्रामीणों और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन मुआवजे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। मृतका अपने पीछे पति बबलू और तीन बेटियों रिया, शिवानी व शगुन को छोड़ गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मृतका के पति बबलू की तहरीर पर अस्पताल संचालक दीपक सिंह के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन पहले ही उपचार में लापरवाही के आरोपों को निराधार बताते हुए महिला को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किए जाने की बात कह चुका है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य चिकित्सकीय अभिलेखों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अजगैन और सोहरामऊ थानों का पुलिस बल तैनात किया गया था।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसाः बाइक सवार दो युवक गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो)

बांगरमऊ उन्नाव- लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम ने तत्काल दोनों घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फर्रुखाबाद जनपद के थाना रठौरा क्षेत्र के ग्राम जहानगंज निवासी हिमांशु पुत्र कबीर दास और नितेश पुत्र राकेश बाइक से लखनऊ जा रहे थे। इसी दौरान कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 225 के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई और दोनों युवक दूर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने दोनों की हालत नाजुक बताते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को मिली वैज्ञानिक खेती की जानकारी

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव हसनगंज- कृषि विज्ञान केंद्र, धौरा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को सफीपुर ब्लॉक के जोदाखेड़ा गांव में ÷खेत बचाओ अभियान÷ के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 45 किसानों सहित समुद्रम फिश फार्मिंग एफपीओ के सदस्यों और क्षेत्रीय कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक रवि चन्द्र प्रकाश, बैंक ऑफ बड़ौदा के अग्रणी जिला प्रबंधक बी.के. गौतम, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सुमित कुमार, आईआईपीआर कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जितेन्द्र कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हाशिम, वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका लाल, कृषि विज्ञान केंद्र धौरा की प्रभारी एवं गृह वैज्ञानिक डॉ. अर्चना सिंह, मृदा वैज्ञानिक रत्ना सहाय तथा पादप संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. जय कुमार यादव मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग, हरी खाद एवं जैव उर्वरकों के महत्व, मृदा परीक्षण की आवश्यकता, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण तथा खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही टिकाऊ और लाभकारी कृषि की आधारशिला है। मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रयोग, जैविक संसाधनों के उपयोग तथा वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने के साथ खेती की लागत भी कम की जा सकती है।

विशेषज्ञों ने किसानों से हरी खाद, जैव उर्वरकों और फसल अवशेषों के समुचित प्रबंधन के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता एवं उत्पादकता बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं नाबार्ड एवं बैंक अधिकारियों ने कृषकों को विभिन्न कृषि एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों की समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। अंत में सभी कृषकों से मृदा संरक्षण एवं वैज्ञानिक खेती को अपनाकर ÷खेत बचाओ अभियान÷ को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

छुटपुट विवादों को मौरावा पुलिस करती नजर अंदाज

मौरावा उन्नाव छुटपुट विवादों को प्रायः पुलिस नकार देती हैं लेकिन यही कभी कभी बड़ी लड़ाई बन जाती हैं और कोई अप्रिय घटना घटिक हो जाती हैं व्यक्ति द्वारा बिना सोचे कदम बड़ा उठा लेता हैं और वर्षो जेल मे बिता देता हैं लेकिन उसके पीछे दोषी कोई और ही होता और सजा कोई और पाता हैं बताते चले एक मामला हिलौली मजरे का शिवराज खेड़ा का हैं जहाँ एक भाजपा का पूर्व मे बूथ अध्यक्ष रहे राजकुमार का हैं स दिंनाक 29ध्05ध्2026 को थानाध्यक्ष को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि गांव के ही निवासी गुलाब यादव ने मेरा निजी गोबर का ढेर भरवा रहा था ज़ब हमने मना किया तों गुलाब ने एक मुक्का मेरे मुख मे मार दिया जिससे मेरा दाट टूटकर गिर गया खून बहने लगा और उसका पुत्र एवं नौकर ने लात घुसो से मारने लगा शिकायती पत्र देने के बावजूद पुलिस जाँच कराना मुनासिब नहीं समझी न ही एन सी आर हुई पीड़ित ने 31ध्05ध्2026 को अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय कि गुहार लगाई पीड़ित ने बताया साहब जी ने थाने को फोन भी किया मेडिकल कराकर मुकदमा पंजीकृत करे अफ़सोस साहब के आदेशों को भी नजर अंदाज किया गया आरोप हैं मजेदार बात हैं अभी तक पुलिस नहीं गई क्या पुलिस कोई अनहोनी का इंतजार क़र रही हैंपीड़ित ने बताया जल्द ही पुलिस महानिरीक्षक से मिलकर शिकायत करेंगे

1.30 करोड़ की लागत से बनेगी अटवा-अवैक से पंचमखेड़ा मार्ग सड़क, विधायक ने किया शिलान्यास

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव- क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने की दिशा में विधायक ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ग्राम अटवा-अवैक स्थित विवेकानंद इंटर कॉलेज से पंचमखेड़ा मार्ग तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे सीसी एवं डामर सड़क निर्माण कार्य का बुधवार को विधायक श्रीकांत कटियार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही शिक्षा, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर विधायक श्री कटियार ने बताया कि करीब 1 करोड़ 30 लाख (जीएसटी सहित) की लागत से 1400 मीटर रोड निर्माण होगा जिसमें आबादी भाग में करीब 700 मीटर सी सी मार्ग एवं शेष 700 मीटर डामर रोड बनेगा। उन्होंने कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा। उन्होंने बताया कि सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, बिजली, पानी तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताई और विधायक का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। अब मार्ग का निर्माण होने से हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में विधायक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।इस अवसर पर बालेश कन्नौजिया,जयपाल पटेल,सुभाष चंद्र,रमेश चंद्र,नरेश कुमार,अभय कुमार एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

बिजली विभाग के 25 पोल अवैध रूप से लगाने का आरोप, प्लाटिंग संचालक पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) पुरवा उन्नाव- विद्युत चोरी की रोकथाम और राजस्व वृद्धि अभियान के तहत मौरावां ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में की गई जांच के दौरान बिजली विभाग की संपत्ति के कथित अवैध उपयोग का मामला सामने आया है। विभाग की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने एक प्लाटिंग संचालक के खिलाफ विद्युत अधिनियम की संगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मौरावां ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता निशांत यादव ने बताया कि अधिशासी अभियंता के निर्देश पर 1 जून को टीजी-2 सतीश कुमार तथा संविदाकर्मी चंद्रभान सिंह और मिथलेश कुमार के साथ शिव विहार कॉलोनी, डेला मोड़ स्थित एक आवासीय प्लाटिंग साइट का स्थलीय निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान प्लाटिंग क्षेत्र में 25 पीसीसी पोल लगे पाए गए, जिन पर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) अंकित था। प्रथम दृष्टया यह पोल विभागीय संपत्ति प्रतीत हुए। जांच में यह भी सामने आया कि इन पोलों को स्थापित करने के लिए विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी और न ही संबंधित प्राक्कलन विभाग में जमा कराया गया था।विभागीय अधिकारियों के अनुसार यदि जांच में यह सामग्री विद्युत विभाग की संपत्ति सिद्ध होती है, तो यह विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 136 के अंतर्गत दंडनीय अपराध माना जाएगा। ऐसे में नियमानुसार विभागीय संपत्ति को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिशासी अभियंता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस और विद्युत विभाग संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं तथा रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भक्ति का असली मर्म- श्री शक्ति धाम आश्रम में शास्त्रोक्त विधि से जीवंत होता बड़ा मंगल

उन्नाव। वर्तमान दौर में जहां धार्मिक आयोजन अक्सर आधुनिक चकाचौंधए सामाजिक प्रतिष्ठा और कहीं.कहीं राजनीतिक लाभ साधने का जरिया बनते जा रहे हैंए वहीं जनपद के सिकंदरपुर कर्ण स्थित श्री शक्ति धाम आश्रमए अमिलाह ने सनातन धर्म की मूल आत्मा को अक्षुण्ण रखा है। आश्रम में प्रथम बड़े मंगल से शुरू हुआ विशाल भंडारा निरंतर जारी हैए जो समूचे अवध क्षेत्र के लिए आस्थाए सेवा और मर्यादा का एक अनुपम उदाहरण बन चुका है। वैसे तो अवध क्षेत्र में बड़े मंगल पर भंडारे आयोजित करने की एक बेहद समृद्ध और ऐतिहासिक परंपरा रही हैए किंतु आज के इस नए दौर में यह परंपरा कई जगह महज एक फैशन या दिखावे में तब्दील होती दिख रही है। इसके ठीक विपरीतए श्री शक्ति धाम आश्रम का यह भंडारा किसी लोक.प्रदर्शन या सियासत के लिए नहींए बल्कि शास्त्रोक्त विधि और भंडारे के वास्तविक आध्यात्मिक प्रयोजन को सिद्ध करने के लिए पूरी तन्मयता से किया जा रहा है। श्रीमद्भगवद्गीता के तीसरे अध्याय में भगवान कृष्ण कहते हैं कि श्अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसंभवःश् अर्थात अन्न से ही संपूर्ण प्राणियों का जीवन और पोषण होता है। जब यही अन्न निरूस्वार्थ भावए सेवा और ईश्वरीय चेतना के साथ तैयार किया जाता हैए तो वह केवल भोजन नहीं रह जाता बल्कि साक्षात प्रसाद का रूप ले लेता है। उन्होंने पुत्र चाह के लिए लखनऊ स्थिति पुराने हनुमान मंदिर पे जा कर मन्नत माँगी थीए जिसके चलते उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुईए जिसके चलते मंदिर में चांदी का चाँद जड़ा गया और और ज्येष्ठ के हर मंगल को पूरे अवध में नवाब की तरफ से भंडारे का आयोजन किया जाने लगा। नवाब की इस श्रद्धा को अटूट बनाए हुए ये अवध क्षेत्र हनुमान जी की महत्ता और उनके चमत्कारों का गवाह बन यह आयोजन करता चला आ रहा है। महाराज श्री आँखें नम कर आगे कहते हैं कि बस दुःख इस बात का है कि आजकल के भंडारे भंडारे कम फैशन और दिखावा ज्यादा होते जा रहे हैंए उनकी भक्तों और अवध क्षेत्र के लोगों से अपील है कि भंडारे के ध्येय को और उसकी पवित्रता को ध्यान में रखकर भंडारों का आयोजन करें।

कानपुर देहात समाचार

मूर्ति क्षतिग्रस्त मिलने से मचा हड़कंप

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) रनियाँ कानपुर देहात। रनियाँ थाना क्षेत्र के चिरौरा गांव में मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त मिलने से बुधवार को हड़कंप मच गया। सुबह ग्रामीण जब मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मूर्ति खंडित अवस्था में देखी। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में एकत्र हो गए और आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। ग्रामीणों का आरोप है कि किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर मंदिर में स्थापित मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया है। घटना से गांव में रोष व्याप्त हो गया और लोगों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की। सूचना मिलने पर रनियाँ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों की तलाश की जा रही है। वहींए घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद क्षेत्र का माहौल संवेदनशील हो गया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिले में बिना अग्निशमन के बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट हो रहे संचालित

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) माती कानपुर देहात। झींझक मंगलपुर संदलपुर सहित जिले में बिना अग्निशमन के बड़ी संख्या में रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैं ज्यादातर रेस्टोरेंट में आग बुझाने के उपकरण मौजूद नहीं है।जिससे कभी भी हादसा होने का डर बना रहता है। अभी बुधवार को दिल्ली में रेस्टोरेंट में लगी आग की घटना में करीब बीस लोगों की मौत के बाद भी जिम्मेदार लोगों की नींद नहीं टूट रही है। दिल्ली में बुधवार सुबह एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग में करीब बीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गईए जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इस दिल दहला देने वाले हादसे के बावजूद जिला प्रशासन कोई सबक लेता नहीं दिख रहा है। झींझकए मंगलपुरए संदलपुर सहित पूरे जिले में बिना अग्निशमन और पुख्ता सुरक्षा मानकों के धड़ल्ले से रेस्टोरेंट संचालित हो रहे हैंए जो कभी भी बड़े हादसे को दावत दे सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अधिकांश रेस्टोरेंट बिना अग्निशमन यंत्र के संचालित हो रहे हैं। इनमें न तो कोई इमर्जेंसी व्यवस्था है और न ही आग बुझाने के पर्याप्त उपकरण है। वही रेस्टोरेंट मे धधक रहे गैस सिलेंडर हर वक्त खतरे का सबब बने रहते हैं। ?दिल्ली की इस भीषण त्रासदी ने जहां पूरे देश को झकझोर कर रख दिया हैए वहीं जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग अब भी चैन की नींद सो रहा है। अगर जल्द ही इन अवैध रूप से व बिना सुरक्षा के चल रहे रेस्टोरेंट्स पर सख्त कार्रवाई नहीं की गईए तो जिले में कभी भी बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने प्रशासन से जांच अभियान चलाकर मानक विहीन रेस्टोरेंट के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो)

कानपुर देहात जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न तहसीलों एवं ग्रामीण.शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरितए पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज करते हुए निर्धारित समय.सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति से अवगत कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अतः प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवेदक को समय.समय पर उसके प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराई जाएए जिससे प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

जिलाधिकारी ने शासन की प्राथमिकता योजनाओं एवं जनशिकायत निस्तारण प्रणाली के अंतर्गत संचालित आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त कोई भी शिकायत लंबित न रहे। सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएए ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय समस्त अधिकारीए समस्त उपजिलाधिकारीए खंड विकास अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जूम के माध्यम से जुड़े रहे।

वीर सेन यादव ने कैंप कार्यालय पुखरायां में कार्यकर्ताओं से किया जनसंवाद

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री वीर सेन यादव ने कैंप कार्यालय पुखरायां में कार्यकर्ताओं से किया जनसंवाद श्री यादव ने कार्यकर्ताओं को आवाहन किया आने वाली 11 जून को समाजवादी पार्टी जिला मुख्यालय माती में विशाल धरना प्रदर्शन करने जा रही है जिसमे किसानों की समस्याओं को लेकर के पेपर लीक की मुद्दा को लेकर के डीजल पेट्रोल गैस के बढ़ते दाम बिजली के बढ़ता विल स्मार्ट मीटर जैसी प्रमुख समस्याओं को लेकर के कार्यकर्ताओं से अमानत किया कि भारी से भारी संख्या में पहुंचकर सफल बनाएं जिसमें मुख्य रूप से कैंप कार्यालय में महिला सभा की पूर्व जिला अध्यक्ष बहन नसरीन अख्तर पूर्व सभासद रमेश यादव छोटे खा दरोगा जी महाराज सिंह पूर्व प्रधान जयदीप सिंह अखिलेश यादव राकेश यादव अरविंद यादव धर्म सिंह यादव पूर्व प्रधान विनय सचान कैप्टन राम शंकर प्रजापत पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष सुजीत पाल मिलन यादव प्रधान हरिश्चंद्र पंकज सोनी नीलम रामविलास निषाद बीपी सिंह एडवोकेट अवधेश कुमार शुक्ला राजू यादव शिव कुमार सचिन रोहित पाल बृजेश गौतम आदि

अधिवक्ता समिति अकबरपुर द्वारा शोक सभा आयोजित

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) अधिवक्ता समिति अकबरपुर जनपद कानपुर देहात के सदस्य अधिवक्ता श्री सुनील गौतम के पूज्य पिता जी के स्वर्गवास के दुःखद समाचार पर न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता समिति सभागार में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपस्थित अधिवक्ताओं ने दिवंगत आत्मा के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।कार्यक्रम में अधिवक्ता समिति अकबरपुर के अध्यक्ष श्री बिपिन चन्द्र दीक्षित, उपाध्यक्ष श्रीमती रुचि यादवए महामंत्री श्री बृजेश पाल, सहमंत्री श्री ध्रुव प्रकाश श्रीवास्तव एवं समिति के सदस्यगण दिलीप यादव, नरेंद्र सिंह सेंगर, सुरेन्द्र शर्मा, सज्जन यादव, विमल द्विवेदी, अजय द्विवेदी, मदन मोहन शुक्ला,सुनील सविता, सुधीर भदौरिया, मनोज द्विवेदी, दिलीप श्रीवास्तव,सुरेंद्र सिंह राठौरए मोहम्मद जुनेद, चंद्रशेखर संखवार, विमलेश कुमार ;पूती लाल, मो0 सुजात, विकास सैनी, जितेन्द्र यादव, लोकेंद्र यादव, अशोक त्रिवेदी, मयंक शुक्ला, अश्विनी बाजपेई, हर्षवर्धन श्रीवास्तव, दिलीप गुप्ताए महेश त्रिवेदी, गिरजेश त्रिपाठी, विजय शंकर पाण्डेय, सतीश यादवए शैलेंद्र तिवारी, बृजभान सिंह चंदेल, शैलेंद्र सविता, अनिल द्विवेदी, अनुराग शुक्लाए सत्यम ओमरए नसरीन बेगमए अर्पित सिंहए राघवेंद्र द्विवेदीए शिवम द्विवेदीए धनंजय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अधिवक्ता समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्री सुनील गौतम एवं उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में सम्पूर्ण अधिवक्ता समाज उनके साथ खड़ा है। अंत में दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हुए शोक सभा सम्पन्न हुई।

मासूम से दुष्कर्म के दोषी को अंतिम सांस तक का कारावास

उपरोक्त मामले के दोषी को माननीय न्यायालय ने दो लाख रुपए के अर्थ दंड से भी किया है दंडित

इस मामले की माननीयअपर जिला जज कोर्ट संख्या ..13 पास्को एक्ट श्री शरद कुमार त्रिपाठी की अदालत में हो रही थी सुनवाई

कानपुर देहात।अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी मासूम को बहलाकर खेतों में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले की सुनवाई करते हुए पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को दोषसिद्ध करते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है जो शेष जीवनकाल तक की होगीए इसके साथ ही उसपर दो लाख रूपए जुर्माना भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक विकास सिंह ने बताया कि अकबरपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी अपने रिश्तेदार के यहां आए कानपुर नगर के कल्याणपुर क्षेत्र के शिवनगर मसवानपुर निवासी गुड्डू उर्फ पवन गौतम 25 फरवरी 2021 की रात रिश्तेदार की सात वर्षीय पुत्री को बहलाकर दुकान जाने के बहाने उसे साथ लेकर घर से निकल गया।काफी समय तक पुत्री के घर वापस न आने पर परिजनों ने उसकी तलाश की तो खेतों की ओर से मासूम की चीखने की आवाज सुनाई दी इसपर सभी उधर गए तो टार्च की रोशनी लगाई तो गुड्डू उर्फ पवन भाग निकला ।परिजनों ने घायल अवस्था में मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया जहां मासूम ने अपने साथ दुष्कर्म की बात बताई इसपर मासूम के पिता ने आरोपी गुड्डू उर्फ पवन गौतम के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया।मामले में पुलिस ने विवेचना करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ ही उसके खिलाफ आरोपपत्र माननीय अदालत में पेश किए थे।मामले की सुनवाई माननीय अपर जिला जज 13ध्पॉक्सो एक्ट श्री शरद कुमार त्रिपाठी की अदालत में चल रही थी।बुधवार को अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे आजीवन कारावास शेष प्राकृत जीवनकाल तक की सजा सुनाई इसके साथ ही उसपर दो लाख रुपए जुर्माना भी लगाया है।वहीं जुर्माना की आधी धनराशि पीड़िता को दिए जाने के आदेश दिए हैं।

छात्रा समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। गोविंद नगर व गुजैनी किशोरी समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जरौली गांव निवासी राम प्रकाश उर्फ छोटू दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी सावित्री देवी, चार बेटियां और एक बेटा है। राम प्रकाश ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी एकता मेमोरियल स्कूल में हाईस्कूल की छात्रा थी। बेटी को हाईस्कूल में 93 प्रतिशत अंक आने की उम्मीद थी, जबकि उसके 83 प्रतिशत अंक आए थे, जिससे वह परेशान रह रही थी। मंगलवार सुबह वह काम पर गए थे। दोपहर करीब एक बजे पत्नी घर पर सो रही थी। इस दौरान बेटी ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। शाम 4 बजे सोकर उठी मां ने बेटी का शव फंदे से लटकता देख उसके होश उड़ गए। इसी तरह दबौली वेस्ट बाबा की बगिया निवासी रिंकू पाल उर्फ टांचा टेंपो चालक था। सब्जी मसाला फैक्ट्री में काम करने वाली मां शिवकांती ने बताया कि बेटा शराब का लती था। चोरी के आरोप में गोविंद नगर पुलिस ने उसे जेल भेजा था, मार्च माह में वह जेल से छूट कर आया था। जिसके बाद से वह काम नहीं कर रहा था। शिवकांती ने बताया कि बेटा शराब के नशे में धुत होकर उनसे झगड़ा करता था। मंगलवार को वह काम पर गई थीए तभी बेटे ने कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। शाम को पहुंचने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई।

केपीएम अस्पताल में डिप्टी सीएम ने भर्ती मरीजों का जाना हाल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। डिप्टी सीएम बुधवार को बिरहाना रोड स्थित केपीएम अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल के कई वार्डों का निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों से इलाज की गुणवत्ता के बारे में पूछा। एक बुजुर्ग मरीज से डिप्टी सीएम ने पूछा कि इलाज ठीक से मिल रहा है। किसी ने पैसे तो नहीं लिए। इस पर मरीज ने संतोषजनक इलाज मिलने की बात कही। डिप्टी सीएम ने केपीएम अस्पताल में प्रशासनिक अधिकारियों और डॉक्टरों के साथ बैठक की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं में सुधार कर जनता की दिक्कतों को हर हाल में दूर किया जाए। उन्होंने सीएमएस से

प्रशासनिक अफसरों व डॉक्टरों के साथ की बैठक

अस्पताल की व्यवस्थाओं, उपलब्ध संसाधनों और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल की जरूरतों से संबंधित प्रस्ताव भेजे जाएं, ताकि उन्हें जल्द पूरा कराया जा सके। डिप्टी सीएम ने कहा कि केपीएम अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों का उपचार किया जा रहा है और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने अस्पताल परिसर में पेयजल और मरीजों के परिजनों के बैठने की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही भवन में आवश्यक मरम्मत कार्यों को जल्द पूरा कराने का भी आश्वासन दिया।

हाथ काटने का मामला, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

आईटीबीपी जवान की मां का हाथ कटने के मामले में उप मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अख्तियार किया। उन्होंने कहा कि इस घटना का संज्ञान लिया है। इस मामले की पत्रावली सामने आते ही वह स्वतः इसकी समीक्षा करेंगे। मामले की तत्काल रिपोर्ट मांगकर दोषियों और जांच में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ के संदीप हत्याकांड में समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों की संलिप्तता की बात सामने आई है। चुनाव नजदीक आते देख विपक्षी दल आपराधिक तत्वों को एकत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ऐसे सभी तत्वों को बेनकाब कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। आईटीबीपी जवान की मां के हाथ काटने मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बात डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कही।

बड़ी संख्या में स्थापित होंगे औद्योगिक इकाइयां

डिप्टी सीएम ने कहा कि कानपुर को विकास के मामले में अग्रणी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता है। प्रदेश सरकार कानपुर के पुराने औद्योगिक स्वरूप को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार काम कर रही है। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे और नया एयरपोर्ट बनकर पूरी तरह तैयार हैं। शहर में बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां स्थापित हों, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

खेत में फूल तोड़ रहे किसान पर तेंदुआ ने किया हमला, घायल

-ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर दौड़ाया

- खेतों में मिले पैरों के निशान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। महाराजपुर में फूल तोड़ने गए किसान पर पीछे से तेंदुआ ने हमला बोल दिया। यह देख पारिवारीजन दौड़कर पहुंचे और किसी तरह किसान को बचाया, लेकिन तब तक तेंदुए ने उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल किसान को सीएचसी में भर्ती कराया, लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना ने पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

बैजाखेड़ा गांव में रहने वाले किसान सुरेन्द्र पासवान, अपने भाई वीरेन्द्र, पत्नी व बेटी के साथ गुलाब का फूल तोड़ने खेत गए हुए थे। तभी अचानक एक तेंदुआ पीछे से आकर सुरेंद्र पर टूट पड़ा। यह देख पारिवारिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे तभी वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची महारापुर पुलिस ने घायल को सीएचसी ले गए, जहां गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वन विभाग के डिप्टी रेंजर अनिल सिंह तोमर ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। घटनास्थल और आसपास के खेतों व जंगलों में तेंदुए की तलाश की गई। खेतों में मिले पैरों के निशानों के आधार पर आशंका जताई जा रही है। ड्रोन के माध्यम से भी खोजबीन की गई, लेकिन जानवर का पता नहीं चल सका। उन्होंने बताया कि संभावना है कि जानवर खेतों से होते हुए गंगा नदी के किनारे की ओर चला गया हो। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को मोबाइल नंबर उपलब्ध कराए गए हैं और कहा गया है कि यदि दोबारा कोई संदिग्ध जानवर दिखाई दे तो तत्काल सूचना दें, ताकि उसे पकड़ा जा सके। डिप्टी रेंजर ने स्पष्ट किया कि अब तक की जांच में यह किसी चीते या तेंदुए जैसा जानवर प्रतीत नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सूचना देने के बाद वन विभाग की टीम काफी देर से पहुंची। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग तुरंत कार्रवाई करे और तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर ले जाए, ताकि गांव में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

गांव के बाहर तैनात होंगी वन विभाग की टीम

एसडीएम नरवल विवेक कुमार मिश्रा पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात कर शासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि गांव के बाहर चौकियां बनाकर राजस्व और वन विभाग की टीमों को तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जंगली जानवर दोबारा गांव के आसपास दिखाई दे तो उसे तुरंत पकड़ा जा सके।

खबर एक नजर

चलती स्कूटी में लगी आग, युवक ने कूदकर बचाई जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। पनकी स्थित एलएमएल चौराहे के पास बुधवार सुबह एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। यह देख युवक ने कुदकर जान बचाई। देखते ही देखते स्कूटी आग का गोला बन गई। वीरेंद्र मिश्रा पनकी की साइट नंबर दो स्थित एक बनियान फैक्ट्री में नौकरती करते हैं। वे प्रतिदिन की तरह अपने घर से कंपनी के लिए निकले थे। एलएमएल चौराहे के पास पहुंचते ही उनकी स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा, जिसके बाद तेज लपटें उठने लगीं। वीरेंद्र ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत स्कूटी को सड़क किनारे फेंका और कूदकर अपनी जान बचाई। यह देख वहां मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि उन्होंने यह इलेक्ट्रिक स्कूटी लगभग 6 से 7 महीने पहले खरीदी थी। उन्हें आशंका है कि भीषण गर्मी के कारण शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी। घटना की सूचना स्कूटी बनाने वाली कंपनी और पनकी थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि भीषण गर्मी के मौसम में इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

ट्रांसफार्मर में लगी आग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। ग्वालटोली चौराहे पर रखे ट्रांसफार्मर में मंगलवार की देर रात आग लग गयी। आग की ऊंची लपटे देख लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने कंट्रोल रूम में सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फायर विभाग ने आग बुझाया। इस बीच क्षेत्र की बिजली काट दी गयी। गर्मी में बिजली कटने से लोग परेशान रहे। सुबह बिजली विभाग के कर्मचारियों को ट्रांसफार्मर को ठीक करने का काम शुरू किया। लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर के पास होने वाले अतिक्रमण के कारण कई बार दुघर्टनाये पहले भी हो चुकी हैं। ट्रांसफार्मर के बगल में ही वेल्डिंग का काम किया जा रहा है। जिससे आग लगने का खतरा अधिक रहता है।

मानसून के मद्देनजर नगर आयुक्त ने किया रफाका नाले का निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बुधवार को काकादेव रावतपुर गॉव आनन्द नगर में रफाका नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान पोकलेन मशीन से नाले की सफाई का कार्य किया जा रहा है। जोनल अभियन्ता ने बताया कि नाले की लम्बाई 5 किलोमीटर है, इसकी सफाई एक बार विभागीय करायी जा चुकी है, वर्तमान में किराये की पोकलेन मशीन से इसकी तलीझार सफाई पुनः करायी जा रही है। जिस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि पोकलेन मशीन से प्रतिदिन 8 घंटे सफाई कराई जाए। वहीं नमक फैक्ट्री चैराहे से एकता स्वीट हाउस तक जा रहा भरा मिला। नाले की अन्दर सिल्ट काफी मात्रा में सूखी पड़ी थी। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा था कि नाले की सफाई का कार्य अभी तक प्रारम्भ ही नही किया गया है, जबकि यह नाला महत्वपूर्ण है। जोनल अभियन्ता ने बताया कि नाले की सफाई मुख्यतः नाले पर रखे पत्थरो को हाइड्रा मशीन से हटाने के उपरान्त की जायेगी। जिस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अन्दर इस नाले की तलीझार सफाईकी जाये एवं कार्य में लापरवाही व शिथिलता बरतने के फलस्वरूप जोनल अभियन्ता को चेतावनी व कारण बताओ नोटिस निर्गत किया जाये।

गंदगी मिलने पर जताई नराजगी

नमक फैक्ट्री चैराहे से जय भगवान गेस्ट काकादेव तक सड़क के किनारे कई स्थानों पर गंदगी पड़ी थी। जोनल स्व अधिकारी ने बताया कि प्राइवेट सीवर सक्शन मशीनों द्वारा घरों की सीवर टेंक की सफाई उपरान्त मल-जल/सीवेज को नमक फैक्ट्री चैराहे से डबल पुलिया की ओर जाने वाले अभियंत्रण विभाग के बड़े नाले में डाला जा रहा है, जिससे राहगीरों को अत्यधिक दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है व आए दिन जनता की शिकायतें आ रही हैं। मौके पर ही जोनल स्व अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इस स्थान पर विशेष सतर्कता बरतते हुए प्रातः 6 बजे से सतर्क दृष्टि रखी जाये एवं प्राइवेट सक्शन मशीनों के संचालकों के विरूद्ध नगरनिगम अधिनियम 1959 की म्यूनिसिपल एक्ट की धारा 229 एवं धारा 250 का उल्लंघन करने पर चालानध्प्राथमिकी आदि की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए सफाई व्यवस्था सुदृढ़ की जाये।

कल से भाजपा चलाऐगी विशेष अभियान

कानपुर। भाजपा सरकार के 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में शहर में पांच से 21 जून तक एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसके लिए भाजपाइयों ने सभी तैयारियों को पूर्ण कर ली हैं। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए कानपुर-बुंदेलखंड के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि इस अभियान की तैयारी के लिए बैठकों में चर्चा कर तैयारियों को पूरा कर लिया गया है।

अभियान का नाम 12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के रखा गया है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनीता गुप्ता को अभ्यिान का संयोजक बनाया गया है तथा अनिल यादव, पवन प्रताप सिंह व देवेंद्र गुप्ता और हर्श दुबे को सह.संयोजक बनाय गया है।

डिजिटल लाइब्रेरी और साइंस लैब से लैस होगा कंपोजिट विद्यालय

-खेरसा में 24 करोड़ की लागत से बन रहे विद्यालय का डीएम ने लिया जायजा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। बिधनू विकासखंड के ग्राम खेरसा में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि विद्यालय में लगभग 1500 छात्र-छात्राओं के अध्ययन की व्यवस्था की जा रही है। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप यहां प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा उपलब्ध होगी। इंटरमीडिएट स्तर पर विज्ञानए कला और वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पृथक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। विद्यालय भवन में 30 कक्षाएं बनाई जा रही हैं, जिन्हें आधुनिक शिक्षण संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि विद्यालय का निर्माण जी प्लस टू डिजाइन के अनुसार किया जा रहा है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक कक्ष में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, खेल मैदान तथा कौशल विकास से संबंधित संसाधन भी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल विद्यालय योजना के अंतर्गत विकसित हो रही यह परियोजना जनपद की महत्वपूर्ण शैक्षणिक परियोजनाओं में शामिल है। विद्यालय के पूर्ण होने पर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेंगीए जिससे उन्हें बेहतर शिक्षण वातावरण प्राप्त होगा। यूपीपीसीएल के अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का लगभग 25 से 30 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी ने निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिओम सिंह, कार्यदायी संस्था के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

परीक्षा के मद्देनजर स्टेशन पर चला चेकिंग अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। यूपीटीजीटी परीक्षा के मद्देनजर बुधवार को सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने प्लेटफॉर्म और ट्रेनों के अंदर चेकिंग की। पुलिस ने संदिग्धों के बैग भी चेक किए। शहर के 24 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में करीब 21 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा के कारण स्टेशन पर यात्रियों और अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट रहीं। जबकि रेलवे के तरफ से ट्रेनों के स्पेशल रैक रिजर्व किए गए। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह और आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी एस एन पाटीदार ने पुलिस बल के साथ सर्कुलेटिंग एरिया, पार्सल घर, वेटिंग हॉल, पार्किंग स्थल, प्लेटफॉर्म और फुटओवर ब्रिज समेत अन्य स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच की गई। सुरक्षा कर्मियों ने स्टेशन परिसर में लगातार गश्त भी करते रहे। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य परीक्षा के दौरान रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकना था। रेलवे पुलिस ने यात्रियों और अभ्यर्थियों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। पूरे दिन स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निगरानी रखी गई।

एकल विद्यालय का मकसद बच्चों को संस्कारों पर आधारित शिक्षा देना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। जवाहर नगर स्थित ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में बुधवार से एक खास ट्रेनिंग कैंप की शुरुआत हुई। एकल अभियान की ओर से आयोजित यह सात दिवसीय नैपुण्य वर्ग सम्भाग स्तर का है, जिसमें प्राथमिक शिक्षा को और बेहतर बनाने के तौर-तरीके सिखाए जा रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस सात दिनों के कैंप में दक्षिण उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से आए लगभग 70 कार्यकर्ता और समिति सदस्य शामिल हो रहे हैं, जिन्हें यहाँ विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। कैंप के पहले दिन वक्ताओं ने एकल अभियान के सफर और इसकी ताकत को साझा किया। बताया गया कि कभी एक छोटे से पौधे के रूप में शुरू हुआ यह अभियान आज देश के एक लाख से भी ज्यादा गांवों तक पहुंच चुका है। इसे इस मुकाम तक पहुंचाने में जमीनी स्तर पर दिन-रात जुटे कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का सबसे बड़ा हाथ है, जो कार्यकर्ता हनुमान की तरह बिना थके सेवा में लगे रहे, उन्हीं की बदौलत आज यह संगठन पूरे भारत में एक विशाल वटवृक्ष की तरह फैल चुका है। ट्रेनिंग के दौरान कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने और उन्हें जिम्मेदारी समझाने के लिए बेहद सरल तरीका अपनाया गया। कैंप में छोटी-छोटी और प्रेरणादायक कहानियों के जरिए यह समझाने की कोशिश की गई कि एक बड़े संगठन में हर एक छोटे कार्यकर्ता की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। इन कहानियों ने वहां मौजूद युवाओं और सेवाव्रतियों में एक नया जोश भर दिया। इस पूरे ट्रेनिंग कैंप का मुख्य फोकस बच्चों को दी जाने वाली प्राथमिक शिक्षा पर है। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि एकल विद्यालय सिर्फ किताबी ज्ञान देने का जरिया नहीं हैं। इसका असली मकसद बच्चों को जीवन के सही मूल्य सिखाना और संस्कारों पर आधारित शिक्षा देना है। जब गांवों के बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार और नैतिकता की नींव पड़ेगी, तभी एक मजबूत समाज और देश का निर्माण हो पाएगा। इस मौके पर मंच का संचालन राजेंद्र कुमार सिंह ने किया और कैंप की रूपरेखा लवकुश सिंह ने सामने रखी। इस उद्घाटन समारोह में अंगद सिंह, शंभू कुमार सिंह, पूजा सिंह, तेज प्रताप, विष्णु पति, विजय कुमार, पंकज कुमार और आशीष समेत संगठन के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

ट्रस्ट की करोड़ों की जमीन को फर्जीवाड़ा कर बेचने का आरोप

-अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। औद्योगिक घराने सिंघानिया परिवार से जुड़े श्री बलदेव जी महाराज ट्रस्ट की करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्तियों के कथित अवैध सौदे, फर्जी बैंक खाते के संचालन और ट्रस्ट की धनराशि के गबन को लेकर नया विवाद सामने आया है। कर्वी से संचालित होने वाले श्री बलदेव जी महाराज टेंपल ट्रस्ट की कानपुर के आर्य नगर स्थित करोड़ों रुपए की कीमती जमीन को फर्जीवाड़े के जरिए बेचने का आरोप लगा है। इसको लेकर अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री नरेश चंद्र त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि शहर के कुछ धार्मिक लोगों ने उनसे संपर्क कर ट्रस्टों में हो रहे भारी घोटाले की शिकायत की थी। जब संस्था ने अपने स्तर पर जांच कराई, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।उन्होंने बताया कि आर्यनगर में करीब 1331 वर्ग गज की कीमती जमीन है, जो इस धार्मिक ट्रस्ट की है। आरोप है कि शरद सिंहानिया, विदुषपत सिंहानिया और मीनाक्षी सिंहानिया इस ट्रस्ट के कर्ता-धर्ता बने हुए हैं। इन लोगों ने परशुराम वाटिका के सामने मौजूद इस कीमती संपत्ति का बिना किसी कानूनी अनुमति के रजिस्टर्ड एग्रीमेंट टू सेल कर डाला। इस सौदे में 1 करोड़ 20 लाख तो ऑन-रिकॉर्ड लिए गए, जबकि बड़ी रकम कैश में लेने का अंदेशा है। श्री त्रिपाठी ने कहा नियमों के मुताबिक किसी भी धार्मिक या सामाजिक ट्रस्ट की प्रॉपर्टी को बेचने से पहले जनपद न्यायाधीश से बाकायदा परमिशन लेनी जरूरी होती है, लेकिन इस मामले में ऐसी कोई अनुमति नहीं ली गई। इतना ही नहीं ट्रस्ट के पैसों में हेरफेर करने के लिए इसके बैंक खाते का संचालन भी गुपचुप तरीके से कानपुर से दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि ट्रस्ट का पैसा समाज को आगे बढ़ाने, धर्मशालाएं और रैन बसेरे बनवाने के लिए होता है, किसी के निजी उपभोग या आलीशान बंगले खड़े करने के लिए नहीं। पुलिस कमिश्नर ने पूरे मामले के दस्तावेजों को देखने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिया है। प्रेसवार्ता में ब्रजेंद्र मिश्रा, हीरेन नाथ दीक्षित और संजय दीक्षित सहित महासभा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रयोगशाला में हुआ हस्ताक्षरों का खुलासा

सभा के महामंत्री ने कहा कि इसका पर्दाफाश तब हुआ जब परिवार के ही लोगों ने साल 2024 में फजलगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 113 दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना अधिकारी फजल अहमद ने जब बैंक खातों, ऑडिट रिपोर्ट और दस्तावेजों पर किए गए हस्ताक्षरों को विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा, तो वहां से आई रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया। फॉरेंसिक रिपोर्ट में साफ हुआ कि कागजातों पर किए गए दस्तखत पूरी तरह से फर्जी थे। पुलिस इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, वहीं आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट की शरण में गए हैं।

युवती को अगवा कर बुलंदशहर में लगाया ठिकाने

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कानपुर। बर्रा में रहने वाली कई दिन से लापता युवती की उन्नाव के हॉस्पिटल संचालक और उसके भतीजे ने हत्या कर दी है। आरोपियों ने उसका शव बुलंदशहर में ठिकाने लगाया है। यह बात पुलिस हिरासत में लिए गए एक आरोपी ने कबूली। इसके बाद बर्रा पुलिस की एक टीम आरोपी को लेकर शव बरामदगी के लिए बुलंदशहर रवाना हुई है। वहीं मामले के दूसरे आरोपी हॉस्पिटल संचालक ने मंगलवार को बर्रा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। मूलरूप से उन्नाव निवासी महिला विश्वबैंक में किराये पर रहती हैं। उन्होंने 25 मई को बर्रा थाने में उन्नाव के शेखपुर स्थित उत्तम हॉस्पिटल संचालक देवकांत उत्तम, उसके भतीजे व एंबुलेंस चालक विवेक पटेल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि 21 वर्षीय बेटी ने 19 मई को सदर कोतवाली में हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ शोषण की शिकायत की थी। इसके बाद हॉस्पिटल संचालक के भतीजे विवेक पटेल ने 21 मई को मैसेज कर बेटी को मिलने बुलाया था। इसकी जानकारी बेटी ने उन्हें दी थी और फिर मिलने चली गई। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला। मां ने बर्रा थाने में अपहरण कर हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान बर्रा पुलिस ने विवेक को हैलट से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में विवेक ने हत्या करने और शव बुलंदशहर में फेंकने की बात कबूली है। वहीं मंगलवार को नर्सिंगहोम संचालक ने बर्रा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस आरोपी विवेक को लेकर बुलंदशहर गई है। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एक को हैलट से पकड़ा गया है।

खबर एक नजर

तेज आंधी से गिरी ईट की दीवाल युवती गंभीर घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो भीतरगांव कानपुर। बुधवार शाम तेज आंधी के साथ आई बारिश के दौरान भीतरगांव क्षेत्र में एक दीवाल गिर गई जिससे एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई और करीब आधा दर्जन गांवों में खंभे टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार गणेशीपुर मजरा नेवादा उजागर गांव में तेज आंधी से ईंटों से बनी दीवाल गिर गई जिससे भारी भरकम कटहल का पेड़ गिर गया और अंजली 18 पुत्री रामसिंह पासवान गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे एंबुलेंस से सीएचसी भीतरगांव भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हैलेट रेफर किया गया।

आधा दर्जन गांवों में विद्युत आपूर्ति बाधित भीतरगांव क्षेत्र में बुधवार शाम तेज आंधी तूफान से तमाम टीन से बने आशियाने उजड़ गए तथा गणेशीपुर सेमरा बिरहर तथा कुड़नी में खंभे टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई उप खंड अधिकारी सुजीत तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया है छह खंभे टूटे है जिन्हें बदलकर शीघ्र आपूर्ति बहाल की जाएगी।

रंजिश युवक के साथ मार पीट, बचाने पहुंचे परिजनों को भी पीटा

घायलों को इलाज केलिए भेजा गया सीएचसीए आरोपियों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

घाटमपुर। थाना क्षेत्र के नौरंगा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को रोक कर दबंगों ने हमला बोल दिया। आरोप है कि बचाने पहुंचे परिजनों के साथ भी हमलावरों ने मार पीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पिन्टू कोरी पुत्र स्व0 रामगोपाल निवासी ग्राम नौरंगा ने पुलिस को बताया कि सुबह करीब 10रू30 बजे वह अपने नये घर से पुराने घर अकेले जा रहा था। जैसे ही लल्लू बाबा मैदान के पास पहुँचा ही था कि वहाँ पर पहले से मौजूद अरविन्द पुत्र शिवशंकर व विनीत पुत्र रमेश व सुशील पुत्र संतोष निवासीगण ग्राम नौरंगा ने पुरानी रंजिश के चलते उस को रोक लिया।उस को माँ.बहन की भद्दी.भद्दी गाली गलौज करने लगे तो उसने उन लोगों को गाली गलौज करने से मना किया। आरोपी उस से मारपीट पर अमादा हो गये।घटना की सूचना पाकर उस की वृद्ध माँ भिक्खी पत्नी स्व0 रामगोपाल व उस की पत्नी शालिनी पत्नी पिन्टू कोरी मौके पर पहुँचे तो उक्त लोग एकराय होकर उसकी वृद्ध माता व पत्नी को लात.घूसों व लाठी.डण्डो से बुरी तरह से मारा पीटाए उक्त लोगों की पिटाई से उस के सिर में गम्भीर चोट व उस की वृद्ध माता के कान से खून निकल आया। पत्नी के कमर में चोट व शरीर में अन्दुरूनी व बाहरी चोटे आयी है तथा उक्त लोगों ने धमकी दी कि यदि कही शिकायत की तो तुम लोगों को जान से मार देगें। थाना प्रभारी मनोज कुमार भदौरिया ने बताया कि मामले की जांच के साथ कार्यवाही की जा रही है।

डीएम ने गेहूं क्रय केंद्र का किया निरीक्षण कहा खरीद में बरतें पारदर्शिता

घाटमपुर मंडी स्थित गेहूं क्रय केंद्र का किया निरीक्षणए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

घाटमपुर। बुधवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने घाटमपुर मंडी परिसर में संचालित गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओंए किसानों के पंजीकरणए तौल व्यवस्था तथा भुगतान संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं खरीद के अंतिम चरण में किसी भी किसान को असुविधा न होने पाए। उन्होंने केंद्र पर आने वाले किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि गेहूं खरीद की अवधि 15 जून तक निर्धारित है। ऐसे किसान जिन्होंने अभी तक अपना गेहूं नहीं बेचा हैए वे समय रहते सरकारी क्रय केंद्रों पर अपना गेहूं विक्रय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2ए585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया हैए जिसका लाभ किसान सीधे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अधिकृत सरकारी क्रय केंद्रों का उपयोग करने और समर्थन मूल्य योजना का लाभ उठाने की अपील की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित किया जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए।

आगामी आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षा के लिये सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

भरुआ सुमेरपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षा के लिये बुधवार को अपर जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने कस्बे के राजकीय महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, कक्ष निरीक्षकों की तैनाती, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता तथा परीक्षा के निष्पक्ष, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

इस दौरान संबंधित अधिकारियों को परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा अभ्यर्थियों को निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार ही प्रवेश प्रदान किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखते हुए परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर बल दिया। इस मौके पर अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महाकवि भूषण का पैतृक गांव उप्र व महाराष्ट्र की साझा संस्कृति का बनेगा केंद्र-डीएम

डीएम पहुंचे टिकवांपुरए रवींद्र मिश्र उर्फ विपिन मिश्रा द्वारा समर्पित भवन में उनके साथ पुस्तकालय व आंगनबाड़ी केंद्र का किया शुभारंभ

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के टिकवांपुर गांव में स्थित महाकवि भूषण का पैतृक गांव अब उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र की साझा संस्कृति का केंद्र बनेगा। कारणए वह यहां पैदा हुए और कर्मस्थली महाराष्ट्र को बनाया। इसलिए यह स्थल वंदनीय है। यहां महाकवि भूषण से जुड़े साहित्य के साथ ही विशाल पुस्तकालय अब युवाओं को आगे बढ़ाने में मददगार बनेगाए जिसका शुभारंभ बुधवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने रवींद्र मिश्र उर्फ विपिन मिश्रा किया। जिसमें शिवा बावनी समेत आज से 413 साल पहले के महाकवि भूषण द्वारा लिखित ग्रंथों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी किताबें भी रखी जाएंगी।साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को शिक्षा मिलेगी व निकट भविष्य में महिलाओं के लिए चिकित्सा केंद्र भी खोलने का प्रस्ताव हैगांव में पुस्तकालय व आंगनबाड़ी केंद्र का शुभारंभ करने व पूरे परिसर का भ्रमण करने के बाद मंच पर पहुंचे डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि दो माह पहले जब रवींद्र मिश्र उर्फ विपिन मिश्रा आए तो लगा कि कुछ मांगने आए होंगेए लेकिन ये तो देने आए थे। इन्होंने अपना घर प्रशासन को दिया व आज यहां इतना सब कार्य हो रहा है। उन्होंने विपिन मिश्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि लोगों को लेने के बजाय देने वाला बनना चाहिए। इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए व समाज के लिए कुछ अवश्य करना चाहिए। यह प्रयास टिकवांपुर को नई पहचान देगा। वर्ष 1613 में इसी धरती पर पैदा हुए महाकवि को आज उनके कार्यों के कारण ही याद किया जा रहा है। ऐसे ही आगे जो लोग करेंगेएउन्हें याद किया जाएगा। गांव में तालाबों के संरक्षण को लोग आगे आएं। प्रकृति बचेगीए तभी हम सब सुरक्षित रहेंगे। इसके बाद उन्होंने महाकवि भूषण के पैतृक आवास में क्षतिग्रस्त प्राइमरी पाठशाला के भवन का निरीक्षण किया। तहसीलदार को जर्जर भवन को दुरुस्त करवाकर जीर्णोद्धार कराने के लिए कहा। इस भवन के कमरों में ग्रामीण भूसा भंडारण व मवेशी पालन कर रहे हैंए जिसे देख नाराजगी जताई। डीएम ने महाकवि भूषण के पैतृक आवास के भवन को तत्काल कब्जा मुक्त कराने के आदेश दिए।

महाकवि भूषण की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण घाटमपुर। महाकवि भूषण से जुड़े साहित्य के साथ ही विशाल पुस्तकालय के शुभारंभ के बाद जिलाधिकारी ने महाकवि भूषण की प्रतिमा पर पहुंच कर माल्यार्पण के साथ उन्हें नमन किया। महिला अस्पताल एवं प्रसूति केंद्र के लिए भवन दान करने वाले रवींद्र मिश्र श्विपिनश् ने कहा कि गांव से दूर होने के कारण प्रतिमा स्थल पर पहुंचना बाहरी व्यक्तियों के लिए दुष्कर होता है। इसलिए यहां की व्यवस्थाएं और दुरुस्त कराई जाएं। इसपर डीएम ने व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान नागेंद्र त्रिपाठीए आनंद मिश्र श्छूनीश्ए पुरोहित महेश त्रिपाठीए सरस यादवए राम कृपालए अनिल मिश्राए पूर्व प्रधान रामगोपालए धर्मेंद्र सिंहए अजीत यादव व केशवराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सूने घर को निशाना बना लाखों के जेवरात चोरी पुलिस जांच में जुटी

साढ़ थाना की बिरहर चौकी के हसगर में हुई घटना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो भीतरगांव कानपुर। बीती रात साढ़ थाना क्षेत्र की बिरहर चौकी के हसगर गांव में सूने घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए अलमारी में रखे लाखों के जेवरात चोरी कर ले गए सुबह मामले की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने कंट्रोल रूम को सूचना दी।

बिरहर क्षेत्र के हसगर निवासी पुतई कुशवाह ने पुलिस को बताया कि मेरा एक घर गांव के अंदर है और दूसरा गांव किनारे खेतों की तरफ बना हुआ है जिसमें बेटा अजीत कुशवाहा परिवार सहित रहता है बीती रात लाइट कट जाने के चलते दोनों लोग गांव में बने घर में लेटने आ गए सुबह जब वह जानवरों के लिए चारा डालने गए तो दरवाजे का ताला कटा हुआ पड़ा देख सन्न रह गए अंदर अलमारी भी खुली पड़ी थी जिसमें रखे दो जोड़ी तोड़िया माला हाफ़पेटी पायल अंगूठी बिछिया समेत लाखों के जेवरात चोरी कर ले गए पीड़ित ने मामले की सूचना कंट्रोल रूम में देते हुए बिरहर चौकी में लिखित शिकायत की बिरहर चौकी प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिली है मामले की जांच की जा रही है।

डीएम सीएचसी की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं देख हुए संतुष्ट

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) घाटमपुर।डीएम ने टिकवांपुर जाने से पूर्व घाटमपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। मरीजों के हालचाल जाने और अन्य सुविधाओं की जानकारी कर साफ सफाई भी देखी। व्यवस्थाओं के साथ सफाई दुरुस्त होने पर संतोष जताया। वहीं सीएचसी का नाम बेनी सिंह अवस्थी के नाम पर होने के चलते चिकित्साधीक्ष डॉण् पवन सचान से उनके बारे में भी जानकारी ली।

नियुक्ति अनुभाग ने शिकायत की निस्तारण के लिए मांगे सत्यापित साक्ष्य

भरुआ सुमेरपुर। ग्राम पंचायत बण्डा के पूर्व प्रधान रबी की फसल विपक्षियों को कटवा देने के प्रकरण में शासन के नियुक्ति अनुभाग 3 में तत्कालीन एसडीएम सदर एवं थानाध्यक्ष बिंवार से सत्यापित साक्ष्य उपलब्ध कराने के आदेश दिये है। नियुक्त अनुभाग 3 में अनुसचिव मनीष कुमार सिंह ने गत 19 म ई को जारी किये आदेश में स्पष्ट किया है कि बण्डा गांव निवासी संजय सिंह की शिकायत के निस्तारण के लिए संबंधित एसडीएम सदर कडेदीन शर्मा एवं थानाध्यक्ष बिंवार नंदराम प्रजापति के नोटरी से सत्यापित साक्ष्यों की जरूरत है ताकि शिकायत का निस्तारण किया जा सके इसलिए दोनों अधिकारी सत्यापित साक्ष्य शिकायत के निस्तारण के लिए प्रस्तुत करे।

बंद घर में चोरों ने बोला धावा, नकदी समेत लाखों के जेवरात चोरी

घर के सभी सदस्य दूसरे मकान में सोए हुए थेए बुधवार को सुबह चोरी की हुई जानकारी पर उड़े होश

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) घाटमपुर। थाना क्षेत्र के रामसारी गांव में बीती रात चोरों ने कोटेदार के घर को निशाना बनाया। घर में रखे नगदी और जेवरात चोरी कर फरार हो गए। चोरों ने पहले बंद घर की कुंडी काटी फिर घटना को अंजाम दिया।घर के सभी सदस्य दूसरे मकान में सोए हुए थेए बुधवार को सुबह चोरी की हुई जानकारी पर घर के लोगों के होश उड़ गए। पुलिस को जांच में पता चला कि चोर कार से आए थे। राम सारी गांव निवासी कोटेदार विकास यादव ने बताया कि गांव में ही दूसरा घर मां विद्या देवी के बहन के यहां चले जाने से बंद था। रात चोरों ने मुख्य दरवाजे समेत अन्य दरवाजों की कुंडी काटकर चोरी को अंजाम दिया। सुबह घर के दरवाजे खुले मिले तो चोरी की घटना की जानकारी हुई। पड़ोसियों के मुताबिक रात करीब एक बजे घर के बाहर एक कार खड़ी थी। तब यह सोचा गया कि कोई मेहमान आया होगाए इसलिए किसी ने टोका नहीं। पीड़ित के अनुसार चोर कई लाख के जेवरात व 15 हजार नगद लेकर फरार हो गए हैं।

न्यू नारायन ट्रैक्टर में नए डिजीट्रैक मॉडल्स की हुई लॉन्चिंग

बिल्हौर न्यू नारायन ट्रैक्टर बिल्हौर में पावर ट्रैक के डिजी ट्रैक पीपी 41 आई एवं 43 प्लस यूरो 439 एवं 434 डीएस और 46 फोर डब्ल्यू डी मॉडल्स की लांचिंग हजारों किसान भाइयों की मौजदूगी में हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा के जिला पदाधिकारी जय प्रकाश कटियार और विक्रम मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंची शिवराजपुर नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला कटियार ने नए मॉडल्स की लांचिंग फीता काटकर की। इस अवसर पर पावरट्रैक कंपनी के अधिकारी यूसुफ और सिद्धार्थ ने इन सभी नए मॉडल की उन्नत तकनीक के बारे में किसान भाइयों को जानकारी दी। कंपनी के अधिकारियों ने गोष्ठी में आए हुए किसान भाइयों के लिए लकी ड्रॉ निकाला और दस लकी किसानों को गिफ्ट प्रदान किए। बाद में न्यू नारायन ट्रैक्टर के एम डी राहुल कटियार एवं कार्यक्रम संयोजक शुभ्रांशु कटियार ने आए हुए सभी किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संजय कटियार पिंटू पवन सुमित तनु रमन पिंटू मंजू सीटू बऊआ पंकज गोलू आदि लोग मौजूद रहे।

न्यू नारायन ट्रैक्टर में नए डिजीट्रैक मॉडल्स की हुई लॉन्चिंग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बिल्हौर न्यू नारायन ट्रैक्टर बिल्हौर में पावर ट्रैक के डिजी ट्रैक पीपी 41 आई एवं 43 प्लस यूरो 439 एवं 434 डीएस और 46 फोर डब्ल्यू डी मॉडल्स की लांचिंग हजारों किसान भाइयों की मौजदूगी में हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा के जिला पदाधिकारी जय प्रकाश कटियार और विक्रम मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंची शिवराजपुर नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला कटियार ने नए मॉडल्स की लांचिंग फीता काटकर की। इस अवसर पर पावरट्रैक कंपनी के अधिकारी यूसुफ और सिद्धार्थ ने इन सभी नए मॉडल की उन्नत तकनीक के बारे में किसान भाइयों को जानकारी दी। कंपनी के अधिकारियों ने गोष्ठी में आए हुए किसान भाइयों के लिए लकी ड्रॉ निकाला और दस लकी किसानों को गिफ्ट प्रदान किए। बाद में न्यू नारायन ट्रैक्टर के एम डी राहुल कटियार एवं कार्यक्रम संयोजक शुभ्रांशु कटियार ने आए हुए सभी किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर संजय कटियार पिंटू पवन सुमित तनु रमन पिंटू मंजू सीटू बऊआ पंकज गोलू आदि लोग मौजूद रहे।

संस्कार व साधना का दस दिवसीय वर्ग का समागम 3 से 13 जून तक

स्वतंत्र भारत व्यूरो

शुक्लागंज उन्नाव शिशु वाटिका सह प्रांत प्रमुख बहन श्रीमती आशा शुक्ला ने बताया कि शिशु शिक्षा के सुगंधित उपवन में संस्कारों की सुरभि फैलाने हेतु विद्याभारती द्वारा आयोजित सरोज सरस्वती शिशु वाटिका शुक्लागंज उन्नाव में प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग 3 जून से 13 जून 2026 तक दस दिवसीय वर्ग संपन्न होना जा रहा है। जिसमें अवध प्रांत की 13 जिलें लखीमपुर खीरी लखनऊ सीतापुर हरदोई अम्बेडकर नगर रायबरेली श्रावस्ती उन्नाव अयोध्या बहराइच बाराबंकी गोण्डा और बलरामपुर की चयनित प्रशिक्षणार्थी बहनें सहभागिता करने के लिए एकत्र होंगी । यह वर्ग केवल प्रशिक्षण नहीं अपठित एक आध्यात्मिक सांस्कृतिक साधना शिविर होगा जहां प्रतिदिन प्रातः 6रू30 बजे से हवन पूजन शुभारंभ होगा और रात्रि 9रू00 बजे तक चलने वाले 6 सत्रों में शिशु शिक्षा संस्कृति कर्तव्य बोध राष्ट्रीय प्रेम और वैदिक मूल्य का समावेश किया जाएगा 13 जिलों से पधारने वाली बहनो के लिए यह अवसर केवल शिक्षक का नहीं आत्म गौरव और संस्कृति का पुनर्जागरण होगा जिसमें भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा बाल मनोविज्ञान और नवाचार के आयामों का सजीव दर्शन होगा वर्ग की गरिमा को और ऊंचाई देने हेतु अखिल भारतीय अधिकारी क्षेत्रीय मंत्री क्षेत्रीय संगठन मंत्री सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री क्षेत्रीय अधिकारी प्रदेश निरीक्षक संभाग निरीक्षक एवं समस्त प्रधानाचार्य बंधु मार्गदर्शन हेतु उपस्थिति रहेंगे। सह क्षेत्रीय शिशु वाटिका संयोजिका एवं सरस्वती शिशु मंदिर प्रधानाचार्या ;लखीमपुर खीरीद्धश्रीमती हीरा सिंह ने बताया कि दस दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग न केवल बहिनों के लिए एक ज्ञानयात्रा सिद्ध होगादबल्कि यह राष्ट्र निर्माण की उस नींव को भी सुदृढ़ करेगा जिसकी पहली ईंट शिशु के संस्कार होते हैं।

संस्कार केन्द्रों के माध्यम से बच्चों में संस्कार देना ईश्वरीय कार्य -रामस्वरूप

स्वतंत्र भारत व्यूरो शुक्लागंज उन्नाव आज गोपीनाथपूरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में 6 विवसीय संस्कार केन्द्र संचालक संचालिका प्रशिक्षण वर्ग आज माँ सरस्वती की वन्दना के पश्चात शुरु हुआ । वर्ग का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर और पुष्पार्चन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारम्भ रामस्वरूप अखिल भारतीय सेवा शिक्षा संयोजक व राम सिंह प्रदेश निरीक्षक ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया व पुष्पार्चन के साथ माँ शारदे की वन्दना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह ने मंचस्थ अतिथियों का परिचय कराया व सेवा शिक्षा संयोजक योगेश पूर्वी 40 50 वे नेपाल ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। अपने उद्?बोधन में रामस्वरूप ने कहा कि संस्कार केन्द्रों के माध्यम से ही बच्चों में संस्कार आचरण व विचारों को समाज के अनुरूप दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि संस्कार केन्द्रों में कमजोर मलिन व दलित बस्तियों में निवास करने वाले बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। जिससे कि ऐसे बच्चों का भी उत्थान हो सके। अन्त में विद्यालय के प्रबन्धक राकेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया । कल्याण मंत्र रविशंकर सोपान्तक ने कराकर कार्यक्रम का समापन कराया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता कार्यशाला स्थापन खण्ड, कानपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या– 05/EE/WEDK/2026-2027

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबन्द निविदायें बजट की प्रत्याशा में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में यॉत्रिक "A" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक: 06.06.2026 से दिनांक: 12.06.2026 अपरान्ह 13:00 बजे तक अमात्रित की जाती है,जो दिनांक: 12.06.2026 को अधिशासी अभियंता, कार्यशाला स्थापन खण्ड, 7/7 लक्ष्मणबाग, कानपुर के कार्यालय कक्ष में नामित समिति द्वारा समय अपरान्ह 15:00 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक :06.06.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक: 12.06.2026, समय 12.00 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, कार्यशाला स्थापन खण्ड, कानपुर में निर्धारित मूल्य जमा करते हुए प्राप्त किया जा सकता है। पंजीकरण प्रमाण–पत्र, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण–पत्र (IDT-1) हैसियत प्रमाण–पत्र (IDT-2) स्वघोषणा शपथ–पत्र (IDT-3) की मूलप्रतियां अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत की जायेंगी तथा उनकी सत्यापित छायाप्रति भी ठेकेदार अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा जमा की जायेगी। अधिकृत प्रतिनिधि को ठेकेदार द्वारा प्रदत्त अधिकार पत्र, जो नोटरी से प्रमाणित हों जिसमें प्रतिनिधि का हस्ताक्षर प्रमाणित किया गया हो, भी जमा करने के पश्चात निर्धारित शुल्क देकर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है।

धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 अथवा नियमानुसार अनुमन्य अन्य प्रतिभूति के रू॰ में जो कि कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, कार्यशाला स्थापन खण्ड, कानपुर के पक्ष में बंधक होगी, जमा कराना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा स्वीकार नही की जायेगी। निविदा खुलने की तिथि में राजकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यदिवस में नियत समय पर ही निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार रहेगा।

लाट सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0	वर्गीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	Replacing of Steel Wire Rope of Nauraiyakheda 03 Nos. Cross Regulator Gate for Irrigation Division, Kanpur Dehat as per Technical specification and site condition including all cost of labour, material, T&P and Consumables required for proper completion of work as per bill of quantity. Work will be carried as per direction of Engineer-in-charge. (G.S.T. will be paid extra as per prevailing government norms)	715848.00	14400.00	90 days	150.00+ 18% G.S.T. +Rs. 500.00 =Rs. 677.00	सिंचाई विभाग उ0प्र0 मे यॉत्रिक "ए" श्रेणी में पंजीकृत एवं सम्बन्धित कार्यो के अनुभवी ठेकेदार
2	Repairing and maintenance of Stair and Stair Railing of Nauraiyakheda Cross Regulator Gate for Irrigation Division, Kanpur Dehat as per drawing and site condition including all cost of labour, material, T&P and Consumables required for proper completion of work as per bill of quantity. Work will be carried as per direction of Engineer-in-charge. (G.S.T. will be paid extra as per prevailing government norms)	180841.00	3700.00	90 days	150.00+ 18% G.S.T. +Rs. 500.00 =Rs. 677.00	सिंचाई विभाग उ0प्र0 मे यॉत्रिक "ए" श्रेणी में पंजीकृत एवं सम्बन्धित कार्यो के अनुभवी ठेकेदार

नोट–
1–निविदा से संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्ते, तकनीकी विशिष्टयां तथा बिल ऑफ क्वांटिटी निविदा–प्रपत्र के साथ संलग्न रहेगी।
2–उपरोक्त अंकित किसी भी तिथि को अवकाश घोषित होने की स्थिति में, अगले कार्यदिवस को निविदा प्राप्त/खोली जायेगी।
3–निविदादाता को सुझाव दिया जाता है कि निविदा डालने से पूर्व समस्त विभागीय नियमों व शर्तों का संज्ञान लेते हुए कार्यस्थल का निरीक्षण कर कार्य की स्थिति एवं परिस्थिति से भली–भॉति भिज्ञ हो लें।

(कुलदीप तिवारी)
अधिशासी अभियन्ता

उ0प्र0 252075 दिनांक- 03.06.2026
Website: www.upgov.nic.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–2, लो.नि.वि., कानपुर नगर

पत्रांक: 1291/1ए **विज्ञप्ति** दिनांक: 29.05.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद कानपुर नगर के विधानसभा क्षेत्र बिल्हौर के अन्तर्गत जी0टी0 मार्ग से गदनपुर आहार मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु निजी भूमि का काश्तकारों से आपसी समझौते द्वारा क्रय किया जाना है। पूर्व में इस कार्यालय के पत्रांक 1071/10ए दिनांक 02.05.2026 के माध्यम से विज्ञप्ति प्रकाशित की गयी थी, जिसमें उल्लिखित खातेदारों के अतिरिक्त निम्नलिखित खातेदारों से भी भूमि क्रय किया जाना है, जिनका विवरण निम्नवत् है :–

क्र0सं0	खातेदार का नाम	गाटा सं0	क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा (हेक्टेयर में)
	ग्राम गदनपुर आहार, तहसील बिल्हौर, जनपद कानपुर नगर की प्रभावित भूमि का विवरण		
1	श्रीकृष्ण/बाबू राम आदि।	353	0.0076
2	कुलदीप सिंह/लाल सिंह आदि।	354	0.0194
3	रमेश चन्द्र/राजा राम आदि।	142	0.0153
4	रामसेवक/सोने लाल आदि।	139	0.0023

नोट– भूमि के स्वामित्व के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति द्वारा अपनी आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 10 दिवस के अन्दर प्रस्तुत की जाये, उसके उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो.नि.वि., कानपुर नगर।

उ0प्र0 252069 दिनांक- 02.06.2026
Website: www.upgov.nic.in

स्वतंत्र भारत
कानपुर, बृहस्पतिवार, 4 जून 2026 5

फतेहपुर समाचार

शॉर्ट सर्किट से मोबाइल की दुकान में लगी भीषण आग

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रेमनगर कस्बे में बीती देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण एक बड़ी मोबाइल दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि दुकान के भीतर रखा लाखों रुपये का कीमती सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण जलकर पूरी तरह राख के ढेर में तब्दील हो गए।

युवा साहित्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित हुए आयुष गुप्ता

- प्रयागराज में मिला सम्मान

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जनपद के होनहार युवा रचनाकार आयुष गुप्ता को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित श्युवा साहित्य रत्न पुरस्कारश् से सम्मानित किए जाने पर जिले के साहित्यिक हलकों और समाज में हर्ष की लहर है। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ की ओर से प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज के सभागार में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह के दौरान सर्वोच्च न्यायालय) के न्यायाधीश द्वारा आयुष गुप्ता को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक गौरवपूर्ण उपलब्धि पर भारतीय दोसर वैश्य महासमिति के पदाधिकारियों ने आयुष के गृह जनपद पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया। ग्राम शाह निवासी ललित कुमार गुप्ता के सुपुत्र आयुष गुप्ता ने इस बड़ी साहित्यिक प्रतियोगिता में बाजी मारकर जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर चमकाया है। महासमिति के जिलाध्यक्ष नारायण बाबू गुप्ता ने बताया कि आयुष ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर से पूरी करने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की है और वर्तमान में वे प्रयागराज में रहकर ही सिविल सेवा की तैयारी कर रहे हैं। महासमिति के राष्ट्रीय वरि. उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता ने जानकारी दी कि उ.प्र. हिंदी संस्थान द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय कविता व लेखन प्रतियोगिता में पूरे देश से लगभग 11 हजार मेधावी बच्चों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया था, जिसमें आयुष गुप्ता ने स्त्री विमर्श जैसे संवेदनशील विषय पर सर्वोत्कृष्ट लेख लिखकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस गौरवमयी क्षण पर संजय गुप्ता, सुशील गुप्ता फौजी, लक्ष्मी गुप्ता और आनंद गुप्ता आदि बधाई देने पहुंचे।

तहसील व नगर पालिका में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल, आंदोलन की चेतावनी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जिले की तहसीलों और नगर पालिका परिषद में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार, सुविधा शुल्क की खुली वसूली और फाइलों के लंबे समय तक लंबित रहने के गंभीर मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कलेक्ट्रेट परिसर में कांग्रेस के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी और शहर अध्यक्ष मो. आरिफ गुड्डा के नेतृत्व में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स से मुलाकात की और एक विस्तृत मांग पत्र सौंपकर इस प्रशासनिक सुस्ती व भ्रष्टाचार पर तत्काल अंकुश लगाने की मांग की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि जिले की तहसीलों में आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर क्षेत्रीय लेखपालों द्वारा खुलेआम सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। इसके अतिरिक्त भूमि को व्यावसायिकघोषित कराने, दाखिल-खारिज और पैमाइश व हदबंदी जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्यों में भी अवैध धन वसूली का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। उन्होंने कहा कि जो गरीब लोग पैसे देने में असमर्थ हैं, उनकी फाइलें महीनों तक दबाकर रखी जाती हैं, जिससे आम जनता का मानसिक और आर्थिक शोषण हो रहा है। वहीं शहर अध्यक्ष मो. आरिफ गुड्डा ने नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे बुनियादी दस्तावेज बनवाने में जनता को चार से छह महीने का समय लग रहा है। कई बार जरूरी फाइलें रहस्यमयी तरीके से गायब कर दी जाती हैं, ताकि आवेदकों को सुविधा शुल्क देने के लिए मजबूर किया जा सके। असेसमेंट से जुड़ी फाइलों में ग्राम समाज की रिपोर्ट लगाने के नाम पर भी अवैध वसूली की जा रही है और पैसे न मिलने पर फाइलों को आठ-नौ महीने तक लंबित रखा जाता है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से इन सभी विभागों और मामलों की निष्पक्ष व उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। कलेक्ट्रेट में मौजूद कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी कि यदि तहसीलों और नगर पालिका में व्याप्त इस भ्रष्टाचार पर शीघ्र ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर एक व्यापक जनआंदोलन शुरू करने के लिए विवश होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। जिलाधिकारी ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नेताओं से आवश्यक साक्ष्य मांगे हैं और त्वरित जांच कराकर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। इस दौरान श्रवण गौड़, शेख एजाज अहमद, आशीष गौड़, मणि प्रकाश दुबे, प्रेम शंकर त्रिवेदी, देवी प्रकाश दुबे, राजू लोधी, पं. रामनरेश महाराज और जेपी पासवान आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी ने भरी हुंकार, डीएम को सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए हुंकार भरी। प्रदर्शन के उपरांत पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक ग्यारह सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा, जिसमें जिले की विभिन्न जर्जर सड़कों, नालियों और अधूरी पड़ी विकास योजनाओं के त्वरित निस्तारण की मांग उठाई गई है।

यह प्रदर्शन जिलाध्यक्ष एवं प्रयागराज मंडल प्रभारी रामकिशोर सिंह के नेतृत्व में किया गया। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि ग्राम सभा अयाह बाजार से दो किलोमीटर तक की जर्जर सड़क, ग्राम भगवानपुर से पहाड़पुर तक एक किलोमीटर लंबे जर्जर खड़ंजे व नाली, तथा असोथर विकास खंड के ग्राम कोर्राकनक में ध्वस्त हो चुके खड़ंजे व नाली का अविलंब जीर्णोद्धार कराया जाए। इसके अतिरिक्त पदाधिकारियों ने यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया कि कोर्राकनक में जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन अब तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। वहां पानी की टंकी का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा है, जिसे तत्काल प्रभाव से पूरा कराया जाना जनहित में बेहद आवश्यक है।

पार्टी पदाधिकारियों ने ग्राम मैनाही का डेरा (मजरे कोर्राकनक) में आरसीसी रोड को तोड़कर बिछाई गई पाइप लाइन से उत्पन्न हुई गंभीर समस्याओं का जिक्र करते हुए क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द से जल्द बनवाने की मांग की। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ताओं ने ग्राम भोलिया का डेरा, ग्राम चंद्रगण लखनघा, ग्राम सभा दसौली का पुरवा, ग्राम सभा सेमराई, ग्राम बनकटा और ग्राम उसरैना की स्थानीय समस्याओं को भी पुरजोर तरीके से उठाया। शहर के नासेपीर क्षेत्र में हो रही अघोषित और भारी बिजली कटौती से आम जनता को निजात दिलाने की भी मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान जय प्रकाश सिंह, शिवनारायण सिंह, ललित कुमार, अर्जुन सिंह, गजोधर, मंजू देवी और कुंती देवी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हथगाम थाने में एसपी ने की जनसुनवाई

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने हथगाम थाने का औचक निरीक्षण किया और वहां आयोजित जनसुनवाई में खुद बैठकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान क्षेत्र से आए बड़ी संख्या में लोगों ने भूमि विवाद, आपसी मारपीट, पारिवारिक क्लेश तथा अन्य स्थानीय कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किए, जिन पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया। पुलिस कप्तान ने एक-एक पीड़ित की शिकायत को बेहद ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर ही संबंधित थाना प्रभारी व बीट उपनिरीक्षकों को निर्देश दिए कि इन मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि समाज के पीड़ित और शोषित वर्ग को न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही, ढिलाई या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने मातहतों को निर्देशित किया कि वे थाने आने वाले हर एक फरियादी के साथ संवेदनशील, मानवीय और सम्मानजनक व्यवहार अपनाएं, क्योंकि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करने के लिए त्वरित न्याय व्यवस्था बेहद आवश्यक है।

स्वच्छता सैनिकों के लिए देवदूत बने डॉ. अनुराग

- हीटवेव से बचाव को चलाया महाअभियान

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रहे हीटवेव (लू) के जानलेवा खतरे के बीच, नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ रखने वाले स्वच्छताग्रहियों के स्वास्थ्य की रक्षा हेतु कलेक्ट्रेट रोड और नगर के विभिन्न वार्डों में एक विशेष राहत व जागरूकता अभियान चलाया गया। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, आरोग्य भारती एवं द होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान तथा डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित इस महाअभियान का नेतृत्व रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य व नवनिर्वाचित चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने किया। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या 12 (राधानगर) एवं वार्ड संख्या 3 (बक्शपुर) में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने धूप में काम कर रहे स्वच्छता सैनिकों को लू के दुष्प्रभावों से बचने के चिकित्सा उपाय बताए। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम में भी नगर को स्वच्छ रखने वाले इन कर्मवीरों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना पूरे समाज का सामूहिक उत्तरदायित्व है। इस दौरान उन्होंने सभी स्वच्छताग्रहियों को हीटवेव से बचाव और मौसमी संक्रमण की रोकथाम के लिए होम्योपैथिक औषधियां, सुरक्षा मास्क और ओआरएस के पैकेट वितरित किए। कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय सभासद अरुण यादव और पवन कुमार द्विवेदी ने डॉ. अनुराग श्रीवास्तव को उनकी अनवरत जनसेवा और पुनः रेडक्रॉस का चेयरमैन चुने जाने पर माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुरेश कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

हरिहरगंज में व्यापारी संवाद आयोजित, योजनाओं की दी जानकारी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। राज्य कर विभाग द्वारा हरिहरगंज में श्व्यापारी संवादश् कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण के लाभ व उसकी सरलीकृत प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उपायुक्त अशोक कुमार एवं सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार ने बताया कि जीएसटी नियम 14(ए) के तहत ढाई लाख रुपये से कम मासिक कर देनदारी वाले छोटे व मध्यम व्यापारियों को आधार प्रमाणीकरण के बाद मात्र तीन दिन में स्वतः पंजीकरण मिल जाता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पंजीकृत व्यापारियों के लिए सरकार द्वारा 10 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा का लाभ देय है। संवाद के दौरान व्यापारियों को जीएसटी रिटर्न दाखिला, समाधान योजना और ई-इनवॉइसिंग के नियमों को समझाते हुए पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर व ईमेल अपडेट रखने का सुझाव दिया गया। अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के रवि प्रकाश दुबे, अभिनव सिंह, अजय गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता और श्रीमती सुनीता गुप्ता आदि व्यापारी व अधिवक्ता उपस्थित रहे।

निःशुल्क ताइक्वांडो शिविर का समापन, मेधावी खिलाड़ी सम्मानित

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर द्वारा तीन केंद्रों पर संचालित 15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस समर कैंप में करीब 150 छात्र-छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे, जिन्हें मुख्य अतिथियों द्वारा मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसो. के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने बच्चों को सशक्त व प्रतिभाशाली बनाने के इस वार्षिक प्रयास की सराहना की, वहीं सचिव राजकुमार ने हुनर सीखने को जीवन की अनमोल कला बताया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सीमा बाजपेई, उपाध्यक्ष प्रखर शुक्ला, फैजान खान, भारत वर्मा, शिव कुमार, रिचा राजपूत और अभिभावक प्रियंका शुक्ला व शालिनी साहू आदि उपस्थित रहे।

संस्था के सदस्य ने रक्तदान कर बचाई मरीज की जिंदगी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जब जिला अस्पताल में भर्ती एक अत्यंत जरूरतमंद मरीज की जिंदगी शरीर में रक्त की भारी कमी के कारण संकट में पड़ गई थी और उसके तीमारदार ए पॉजिटिव रक्त की व्यवस्था के लिए दर-दर भटक रहे थे, तब मानवता का परिचय देते हुए श्सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशनश् के युवा सदस्य तुरंत मदद के लिए आगे आए। संस्था की त्वरित सक्रियता और युवाओं के इस निस्वार्थ स्वैच्छिक रक्तदान के कारण मरीज को ऐन वक्त पर खून उपलब्ध हो सका, जिससे उसकी जान बच गई। जिले में इस विशिष्ट ब्लड ग्रुप की कमी के चलते मरीज के परिजन काफी असहाय महसूस कर रहे थे, लेकिन जैसे ही यह सूचना सर्व फॉर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के सोशल मीडिया सेल तक पहुंची, संस्था के सक्रिय सदस्य जीशान शेख और सौरभ मौर्य बिना एक पल गंवाए तत्काल मानस रक्त केंद्र पहुंचे और वहां अपना रक्तदान किया। समय पर रक्त की उपलब्धता देख पीड़ित परिवार की आंखों में आंसू आ गए और उन्होंने संस्था का आभार जताया। इस पुनीत कार्य में संस्था की ओर से गुरमीत सिंह व आकांक्षा के साथ-साथ मानस ब्लड बैंक की टीम से अमन, अनामिका पाल, अंजलि और विष्णु आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

सत्तर सालों से रह रहे परिवार को किया बेघर, पीड़ित ने डीएम से लगाई गुहार

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। वक्फ की जमीन पर पीढ़ियों से रह रहे एक परिवार ने मुतवल्ली पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें नया निर्माण कराकर सौंपने का झूठा आश्वासन दिया गया और धोखाधड़ी से उनका मकान खाली करा लिया गया। शहर के सदर कोतवाली क्षेत्र के कजियाना मोहल्ले के निवासी मो. शरीफ ने अपर जिलाध्यक्ष को शिकायती पत्र सौंपकर बताया कि वे अपने पूर्वजों के समय से, पिछले लगभग सत्तर वर्षों से वक्फ संख्या 16 के अंतर्गत आने वाले एक मकान में सपरिवार रह रहे थे और इसके बदले प्रबंधन कमेटी को नियमित रूप से किराया भी अदा कर रहे थे।शिकायती पत्र के अनुसार, बीती 23 जुलाई 2024 को खुद को मस्जिद का मुतवल्ली बताने वाले अनवर अहमद पुत्र अब्दुल वहीद ने उनके साथ गाली-गलौज की और मकान खाली करने का दबाव बनाया। बाद में एक समझौते के तहत पीड़ित को साढ़े सात बाई नौ फीट की तीन दुकानें देने की बात तय हुई, जिसके एवज में पीड़ित से दस लाख रुपये भी ले लिए गए। तय यह हुआ था कि इस रकम को बाद में दुकानों के किराए में समायोजित कर लिया जाएगा। पीड़ित का आरोप है कि दबंगई के बल पर उनसे जबरन मकान खाली करा लिया गया, जिससे आज उनका पूरा परिवार बेघर हो गया है और उनके सामने रहने का गंभीर संकट खड़ा है।निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मुतवल्ली अनवर अहमद अपने वादे से मुकर गया और उसने पीड़ित परिवार को दुकानें या रहने के लिए जगह देने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मुतवल्ली द्वारा वक्फ की आय और संपत्तियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और उनके दस लाख रुपये भी हड़प लिए गए हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मिलकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और अपनी जमीन वापस दिलाकर न्याय प्रदान करने की पुरजोर मांग की है।

कलेक्ट्रेट में डीएम-एसपी की बड़ी बैठक

भूमि विवादों का संयुक्त निस्तारण करने और अवैध कब्जों पर कड़े रुख के निर्देश

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और भूमि विवादों के स्थाई समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस क्षेत्राधिकारियों) और थाना प्रभारियों के साथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने दो टूक लहजे में मातहतों को निर्देशित किया कि राजस्व और पुलिस विभाग आपस में बेहतर संवाद, समन्वय और टीम भावना के साथ काम करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमि विवाद से जुड़े संवेदनशील प्रकरणों में दोनों विभागों की संयुक्त टीम अनिवार्य रूप से मौके पर जाए और नियमानुसार पारदर्शी ढंग से मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करे।

जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए कि सरकारी जमीनों पर किसी भी दशा में नया अवैध निर्माण न होने पाए। इसके साथ ही उन्होंने सचेत किया कि यदि कोई मामला किसी सक्षम न्यायालय में लंबित है, तो बिना कोर्ट के अंतिम आदेश के विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा परिवर्तन न कराया जाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। डीएम ने थानों में पेंडिंग पड़े मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि भूमि विवाद रजिस्टर में दर्ज हर एक प्रकरण की गहन समीक्षा की जाए और प्राथमिकता के आधार पर उनका विधिक निस्तारण हो। इसके अतिरिक्त, थानों में एक वर्ष से अधिक समय से जमा मालखानों के लाइसेंसी शस्त्रों को लेकर उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि संबंधित शस्त्र धारकों को तत्काल नोटिस जारी कर अपने असलहे ले जाने के लिए सूचित करें, ऐसा न करने की स्थिति में शस्त्र निरस्तीकरण की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को अग्रसारित की जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जिले की आंतरिक सुरक्षा और बेहतर कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को मुस्तैदी से गश्त करने और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए। इस उच्च स्तरीय बैठक में सदर, बिंदकी व खागा के तहसीलदारों आदि थाना प्रभारी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर एक नज़र

भूमिधरी जमीन पर अवैध सड़क निर्माण को रोके जाने की मांग

- पीड़ित ने डीएम को सौंपा पत्र

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। किशनपुर थाना क्षेत्र के मौजा रारी द्वितीय में अपनी पुश्तैनी भूमिधरी जमीन पर स्थानीय ग्राम प्रधान द्वारा सत्ता के रसूख के बल पर जबरन कराए जा रहे अवैध सड़क निर्माण को तत्काल रुकवाए जाने की मांग को लेकर एक पीड़ित खातेदार ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायती पत्र सौंपा है और भू-माफिया व दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रारी गांव के निवासी पीड़ित जगमोहन सिंह पुत्र श्रीपाल सिंह ने कलेक्ट्रेट में अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि वह अपनी भूमिधरी गाटा संख्या 3267 (रकबा 0.4130 हेक्टेयर) के एक तिहाई भाग का विधिक सह-खातेदार और स्वामी है। आरोप है कि वर्तमान ग्राम प्रधान तीरथ सिंह और उनके सहयोगियों ने बिना किसी विधिक और सरकारी बंटवारे के, पीड़ित की निजी भूमिधरी जमीन पर जबरन पीडब्ल्यूडी की सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया है। पीड़ित ने इस अवैध निर्माण को रुकवाने के लिए पूर्व में ही उप जिलाधिकारी न्यायालय खागा के समक्ष नियमित बंटवारे का वाद दायर किया था, जिस पर न्यायालय ने दोनों पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने का स्पष्ट स्टे ऑर्डर जारी किया था। इसके बावजूद पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार नारायण सिंह और ग्राम प्रधान के लोग कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाकर रात के अंधेरे में चोरी-छिपे निर्माण कार्य करा रहे हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी से जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए इस अवैध निर्माण को तत्काल रुकवाने की मांग की है।

राजा भैया ने एशियन गेम्स में जीता गोल्ड

- ग्रामीण युवा क्रिकेट यूनियन ने किया सम्मानित

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। खागा कस्बे के उभरते हुए प्रतिभावान खिलाड़ी राजा भैया ने अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर जनपद और पूरे देश का मस्तक ऊंचा किया है। उन्होंने एशियन गेम्स की पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम गौरवान्वित किया है। इस ऐतिहासिक स्वर्णिम सफलता की सूचना मिलते ही खागा सहित पूरे फतेहपुर जिले में जश्न का माहौल है। खिलाड़ी के गृह आवास पर बधाई देने वालों और खेल प्रेमियों का तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में ग्रामीण युवा क्रिकेट यूनियन संस्था के पदाधिकारियों ने राजा भैया के आवास पर पहुंचकर उन्हें अंगवस्त्र, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया। इस दौरान विजेता खिलाड़ी राजा भैया ने भावुक होते हुए कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय मेडल के पीछे उनके वर्षों का कड़ा परिश्रम, सख्त अनुशासन और खेल के प्रति अटूट समर्पण छिपा है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद और अपने मुख्य कोच धर्मेंद्र के कुशल मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने जिले के ग्रामीण अंचल के उभरते खिलाड़ियों से अपील की कि यदि वे बिना हिम्मत हारे दृढ़ संकल्प के साथ मेहनत करें, तो वैश्विक स्तर पर भी तिरंगा लहराया जा सकता है। इस समारोह में ग्रामीण युवा क्रिकेट यूनियन के महानिदेशक एबी बाबू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके, जिलाध्यक्ष अमित मौर्य तथा डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

नाबालिग अपहरण कांड का आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। हथगाम थाना पुलिस ने महिला व बाल अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत एक बड़ी सफलता अर्जित करते हुए, काफी समय से फरार चल रहे नाबालिग लड़की के अपहरण के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों के क्रम में वांछित अपराधियों की तलाश में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। थाना प्रभारी हथगाम के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक उत्कर्ष मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सटीक सूचना पर मुकदमा अपराध संख्या 35/2026 के तहत वांछित चल रहे अभियुक्त सूरज लोधी पुत्र जगदीश निवासी ग्राम छिबलहा को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, इस संवेदनशील मामले से संबंधित अपहृत नाबालिग किशोरी को पुलिस टीम द्वारा पहले ही बीती 29 मार्च को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंपा जा चुका था, जबकि आरोपी सूरज लोधी लगातार अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।

विस्थापित विवाहिता को जहर देकर हत्या करने का ससुरालियों पर लगा आरोप

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। बकेवर थाना क्षेत्र के डारी गांव में एक दिल दहला देने वाला मामला प्रकाश में आया है, जहां एक विवाहिता के पति की अकाल मृत्यु हो जाने के ठीक एक महीने बाद, ससुराल पक्ष के लोगों पर उसकी पूरी जमीन और संपत्ति हड़पने की नीयत से विवाहिता को जबरन जहर देकर मार डालने का संगीन आरोप लगा है। इस संबंध में मृतका के मायके पक्ष ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम जयसिंहपुर निवासी पीड़ित पिता रामधनी ने बकेवर पुलिस को शिकायती पत्र देकर अपनी पुत्री के ससुरालियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी 28 वर्षीय पुत्री विनीता चार माह की गर्भवती थी। अभी कुछ दिन पहले ही उसके पति धर्मेंद्र की पेड़ से अचानक गिर जाने के कारण मौत हो गई थी। पति की तेरहवीं बीतते ही ससुराल के लोगों की गिद्ध दृष्टि विनीता को मिलने वाले हिस्से की पुश्तैनी जमीन पर लग गई थी। आरोप है कि मायके फोन पर विनीता ने अपनी जान का खतरा बताया था और घटना के दिन बीमारी का बहाना बनाकर, दवा खिलाने के नाम पर ससुराल वालों ने उसे कोई जहरीला पदार्थ दे दिया, जिससे तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई। मृतका के बहनोई रावेंद्र पाल ने जिला प्रशासन से शव का निष्पक्ष पोस्टमार्टम कराने और दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है।

मानसिक रूप से कमजोर विवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। गाजीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इटौली गांव में एक विवाहिता द्वारा अपने घर के एकांत कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की दुखद घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, इटौली गांव की निवासी 30 वर्षीय सोनम पत्नी गया प्रसाद प्रजापति ने दोपहर में जब घर के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे, तब कमरे के भीतर साड़ी का फंदा बनाकर धन्नी के सहारे फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब परिवार के लोग घर लौटे और कमरे का दरवाजा बंद देखा, तो खिड़की से झांकने पर सोनम का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा गया, परंतु तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। ग्रामीणों और मायके पक्ष के अनुसार, मृतका मानसिक रूप से काफी कमजोर थी और उसका चिकित्सीय इलाज भी चल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

अज्ञात पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। गाजीपुर कस्बा स्थित बहुआ रोड पर गंगदेव बाबा मंदिर के समीप मंगलवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक बेलगाम रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने आगे जा रहे बाइक सवार युवक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन सहित मौके से बड़ी तेजी से भागने में सफल रहा। हादसे के बाद युवक को देखकर राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस और पीआरवी 112 को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एम्बुलेंस की मदद से लहूलुहान युवक को तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ब्भ्ब्) गाजीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत और सिर में आई गंभीर चोटों को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में अस्पताल पहुंचे परिजनों के आधार पर घायल युवक की शिनाख्त संजय सिंह लोधी निवासी बड़ा गांव मछरिया के रूप में हुई है। गाजीपुर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर, कस्बे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर फरार पिकअप की तलाश शुरू कर दी है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

गिरता रुपया

देश के आर्थिक मोर्चे पर प्रमुख चिंताओं में रुपए का लगातार हो रहा अवमूल्यन प्रमुख है। इस समय एक डॉलर की कीमत 96 से 97 रुपए के बीच चल रही है। माना जा रहा है कि जल्दी ही यह सौ पर पहुंच जाएगी। यह स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए पूरी तरह से हानिकारक है। चूंकि देश आयात पर, खासकर ऊर्जा के मामले में अधिक निर्भर है तो रुपए के कमजोर होने से आयात को लेकर महंगाई बढ़ जाती है। फिर, रुपया अगर ऐसे ही कमजोर होता रहा तो सीधा असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर पड़ेगा। यह बात इस समय देखी भी जा रही है। यह भी साफ है कि तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ी और फल, सब्जियां, राशन वगैरह महंगे हुए हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमत भी बढ़ी है। इसके अलावा अध्ययन, पर्यटन यह अन्य मकसदों से होने वाली विदेश यात्रा का खर्च भी अब बढ़ेगा। तब सबसे बड़ी जरूरत, अनावश्यक आयात, जैसे सोना व लग्जरी वस्तुओं पर नियंत्रण बढ़ाया जाना चाहिए ताकि डॉलर की अनावश्यक निकासी कम हो। आयात पर निर्भरता घटाने तथा मेक इन इंडिया पर जोर देने से भी मदद मिल सकती है। लेकिन इसका एक और पक्ष भी है। रुपए का अवमूल्यन होने पर भारत से निर्यात होने वाले उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सस्ते हो जाते हैं जिससे इन वस्तुओं की मांग बढ़ सकती है। वस्त्र उद्योग, आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और ऑटोमोबाइल पार्ट्स जैसे क्षेत्रों को इसका लाभ मिल सकता है। आईटी क्षेत्र पहले भी कमजोर रुपए से लाभ कमाता रहा है क्योंकि उसे भुगतान डॉलर में मिलता है। वहीं आयात महंगे होने से घरेलू उद्योगों को स्थानीय उत्पाद बढ़ाने का अवसर मिलता है। दरअसल रुपए की वर्तमान स्थिति को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की जरूरत है। रुपए के अवमूल्यन को तो संभालना और संतुलित करना है ही, साथ ही अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और शक्तिवान बनाना भी समय की मांग है। ऊर्जा संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विस्तार, निर्यात को प्रोत्साहन और वित्तीय अनुशासन जैसे कदम भी वैश्विक आर्थिक संकट से देश को सुरक्षित निकाल सकते हैं। इसलिए यह माना जा सकता है कि रुपए की गिरावट के मद्देनजर फौरी नीतियों पर काम किए जाने के भी फायदे हैं लेकिन रुपए को संतुलित रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इसीलिए रिजर्व बैंक का कहना है कि मौजूदा स्थिति ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। यानी गिरावट से ज्यादा चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

भरोसा और घोटाला

ऐसा नहीं कि सरकारी चिकित्सा संस्थानों में आम लोगों के लिए कुछ होता ही नहीं लेकिन वहीं काम करने वाले कुछ लोग अवैध कमाई की लालच में ऐसा कर गुजरते हैं कि काम का सिस्टम बेमतलब का हो जाता है और बदनामी संस्थान की होती है। ऐसे घोटाले संस्थाओं की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं जबकि तिकड़मबाज मौज करते हैं। लखनऊ का किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय यानी केजीएमयू विश्व के अग्रणी चिकित्सा संस्थानों में एक है। विश्वसनीयता इसकी सबसे बड़ी संपत्ति है। लेकिन अब यहां के यूरोलॉजी विभाग में गरीब मरीजों को मुफ्त दवा उपलब्ध कराने के नाम पर बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। इसकी जांच में करीब चालीस मरीज ऐसे मिले जिन्हें बार-बार कागज़ों में भर्ती किया गया और उनके नाम पर कैंसर, प्रोटीन तथा आयरन की महंगी दवाई मंगाई गई। पहले असाध्य योजना से दस लाख रुपए की खरीद होती थी लेकिन इस साल जनवरी से योजना में खरीद का बजट अचानक तीन से चार गुना तक बढ़ गया। पिछले महीने पैंतालीस लाख रुपए की खरीद दिखाई गई थी। खेल करने की निश्चिंतता इस कदर थी कि सौ रुपए से लेकर दो लाख रुपए कीमत तक की दवाओं पर अधिकारियों ने आंख मूंदकर दस्तखत कर दिए। महंगी दवाओं की खपत अचानक बढ़ने पर भी ध्यान नहीं दिया गया। घोटाले में कुछ उच्च अधिकारियों और डॉक्टरों की संलिप्तता सामने आने के कारण यह मामला और गंभीर हो गया है। किसी भी संस्थान में इस तरह खुलेआम आंखों में धूल झोंकना बहुत चिंता की बात है क्योंकि इससे वहां की कार्यप्रणाली पर अनावश्यक रूप से सवाल उठने लगते हैं। चिंता की बात इसलिए भी है कि इसकी देखा देखी अन्य विभागों भागों में इस तरह के लोग सफाई न दिखने लगें। अच्छी यह अच्छी बात है कि मामले की जल्द जांच शुरू कराकर कार्रवाई की शुरुआत हो गई है। अब जांच के अंतिम निष्कर्ष का इंतजार है और देखना है कि इसके दोषियों को कितनी कड़ी सजा मिलती है। सजा इसलिए भी जरूरी है ताकि ऐसे लोगों के हौसले आगे न बढ़ने पाएं।

काँव-काँव

♦♦♦

यूपी से माफिया और मच्छर खत्म हो गये -योगी
दिल के बहलाने को ग़ालिब ये ख़याल अच्छा है!
वजूद की लड़ाई लड़ रहे हैं मुंबई के डिब्बावाले
संरक्षित प्रजातियों की श्रेणी में रखना चाहिये!
केंद्र ने बदले विदेशी नागरिकों से संबंधित नियम
जो बिना नियम के चले आये उन्हें क्या मतलब?
ईरान ने रोक दी अमेरिका से सीजफायर वार्ता
दुनिया के चौधरी की हैसियत इतनी ही बची है?
पहलगाम आतंकियों को पाक में मिले मोबाइल
हमारी खुफिया सेवाएं लकीर पीटने में सर्वोत्तम!
पेंटागन कार्यालय में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक
भारतीय पत्रकारों से सीखें सरकारी अनुशासन!

♦♦♦

एकता के सूत्र में जोड़ेगा त्रिभाषा फॉर्मूला

विविधता में एकता की संस्कृति वाले अपने देश की नयी पीढ़ी को एकता की सीख देने की दिशा में त्रिभाषा फॉर्मूला कारगर साबित हो सकता है. वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयी 'नयी शिक्षा नीति, 2020' ने एक बार फिर त्रिभाषा फॉर्मूले को अपनाने पर जोर दिया है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसइ एक जुलाई से शुरू हो रहे नये सत्र में नौवीं से लेकर बारहवीं तक में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने जा रही है, पर अतीत की तरह इस बार भी इसका विरोध शुरू हो गया है, जबकि देश को एकता के सूत्र में जोड़ने वाले इस कदम का स्वागत होना चाहिए. इसे लेकर शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों का एक समूह देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंच गया है और सीबीएसइ के इस निर्णय को मनमाना बताया है. इससे छात्रों, अध्यापकों और स्कूलों पर दबाव बढ़ने की बात कही जा रही है. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक तो नहीं लगायी है, अलबत्ता केंद्र सरकार और सीबीएसइ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब जरूर मांग लिया है।

-उमेश चतुर्वेदी

विविधता में एकता की संस्कृति वाले अपने देश की नयी पीढ़ी को एकता की सीख देने की दिशा में त्रिभाषा फॉर्मूला कारगर साबित हो सकता है. वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयी 'नयी शिक्षा नीति, 2020' ने एक बार फिर त्रिभाषा फॉर्मूले को अपनाने पर जोर दिया है. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसइ एक जुलाई से शुरू हो रहे नये सत्र में नौवीं से लेकर बारहवीं तक में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने जा रही है, पर अतीत की तरह इस बार भी इसका विरोध शुरू हो गया है, जबकि देश को एकता के सूत्र में जोड़ने वाले इस कदम का स्वागत होना चाहिए. इसे लेकर शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों का एक समूह देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंच गया है और सीबीएसइ के इस निर्णय को मनमाना बताया है. इससे छात्रों, अध्यापकों और स्कूलों पर दबाव बढ़ने की बात कही जा रही है. हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक तो नहीं लगायी है, अलबत्ता केंद्र सरकार और सीबीएसइ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब जरूर मांग लिया है।

त्रिभाषा फॉर्मूला सबसे पहले कोठारी आयोग के प्रमुख दौलत सिंह कोठारी ने दिया था. दौलत सिंह कोठारी कोई मामूली व्यक्ति नहीं थे. वे रक्षा अनुसंधान एवं अध्ययन संगठन यानी डीआरडीओ के संस्थापक थे और महान ब्रिटिश वैज्ञानिक लॉर्ड रदरफोर्ड के शिष्य. उनका मानना था कि भारतीय एकता के सूत्र को और मजबूत करने में त्रिभाषा फॉर्मूला बेहद कारगर होगा. इसलिए उन्होंने छात्रों को पहली भाषा के रूप में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी भाषा के रूप में हिंदीभाषी क्षेत्रों में अंग्रेजी या कोई अन्य आधुनिक भारतीय भाषा और गैर हिंदीभाषी क्षेत्रों में हिंदी या अंग्रेजी पढ़ाने का सुझाव दिया था. कोठारी आयोग ने तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी और कोई अन्य भारतीय भाषा, जो पहली या दूसरी भाषा के रूप में शामिल न हो, पढ़ाने का प्रावधान करने की सलाह दी थी. तब देश को आजादी मिले बहुत दिन नहीं हुए थे. हालांकि हिंदी को लेकर तमिलनाडु में विरोध जारी था. इसके बावजूद तकरीबन पूरे देश ने इस त्रिभाषा फॉर्मूले को स्वीकार कर लिया. वर्ष 1968 में आयी पहली शिक्षा नीति में इसे शब्दशः अपना लिया गया. वर्ष 1986 में आयी नयी शिक्षा नीति में भी इस फॉर्मूले को जारी रखा गया।

इस फॉर्मूले को हिंदीभाषी क्षेत्रों में तो अपना लिया गया, पर तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों ने इसे नहीं अपनाया. वर्ष 2020 में आयी नयी शिक्षा नीति ने भी इसे अपना लिया है. इसके बाद से तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ही नहीं, कर्नाटक की राजनीति के एक हिस्से ने भी इसे स्थानीय संस्कृति और भाषा की अस्मिता पर चोट बताने में देर नहीं लगायी है. सीबीएसइ के आदेश को नयी शिक्षा नीति, 2020 का कार्यान्वयन कहा जा सकता है, जिसके तहत पहली जुलाई से नौवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ायी जायेंगी, जिनमें दो भारतीय भाषाओं का होना अनिवार्य होगा. इस आदेश के अनुसार, यदि पहली भाषा अंग्रेजी है, तो दूसरी भाषा हिंदी या स्थानीय क्षेत्र विशेष की मातृभाषा होगी और तीसरी भाषा के रूप में संविधान की आठवीं अनुसूची की कोई भी भाषा चुनी जा सकेगी. इस कार्यान्वयन का उद्देश्य देश में बहुभाषिकता को बढ़ावा देना है. नयी शिक्षा नीति के तहत इस फॉर्मूले को राज्यों में भी लागू किया जाना है. कुछ राज्यों, मसलन महाराष्ट्र आदि ने इस दिशा में कदम उठाया तो सही, पर स्थानीय अस्मिता के कथित संरक्षकों के विरोध के कारण इस नीति में ढिलाई देनी पड़ी।

त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध में दक्षिण के राज्यों का आरोप रहा है कि उत्तर भारत के राज्यों में उनकी भाषाओं को सीखने के प्रति कभी उत्साह नहीं दिखा. उत्तर के राज्यों ने इस फॉर्मूले को अपनाया, लेकिन तीसरी भाषा के रूप में किसी अन्य भारतीय भाषा की बजाय संस्कृत को अपना लिया. इसका उद्देश्य एक तरह से भारतीय भाषाओं, विशेषकर दक्षिण की भाषाओं को किनारे करना था. सीबीएसइ के नये आदेश में इसकी गुंजाइश ही नहीं है. रही बात छात्रों पर दबाव बढ़ने की, तो यह सवाल फिजूल है. महानगरों के ज्यादातर

पब्लिक स्कूलों में ग्यारहवीं-बारहवीं में हिंदी पढ़ने-पढ़ाने का विकल्प ही नहीं है. पर उनके यहां विदेशी भाषाओं को पढ़ाने की व्यवस्था जरूर है।

सीबीएसइ के नये आदेश के परिप्रेक्ष्य में उत्तर भारत के विद्यालयों को चाहिए कि वे अपने यहां तीसरी भाषा के रूप में दक्षिण की भाषाएं पढ़ने-पढ़ाने का विकल्प चुनने की कोशिश करें. इससे गैर हिंदीभाषी राजनीति को यह कहने का अवसर ही नहीं मिल सकेगा कि हिंदीभाषियों में उनकी भाषा को लेकर स्नेह नहीं है. मानवशास्त्री और समाज विज्ञानी मानते हैं कि किसी भी विविधरंगी संस्कृति को जोड़ने वाले धागों में भाषाओं का स्थान महत्वपूर्ण है. भाषाएं सिर्फ स्थान और क्षेत्र विशेष के संचार का जरिया ही नहीं होतीं, वे अपनी सभ्यता की ऐतिहासिक यात्रा और सांस्कृतिक रस-गंध की अभिव्यक्ति का जरिया भी होती हैं. भारत जैसे बहुलवादी देश में जब आधुनिक शिक्षा नहीं थी, तब भाषाएं ही वह तंतु थी, जिनसे उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम जुड़ता था. विद्वानों के बीच भौगोलिक दूरियों के बावजूद संचार का साधन संस्कृत जरूर रही, पर संचार के लिए अन्य भारतीय भाषाएं भी गंभीर भूमिका निभाती थीं. त्रिभाषा फॉर्मूले से पढ़कर निकले छात्र उसी भूमिका को आधुनिक तौर पर और आगे बढ़ायेंगे।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

अथैकादशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

इस प्रकार बारम्बार नमस्कार करके भयभीत अर्जुन अपनी भूलों के लिये क्षमायाचना करता है-

सखेति मत्वा प्रसभं यदुक्तं लोग कि अगर हे कृष्ण हे यादव हे सखेति ।

एकोऽथवाप्यच्युत तत्समक्ष तत्क्षामये त्वामहमप्रमेयम्।।42।।
हे अच्युत ! जो आप हँसी के लिये विहार, शय्या, आसन और भोजनादिकों में अकेले अथवा उन लोगों के सामने भी अपमानित किये गये हैं, वह सब अपराध अचिन्त्य प्रभाववाले आपसे मैं क्षमा कराता हूँ। किस प्रकार क्षमा करें?- पितासि लोकस्य चराचरस्य त्वमस्य पूज्यश्च गुरुर्गरीयान् । न त्वत्समोऽस्त्यभ्यधिकः कुतोऽन्यो लोकत्रयेऽप्यप्रतिमप्रभाव ।।43।।
आप इस चराचर जगत् के पिता, गुरु से भी बड़े गुरु और अति पूजनीय हैं। जिसकी कोई प्रतिमा नहीं, ऐसे अप्रतिम प्रभाववाले ! आपके समान तीनों लोकों में दूसरा कोई नहीं है. फिर अधिक कैसे होगा? आप सखा भी नहीं, सखा तो समकक्ष होता है।
तस्मात्प्रणम्य प्रणिधाय कायं प्रसादये त्वामहमीशमीड्यम्।
पितेव पुत्रस्य सखेव सख्युःश्रीम प्रियः प्रियायार्हसि देव सोढुम् ।।44।।
आप चराचर के पिता हैं, इसलिये मैं अपने शरीर को भली प्रकार आपके चरणों में रखकर, प्रणाम करके, स्तुति करने योग्य आप ईश्वर को प्रसन्न होने के लिये प्रार्थना करता हूँ। हे देव! पिता जैसे पुत्र के, सखा जैसे सखा के और पति जैसे प्रिय स्त्री के अपराधों को क्षमा करता है, वैसे ही आप भी मेरे अपराधों को सहन करने योग्य हैं। अपराध क्या था? हमने कभी हे यादव !, हे सखे !, हे कृष्ण ! कहा था। समाज के बीच अथवा एकान्त में कहा था, भोजन के समय अथवा सोने के समय कहा था। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

विद्या मित्रं प्रवासेषु भार्या मित्रं गृहेषु च।
व्याधितस्यौषधं मित्रं धर्मो मित्रं मृतस्य च।।

विदेश जाने वालों का सच्चा मित्र विद्या है, अपने घर में रहने वालों की मित्र उनकी पत्नी है, रोगी व्यक्तियों का मित्र औषध है ओर मरने वालों का मित्र उनका धर्म है।

♦♦♦

पत्रकार या 'पत्थरकार'

पेरिस- आधारित अंतरराष्ट्रीय संगठन रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा वार्षिक रूप से जारी किये जाने वाले विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक के अनुसार यदि भारतीय पत्रकारिता की रैंकिंग पर नज़र डालें तो 2026 में यह 180 देशों में

-निर्मल रानी

157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष से यह रैंकिंग 62 अंक नीचे गिरी है। यह स्थिति विश्व में भारतीय पत्रकारिता की 'बहुत गंभीर' श्रेणी की तरफ़ इशारा करती है। जबकि नॉर्वे, एस्तोनिया व नीदरलैंड्स जैसे देशों के नाम इस सूची में शीर्ष पर हैं। चिंता की बात तो यह है कि पड़ोसी देशों नेपाल,मालदीव व श्रीलंका जैसे देशों की स्थिति भी भारत से बेहतर है। गोया भारत में प्रेस स्वतंत्रता इस समय संकट के दौर से गुज़र रही है जिसकी वजह सत्ता का नियंत्रण,राजनीतिक दबाव, अप्रत्यक्ष डिजिटल निगरानी, विज्ञापन की लालच, मीडिया घरानों पर सत्ता से जुड़े लोगों का नियंत्रण व पत्रकारों के साथ होने वाली हिंसा व अन्याय प्रमुख कारण हैं। यही वजह है कि भारतीय मीडिया 'गोदी मीडिया' के नाम से भी प्रचलित हो गया है। हालाँकि सत्ता की चाटुकारिता के इसी दौर में पूर्व में 'गोदी मीडिया' से जुड़े रहे अनेक ईमानदार पत्रकार अपने निजी यू ट्यूब चैनल चलाकर भारतीय मीडिया की साख बचाने की कोशिश ज़रूर कर रहे हैं। अफ़सोस की बात तो यह है कि जनता द्वारा गोदी पत्रकार,चरण चुंबक पत्रकार,दलाल जैसी 'उपाधियों' से नवाज़े जाने व सोशल मीडिया पर आम जनता की लानतें सुनने के बाद भी यह 'गोदी पत्रकार' ईमानदारी से पत्रकारिता का दायित्व निभाने के बजाये अपने बेतुके बोल,सत्ता के प्रति अपनी 'वफ़ादारी' व अज्ञानता पूर्ण बातों के चलते आम लोगों की नफ़रत का पर्याय बनते जा रहे हैं। यही वजह है कि 'शो पीस' रूपी इन ऐंकर्स व इनके टी वी चैनल्स की लोकप्रियता व इनके दर्शकों की संख्या जहां दिन प्रतिदिन गिरती जा रही है वहीँ यू ट्यूब चैनल्स व सोशल मीडिया से जुड़े ईमानदार पत्रकारों के दर्शकों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। पिछले दिनों गोदी मीडिया से जुड़े एक प्रसिद्ध टी वी चैनल की एक प्रसिद्ध महिला ऐंकर अंजना ओम कश्यप ने एक लाइव शो के दौरान हुई एक अभद्र टिप्पणी करते हुये 'यूट्यूब टीचर्स' और 'ऑनलाइन एजुकेटर्स' पर निशाना साधा। उन्होंने यूट्यूब टीचर्स के लिये 'दो कौड़ी के', 'फ्रॉड', 'लुटेरे', 'छिछले यूट्यूबर' और 'भाड़े के वीडियो' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। अपनी बकवास में उन्होंने कहा कि यूट्यूब 'स्टार टीचर्स' को 'दो कौड़ी का ज्ञान' भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि मोटिवेशन के नाम पर ये शिक्षक केवल व्यूज़ और कमाई के लिए कंटेंट बनाते हैं। कम जानकारी के कारण ऐसे टीचर्स छात्रों को गुमराह कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ़ भ्रामक हेडलाइंस लिखकर व्यूज़ बटोरते हैं।'

इस ग़ैर ज़िम्मेदाराना व अपमानजनक टिप्पणी के बाद देश के अनेकानेक प्रसिद्ध यू ट्यूबर्स ख़ासकर शिक्षकों,ऑनलाइन एजुकेटर्स व उनके छात्रों व समर्थकों का गुस्सा इस महिला ऐंकर फूट पड़ा। सोशल मीडिया पर उसकी ज़बरदस्त ट्रोलिंग हुई। देश विदेश से लोगों ने वीडियो बनाकर उस महिला एंकर के इस बेहूदा बयान की निंदा की तथा उन्हें पत्रकारिता के दायित्व व कर्तव्य बताते हुये आइना दिखाना शुरू कर दिया। कुछ ने तो यहाँ तक कह दिया कि वे जिन शिक्षकों के बारे में यह कह रही है कि उन्हें 'दो कौड़ी का ज्ञान' भी नहीं होता तो दरअसल उन जैसी पत्रकारों को 'फूटी कौड़ी' का भी ज्ञान नहीं है। अन्यथा आज के सूचना व संचार के आधुनिक दौर में जब पूरे

विश्व में ज्ञान का माध्यम यू ट्यूब व ए आई ही है, उस माध्यम पर ऐसी घटिया टिप्पणी नहीं की गयी होती। वास्तव में शिक्षक पूरी मेहनत से बच्चों को पढ़ाते हैं और बेरोज़गारी, परीक्षा प्रणाली, महंगाई व पेपर लीक जैसे मुद्दों को उठाते हैं जबकि इन शिक्षकों को अपमानित करने वाला गोदी मीडिया वास्तविक मुद्दों को उठाकर पत्रकारिता का दायित्व निभाने के बजाये सत्ता की चापलूसी करने में व्यस्त रहता है। इसी तरह पिछले दिनों उत्तराखंड के कोटद्वार के दीपक कुमार उर्फ़ 'मोहम्मद दीपक' के जिम पर आर्थिक संकट आ गया। क्योंकि हिंदूवादी संगठनों के विरोध के बाद उनके जिम से अनेक लोगों ने अपने संबंध तोड़ लिये। इसी विषय को लेकर अजित अंजुम व अशोक कुमार पांडेय जैसे ज़िम्मेदार पत्रकार व प्रसिद्ध यू ट्यूबर्स ने दीपक की आर्थिक सहायता की अपील की। परिणाम स्वरूप देशभर के अमन पसंद लोगों ने दीपक की इतनी सहायता कर दी कि उनका संकट कई वर्षों के लिए टल गया। इस अपील पर तमाम नये लोगों ने जिम की सदस्यता भी लेकर दीपक की आर्थिक मदद की। परन्तु अमन चोपड़ा नमक इसी गोदी मीडिया के एक बदनाम शुदा एंकर ने इस ख़बर को नकारत्मक रूप में पेश करते हुये अपनी ओछी व घटिया टिप्पणी में दीपक की आर्थिक तंगी का मज़ाक़ उड़ाते हुए और उसपर तंज़ कसते हुये कहा कि 'सेक्युलरिज़्म का वज़न नहीं उठा पाए पहलवान दीपक–ओ सॉरी, मोहम्मद दीपक'। उसने यह भी कहा कि 'नाम के आगे 'मोहम्मद' लगाने से भी उनके विचार को फ़्लॉप कर दिया गया... मोहम्मद दीपक के लिए, कोई मोहम्मद उस तरह से खड़ा नहीं हुआ।' इस नफ़रती ऐंकर ने आर्थिक संकट के समय दीपक का मज़ाक उड़ाया जबकि दीपक ने कोटद्वार घटना के समय धर्म नहीं बल्कि केवल इंसानियत दिखाई थी। बहरहाल भारतीयता के पैरोकार देश भर के हज़ारों शांतिप्रिय लोगों ने दीपक की अनअपेक्षित सहायता कर नफ़रती चिंटुओं के मुंह पर तमाचा जड़ दिया। दरअसल यह उन्हीं कथित 'पत्रकारों' का गिरोह है जिसने 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय जब एक गोदी चैनल पाकिस्तान के 5 शहर तबाह होने का दावा कर रहा था तो दूसरे चैनल ने कहा था कि 25 शहर तबाह हो गए। यह वही एंकर्स हैं जो स्टूडियो में बंदरों की तरह उछलते हैं और अभद्र शब्दावली का प्रयोग यहाँ तक कि लड़ाई व मारपीट को भी प्रोत्साहित करते रहते हैं। यह कथित पत्रकार धर्म-जाति के आधार पर समाज बांटने वाली बातें करते हैं तथा 2000 की नोट में चिप लगी होने का भ्रामक दावा कर भारतीय करेंसी को भी बदनाम करते हैं। ऐसे अनेक लोग कभी किसी अपराध में जेल जा चुके हैं तो कभी अपने भ्रामक बयानों के लिये मुआफ़ी मांग चुके हैं। अपना भ्रामक व गुमराह करने वाले ट्वीट डिलीट करने में भी इन्हें महारत हासिल है। अदालती फटकार भी इन्हें आये दिन सुनने को मिलती रहती है। सत्ता की ख़ुशामद कर समाज में नफ़रत फैलाकर केवल धन कमाने वाले ऐसे लोगों को पत्रकार नहीं बल्कि 'पत्थरकार' कहना ज़्यादा मुनासिब होगा।

प्रेरक प्रसंग

मातृ-भक्ति

भारतीय जन-समुदाय चाणक्य के नाम को भलीभांति जानते हैं। वह बड़े कठोर राजनीतिज्ञ थे। लोकनीति के आचार्य थे। उनकी मां की इच्छा थी कि वह संसार के बहुत बड़े आदमी बनें और इसके लिए वह उन्हें नसीहत देती रहती थी।एक दिन चाणक्य के घर कोई ज्योतिषी आय। चाणक्य कहीं बाहर गये थे। मां ने ज्योतिषी को अपने पुत्र की जन्मपत्री दिखाई और उनके भविष्य के बारे में पूछा। ज्योतिषी ने जन्मपत्री देखकर कहा, मां, तेरे पुत्र के ग्रह बड़े ही प्रबल हैं। आजतक ऐसी जन्मपत्री मेरे देखने में नहीं आई। तेरा बेटा एक दिन चक्रवर्ती सम्राट बनेगा। यदि मेरी बात का विश्वास न हो तो देख लेना, उसके सामने के दांत पर नागराज का निशान है।ज्योतिषी की यह भविष्यवाणी सुनकर मां अवाक रह गई। वह अपने बेटे को बेहद प्यार करती थी और हर घड़ी अपने पास रखना चाहती थी, चक्रवर्ती सम्राट होने पर तो वह उससे बिछुड़ जायगा! राजकाज में इतना लीन हो जायगा कि उसे मेरा ध्यान ही नहीं रहेगा!अपनी बात कहकर ज्योतिषी तो चला गया, पर मां सोच में पड़ गई। हाय, आगे क्या होगा ? थोड़ी देर में चाणक्य लौटे तो मां को उदास पाया। बोले, मां क्या बात है? मां ने उन्हें सारी बात बता दी और अंत में अवरुद्ध कण्ठ से कहा, मैं जानती हूं, तू चकवर्ती सम्राट बनकर मुझे भूल जायगा। बेटा, मेरे लिए तेरे पास समय ही कहां रहेगा ? चाणक्य विचलित हो गये। बोले, मां, ऐसा नहीं होगा। पर तुम कैसे कहती हो कि मैं चक्रवर्ती सम्राट बनूंगा।

मां ने कहा, देख, तेरे सामने के दांत पर नाग का चिन्ह है। चाणक्य ने आइने में देखा तो मां की बात सही थी। इसके बाद उन्होंने जो किया, उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। एकान्त में जाकर पत्थर से उस दांत को निकाल दिया। फिर मां के सामने उसे रखते हुए बोले, यह ले मां, तेरे सामने मेरे लिए चक्रवर्ती सम्राट के पद का कोई मूल्य नहीं है।

आपका पत्र मिला

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी। इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरु द्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरु द्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है। उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मर्यादा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया। माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया।

एक नागरिक
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

डेली वियर के लिए बेस्ट हैं ये 5 कॉटन कुर्ता-प्लाजो सेट्स

अधिकतर महिलाएं खासकर ऐसी महिलाएं, जो रोजाना काम पर जाती हैं, वह अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए एक से एक आउटफिट शामिल करती हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मी के मौसम में ढीले ढाले और आरामदायक कपड़े की तलाश में है, तो आपके लिए कुछ लेटेस्ट कुर्ता प्लाजो बेस्ट हो सकते हैं।

कॉटन चैम्ब्रे फैब्रिक येलो कुर्ता प्लाजो सेट

अगर आप वर्किंग वुमन है और एक जैसे कपड़े पहनकर बोर हो गई है, साथ ही कुछ डिफरेंट और नया ट्राई करने का सोच रही हैं, तो अब आप इस तरह के कॉटन चैम्ब्रे फैब्रिक येलो कुर्ता प्लाजो सेट को शामिल कर अपने पूरे लुक को स्टाइलिश और अट्रैक्टिव बना सकती है। ऐसे आउटफिट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे।

व्हाइट प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता पलाज़ो सेट-

अगर आप भीड़ से हटकर दिखना चाहती हैं और जींस टॉप के बजाय कुर्ता और प्लाजो शामिल करने का सोच रही हैं, तो आपके लिए इस तरह का व्हाइट प्रिंटेड रेगुलर कुर्ता पलाज़ो सेट परफेक्ट रहेगा। ऐसे कुर्ता प्लाजो सेट इन दिनों अधिकतर महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं, जो आपकी खूबसूरती को बढ़ा देंगे और डिफरेंट लुक देने में मदद करेंगे।

थ्रेड वर्क प्योर कॉटन कुर्ता प्लाजो सेट-

आप चाहें, तो इस तरह के थ्रेड वर्क प्योर कॉटन कुर्ता प्लाजो सेट को भी शामिल कर अपने लुक को अट्रैक्टिव और स्टाइलिश बना सकती हैं। ऐसे कुर्ता प्लाजो सेट आपको नजदीकी बाजार में किसी भी कपड़े की दुकान पर आसानी से मिल सकते हैं या आप ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट से भी इन्हें खरीद सकती हैं।

स्क्वायर नेक शार्ट कुर्ता प्लाजो सेट-

अगर आप सूट पहनने का शौक रखती हैं, तो अब इस तरह के स्क्वायर नेक शार्ट कुर्ता प्लाजो सेट को भी शामिल कर सकती हैं। यह आपको सिंपल और सोबर लुक देने में मदद करेंगे। ऐसे कुर्ता प्लाजो सेट आपको ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट पर मिल जाएंगे या आप इसे नजदीकी बाजार में कपड़े की दुकान से खरीदकर शामिल कर सकती हैं।

ग्रीन प्लेन कुर्ता प्लाजो सेट-

अगर आप टीचर है और अपने स्कूल या कॉलेज में डिफरेंट लुक क्रिएट कर जाना चाहती हैं, तो अब आप किसी भी खास इवेंट के दौरान इस तरह के ग्रीन प्लेन कुर्ता प्लाजो सेट को पहन सकती है। ऐसे कुर्ता प्लाजो सेट आपको डिफरेंट और खूबसूरत लुक देने में मदद करेंगे। इसके साथ आप कुछ एक्सेसरीज शामिल कर अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

ब्राइडल ज्वेलरी पसंद करते समय न करें ये गलतियां

शादी में सिर्फ आउटफिट ही नहीं बल्कि ज्वेलरी का भी अहम रोल होता है। ज्लेलरी को लेकर एक छोटी सी गलती भी दुल्हन की खूबसूरती में ग्रहण लगा सकती है। सही ज्वेलरी का चुनाव और इसे सही तरीके से कैरी करना बहुत ज़रूरी होता है ताकि आपकी खूबसूरती और भी निखर सके। यहाँ कुछ आम गलतियां दी गई हैं जिन्हें दुल्हनें ज्वेलरी पहनते समय **बिलकुल न करें- ज्यादा भारी ज्वेलरी पहनने से बचें-** कई बार दुल्हनें बहुत भारी ज्वेलरी कैरी कर लेती हैं, जिससे उनका लुक बहुत ज्यादा भरा हुआ और असहज दिखाई देने लगता है। ज्वेलरी को अपने लहंगे या साड़ी के अनुसार बैलेंस करें। अगर आपकी वेडिंग आउटफिट में बहुत भारी कढ़ाई या एम्ब्रॉयडरी है, तो हल्की और स्टाइलिश ज्वेलरी चुनें ताकि दोनों में संतुलन बना रहे। **ज्वेलरी का आउटफिट से मैच न होना-** कुछ दुल्हनें ऐसी ज्वेलरी का चुनाव कर लेती हैं जो उनके वेडिंग आउटफिट से मेल नहीं खाती। इससे लुक डिस्कनेक्टेड लगता है। ज्वेलरी का रंग और स्टाइल आपके आउटफिट के साथ मेल खाए। गोल्डन, सिल्वर या डायमंड ज्वेलरी चुनते समय ध्यान दें कि वह आपके लहंगे या साड़ी के साथ पूरी तरह से कम्प्लिमेंट करे। **ज्वेलरी की ओवरलेयरिंग-**कई बार दुल्हनें बहुत सारे नेकलेस, चूड़ियां, अंगूठियां और अन्य ज्वेलरी पहन लेती हैं, जिससे लुक काफी भरा हुआ और जटिल लगता है।ज्वेलरी का चयन साधारण और बैलेंस्ड रखें। एक या दो प्रमुख पीस जैसे कि एक सुंदर नेकलेस और ईयररिंग्स पर ध्यान दें, और बाकी एक्सेसरीज़ को हल्का रखें। **गलत ईयररिंग्स का चुनाव-**कई बार दुल्हनें ऐसी ईयररिंग्स पहन लेती हैं जो उनके चेहरे के आकार और हेयरस्टाइल से मेल नहीं खातीं। ऐसे में दुल्हन को अपने चेहरे के आकार के अनुसार ही ईयररिंग्स पहनने चाहिए। लंबे चेहरे के लिए चौड़े झुमके या चांदबाली बेहतर लगते हैं, जबकि गोल चेहरे के लिए लंबे और पतले झुमके बेहतर होते हैं। **ट्रेंड्स के चक्कर में खुद का स्टाइल भूलना-**अक्सर दुल्हनें लेटेस्ट ट्रेंड्स को फॉलो करने में अपनी पर्सनल स्टाइल को भूल जाती हैं, जिससे वे खुद को असहज महसूस करती हैं। ट्रेंड्स के पीछे न भागें, बल्कि ऐसी ज्वेलरी चुनें जो आपकी पर्सनैलिटी और स्टाइल के अनुसार हो। कुछ ऐसा पहनें जिसमें आप सहज और खूबसूरत महसूस करें। **ज्वेलरी का ओवरशाइन-**कुछ दुल्हनें बहुत ज्यादा चमकदार ज्वेलरी पहन लेती हैं, जिससे लुक काफी चमकदार और आंखों को चुभने वाला लगता है। अगर आपका लहंगा पहले से ही चमकीला है, तो ज्वेलरी को थोड़ा म्यूट या सटल रखें ताकि आपका लुक भरा हुआ न लगे। इसका मतलब यह नहीं है कि आप सिंपल ज्वेलरी चुनें, बल्कि ज्वेलरी में एक क्लासी और एलिगेंट लुक रखें। **गलत मांग टीका या माथापट्टी-** माथे पर लगाया गया गलत मांग टीका या माथापट्टी चेहरे के अनुपात को बिगाड़ सकता है। अपने माथे के आकार के अनुसार मांग टीका या माथापट्टी का चुनाव करें। अगर आपका माथा चौड़ा है तो चौड़ी माथापट्टी सही होगी, वहीं अगर माथा छोटा है तो हल्की मांगटीका चुनें। **आराम को नजरअंदाज करना-**कुछ दुल्हनें ज्वेलरी की सुंदरता पर ध्यान देती हैं लेकिन आराम को नजरअंदाज कर देती हैं। इससे शादी के दिन उन्हें असहजता महसूस होती है। ऐसी ज्वेलरी चुनें जिसे आप पूरे दिन आराम से पहन सकें। बहुत भारी और असुविधाजनक ज्वेलरी से बचें, क्योंकि इससे आपका ध्यान भटक सकता है।

जल्दी बुढ़ापा रोकने के लिए रोजाना कर लें ये फेशियल एक्सरसाइज

फेशियल एक्सरसाइज (चेहरे की कसरत) चेहरे की मांसपेशियों को टोन करने, त्वचा की लोच बनाए रखने और उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करती हैं। ये एक्सरसाइज न केवल आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ और चमकदार बनाए रखती हैं, बल्कि चेहरे की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर झुर्रियों और ढीलेपन को भी कम करती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी फेशियल एक्सरसाइज, जो चेहरे को कई फायदे देंगी- अपनी उंगलियों को माथे पर रखें और धीरे-धीरे अपनी भौहों को ऊपर की ओर उठाएं। इस स्थिति में 5 सेकंड तक रुकें, फिर आराम दें। इसे 10 बार दोहराएं। यह एक्सरसाइज माथे की झुर्रियों को कम करती है और त्वचा को टाइट बनाए रखती है। मुंह को गोल करके हवा भरें, फिर एक गाल से दूसरे गाल में हवा को घुमाएं, जैसे आप कुल्ला कर रहे हों। इसे 10-15 सेकंड तक करें और फिर आराम दें। इसे 5-10 बार दोहराएं। यह चेहरे की मांसपेशियों को टोन करता है और चेहरे के फैट को कम करने में मदद करता है, जिससे चेहरा पतला दिखता है। अपनी गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं और छत की ओर देखें। अब अपनी जीभ को छत की ओर बाहर निकालें और 10 सेकंड तक ऐसे ही रुकें। फिर आराम करें। इसे 10 बार दोहराएं। यह एक्सरसाइज डबल चिन को कम करने और गर्दन की मांसपेशियों को टोन करने में मदद करती है। अपनी तर्जनी उंगलियों को आईब्रोज़ के ऊपर रखें और उन्हें हल्के से नीचे की ओर दबाएं। अब भौहों को ऊपर की ओर उठाने की कोशिश करें। इसे 10 बार करें। यह एक्सरसाइज आंखों के आस-पास की झुर्रियों और भौहों के ढीलेपन को कम करती है। अपने होंठों को बाहर की ओर फुलाएं जैसे पाउट कर रहे हों। 5 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर आराम दें। इसे 10 बार दोहराएं। यह होंठों को टोन करता है और उनके आकार को सुंदर बनाए रखता है।बिना दांत दिखाए जितना बड़ा हो सके उतना मुस्कुराएं और 10 सेकंड तक इस स्थिति में रहें। फिर आराम दें। इसे 10 बार करें। यह एक्सरसाइज चेहरे की मांसपेशियों को लिफ्ट करती है और झुर्रियों को कम करने में मदद करती है।

फेशियल एक्सरसाइज के फायदे

-चेहरे की मांसपेशियों को टोन करके त्वचा को कसाव और जवां बनाए रखती हैं।

-नियमित एक्सरसाइज से चेहरे की झुर्रियां कम होती हैं।

- चेहरे पर बेहतर ब्लड सर्कुलेशन से त्वचा की चमक और सेहत बनी रहती है।

-बिना किसी सर्जरी के फेस लिफ्ट का असर मिलता है, जिससे चेहरा पतला और टोंड दिखता है।

- यह चेहरे में प्राकृतिक चमक लाती है और त्वचा को स्वस्थ बनाए रखती है।

बिना फाउंडेशन के ऐसे करें फ्लॉलेस मेकअप

महिलाओं को मेकअप करना बहुत पसंद होता है। खासकर के किसी इवेंट और वेडिंग फंक्शन में तो महिलाएं अच्छी तरह से मेकअप करती हैं, ताकि सब की नजर उनपर ही रहें। लेकिन कई बार मेकअप करने के बाद हैवी महसूस होने लगता है, कई बार फाउंडेशन ऐसी होती है कि चेहरा चिपचिपा लगने लगता है। इसकी वजह ये है कि फाउंडेशन हैवी होती है और उसकी परत से स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं। ये ही वजह है कई महिलाएं मेकअप पसंद होने के बाद भी इसे अवॉइड ही करती हैं। लेकिन मेकअप करने से क्यों कतराना, जब आप इसे बिना फाउंडेशन के भी बहुत आसानी से कर सकती हैं। चेहरा चमक उठेगा, चलिए आपको बताते हैं इसके आसान सटेप्स-

लगाएं लूज पाउडर- अगर आप बिना फाउंडेशन के मेकअप करना चाहती हैं तो स्किन को अच्छे से साफ करें और अपने चेहरे पर एक अच्छा मॉइश्चराइजर लगाएं। जब ये सूख जाए तो अपने ब्यूटी ब्लेंडर पर लूज पाउडर लें और फिर इसे चेहरे पर अच्छी तरह से लगा लें। इसे चेहरे के साथ ही गर्दन पर भी लगाएं। ऐसा करने पर स्किन तुरंत चमक जाएगी।

कॉम्पेक्ट पाउडर भी आएगा काम-फाउंडेशन लगाना पसंद नहीं है तो उसकी जगह पर कॉम्पेक्ट पाउडर से भी चेहरे को चमका सकती हैं। आप अपने स्किन टोन के मुताबिक एक अच्छा कॉम्पेक्ट खरीदें।

आईब्रो करें फिल- आईब्रो चेहरे का एक बहुत अहम भाग है। आप अपने चेहरे को आकर्षित बनाना चाहती हैं तो आईब्रो को जरूर फिल करें। इससे चेहरा खिलने लगता है। इसकी फिलिंग के लिए ब्राउन रंग का इस्तेमाल अच्छा है।

मस्कारा लगाएं-आइब्रो को शेप देने के बाद आप आंखों पर मस्कारा लगाएं। मस्कारा ध्यान से लगाएं क्योंकि कई बार ये आंखों के ऊपर-नीचे भी लग जाता है।

चेहरे की रूखी त्वचा को सॉफ्ट बनाएं, बस सुबह करें ये काम

रूखी और बेजान त्वचा आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, धूल-मिट्टी और गलत खानपान के कारण एक आम समस्या बन गई है।गर्मी के मौसम में त्वचा में नमी की कमी होने से यह और भी गंभीर हो जाती है। लेकिन अगर आप चाहें तो कुछ आसान और घरेलू उपायों को अपनाकर अपनी त्वचा को मुलायम और नर्म बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि सुबह उठकर चेहरे पर कौन सी चीजें लगाएं, जिससे आपकी त्वचा सॉफ्ट और ग्लोइंग बने।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा का उपयोग त्वचा के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। इसमें प्राकृतिक गुण होते हैं जो त्वचा को हाइड्रेटेड और नर्म बनाए रखते हैं। आप एलोवेरा के ताजे पत्ते से जेल निकालकर इसे अपने चेहरे पर लगा सकती हैं। इसे रात भर छोड़ने के बाद सुबह धो लें। यह त्वचा में नमी बनाए रखता है और किसी भी प्रकार की जलन और सूजन को शांत करता है।

शहद और नींबू का मिश्रण : शहद त्वचा के लिए एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर है, जबकि नींबू में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं। एक चम्मच शहद में कुछ बूँदें नींबू की डालकर अच्छे से मिला लें और इसे चेहरे पर लगाएं। इस मिश्रण को 10-15 मिनट तक चेहरे पर छोड़कर धो लें। यह त्वचा को सॉफ्ट और मुलायम बनाने में मदद करेगा।

गुलाब जल : गुलाब जल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक टोनर के रूप में काम करता है। यह त्वचा में नमी बनाए रखता है और साथ ही साथ इसे ताजगी भी प्रदान करता है। सुबह उठते ही चेहरे को हल्के से गुलाब जल से स्प्रे करें और कुछ मिनटों तक छोड़ दें। इससे त्वचा को प्राकृतिक नमी मिलेगी और आपकी त्वचा ग्लो करेगी। **दही और हल्दी का पेस्ट :** दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाकर नई त्वचा को उजागर करता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो त्वचा की इन्फेक्शन और जलन को शांत करते हैं। एक चम्मच दही में आधी चम्मच हल्दी मिला कर चेहरे पर अच्छे से लगाएं। इसे 10-15 मिनट तक छोड़ने के बाद धो लें। इससे आपकी त्वचा मुलायम और सॉफ्ट बनेगी।

ओटमील और दूध का पैक : ओटमील में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स होते हैं जो त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और उसे मुलायम बनाता है। ओटमील और दूध का एक पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं।

इतना क्या सोचना.....!

कुछ दिन की जिंदगी में, ढलते हुए किरदार हैं सब, क्या बनेंगे क्या नहीं छोटी बड़ी बातों में कितना क्या सोचना.... !

अच्छे हैं बुरे हैं खुशियों में गम में अरमान से भरे हैं, पर जिंदगी तो गुजर रही है, आज हैं कल नहीं इतना क्या सोचना.... !

गलतियां नजरअंदाज की नफरतों को भी गले लगाया है, थोड़ा लालच कम किया थोड़ा स्वार्थ घटाया है, तब जाकर जीना आया है

हंस के टालता हूं कठिनाइयों को, थोड़ा जीवन मैं क्यों कहूं मुश्किलों में हूं, एक दिन जाना है सब छोड़कर फिर इतना क्या सोचना.... !

तुम बुरे हम बुरे दिन निकल गए कमियां निकालते निकालते फिर एक दिन हम नहीं तुम नहीं फिर इतना क्या सोचना.... !

कुछ दिन की जिंदगी है कुछ दिन की बातें, क्यों इसे बर्बाद करें÷ बेवजह गुजर जाएंगे, चलो मुस्कुराते हैं, इतना क्या सोचना.... !

कितनी अधूरी ख्वाहिश कितने अधूरे सपने सब राख हुए मिट्टी में मिले, यह कहानी चलती रही, हम भी इसी का हिस्सा हैं, फिर कितना क्या सोचना..... !

- विवेक प्रताप सिंह

पाना है खोना है हंसना है रोना है,फिर इतनी नफरतें और जलन क्यों, आना जाना कहानी जीवन की जानते हैं सभी, फिर इतना क्या सोचना..... !

चलो मुस्कुराकर टाल देते हैं सारी परेशानियां छोटी सी जिंदगी है, गैरों से भी प्यार से बोल देते हैं, इसमें इतना क्या सोचना.... !

पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने के लिए बादाम तेल से बनाएं ये सीरम

बादाम तेल एक प्राकृतिक और असरदार उपाय है, जो पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। इसमें विटामिन ई, एंटीऑक्सिडेंट्स और मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स होते हैं, जो त्वचा को नमी प्रदान करने और त्वचा की रंगत को समान बनाने में मदद करते हैं। आज हम आपको बादाम तेल से बने तीन असरदार सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा की पिगमेंटेशन को दूर कर सकते हैं।

बादाम तेल और नींबू का सीरम

सामग्री : 2 चम्मच बादाम तेल
1 चम्मच नींबू का रस

विधि : एक बाउल में बादाम तेल और नींबू का रस डालें। इसे अच्छे से मिला लें और एक कटोरी में भरकर रख लें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं। नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट्स होते हैं, जो पिगमेंटेशन को हल्का करने में मदद करते हैं, जबकि बादाम तेल त्वचा को नमी देता है और उसकी रंगत को समान बनाता है। यह सीरम पिगमेंटेशन को धीरे-धीरे हल्का करता है। त्वचा को निखारने में मदद करता है।

बादाम तेल और गुलाब जल का सीरम- सामग्री : 2 चम्मच बादाम तेल, 1 चम्मच गुलाब जल

विधि : बादाम तेल और गुलाब जल को अच्छे से मिलाकर एक बोतल में भर लें। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं और मसाज करें। गुलाब जल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को ठंडक और राहत देते हैं। साथ ही, बादाम तेल त्वचा के दाग-धब्बों को हल्का करता है। यह सीरम त्वचा को हाइड्रेट करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है। त्वचा की सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है।

बादाम तेल और शहद का सीरम

सामग्री : 2 चम्मच बादाम तेल
1 चम्मच शहद

विधि : बादाम तेल और शहद को अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर रात में सोने से पहले लगाएं। शहद त्वचा को पोषण देता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है, जबकि बादाम तेल त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है। यह सीरम त्वचा को पोषण देता है और पिगमेंटेशन को दूर करता है। यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने में मदद करता है। पिगमेंटेशन को कम करने के लिए बादाम तेल से बने ये तीन सीरम बेहद प्रभावी हैं। इन सीरम्स का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा में सुधार होगा और पिगमेंटेशन की समस्या कम हो जाएगी। हालांकि, परिणाम देखने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने और हल्का करने में मदद करते हैं।

ग्लोइंग स्किन के लिए बनाएं कोरियाई चावल का फेस मास्क

अगर आप अपनी त्वचा को सॉफ्ट, ग्लोइंग और बेदाग बनाना चाहती हैं, तो कोरियाई चावल का फेस मास्क आपके लिए एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। कोरियन स्किन केयर रूटीन में चावल का इस्तेमाल बहुत आम है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं, जो त्वचा को ग्लो देते हैं और इसे चमकदार बनाते हैं। आइए जानते हैं, घर पर चावल से बना हुआ फेस मास्क कैसे तैयार करें।

चावल का फेस मास्क बनाने के लिए सामग्री:-

2 चम्मच चावल
1/2 कप पानी
1 चम्मच शहद
1 चम्मच दूध
1/2 चम्मच नींबू का रस

ऐसे बनाएं कोरियाई चावल फेस मास्क

सबसे पहले, 2 चम्मच चावल अच्छे से धोकर पानी में भिगो दें। आप चावल को करीब 15-20 मिनट तक पानी में रहने दें ताकि उसमें मौजूद सभी गंदगी और कीटाणु निकल जाएं।

अब, चावलों को एक पैन में डालकर पानी में उबाल लें। जब चावल अच्छे से उबाल जाएं, तो गैस बंद कर दें और चावलों का पानी अलग कर लें। इस पानी को आप बाद में इस्तेमाल कर सकते हैं।उबले हुए चावलों को ठंडा होने के बाद, एक मिक्सी या ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें। पेस्ट का गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब, चावल के पेस्ट में 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दूध मिलाएं। शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और दूध त्वचा को कोमल बनाता है। अगर आपकी त्वचा में दाग-धब्बे हैं तो 1/2 चमच नींबू का रस भी डाल सकती हैं। नींबू से त्वचा की रंगत सुधरती है।सभी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें ताकि एक स्मूथ पेस्ट तैयार हो जाए। अब इस पेस्ट को अपनी त्वचा पर अच्छे से लगाएं। इसे चेहरे, गर्दन, और कॉलरबोन के आसपास लगाना ना भूलें। ध्यान रखें कि यह मास्क आंखों और मुंह के पास न जाए।पेस्ट को अपने चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए सूखने दें। जब मास्क सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धो लें। हल्के हाथों से स्क्रब भी कर सकती हैं ताकि डेड सेल्स निकल जाए।

फायदे

चावल में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को अंदर से साफ करके उसे स्वस्थ बनाते हैं। नींबू और शहद से त्वचा की रंगत बेहतर होती है और दाग-धब्बे कम होते हैं। शहद और दूध त्वचा को मॉइस्चराइज करते हैं, जिससे त्वचा सॉफ्ट रहती है। चावल का पानी और दूध से त्वचा को एक प्राकृतिक ग्लो मिलता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

बृहस्पतिवार, 4 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, चतुर्थी तिथौ गुरु वासरे 23/51/ उत्तर आषाढ़ नक्षत्रे 27/42/ शुक्ल योग 09/03/ बव करणे 10/29/ मकर राशिगत चन्द्रमा घं.07मि.42पर।

व्रत एवं त्यौहार-

मेष : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। जीवन स्तर में सुधार होगा।

वृष : वस्त्र भोजन व शमन सुख उत्तम होगा। सेवावृत्ति वाले जनो को शुभ संदेश मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि का योग बनेगा। यात्राएं चिंता बढ़ाएगी।

मिथुन : व्यक्तिगत कार्यबाधा रहेगी। गलत सलाह मानकर हानि पाएंगे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। धन लाभ अल्प होगा।

कर्क : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पुरुषार्थ सार्थक होगा। रुके कार्य में प्रगति होगी।

सिंह : जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा। धन सम्मान में वृद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन आवश्यक है। आलस्य त्यागे।

कन्या : व्यर्थ की उलझन रहेगी। यात्रा की स्थिति सुखद एवं लाभकारी रहेगी। व्यस्तता अधिक होगी। आत्मबल में सुधार होगा।

तुला : लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। कारोबार उन्नति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्राओं का लाभ होगा।

वृश्चिक : सुख में कमी रहेगी। कटु वचन ना कहें। यात्रा से लाभ। धैर्य बनाएं रखें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। व्यय भार बढ़ेगा।

धनु : शारीरिक सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सुख साधन की वृद्धि होगी। दुर्गा जी की उपासना से लाभ होगा। असम्मान का भाव रहेगा।

मकर : बुद्धि चातुर्य से उत्तम धन लाभ होगा। संयम एवं धैर्य से कार्य के होने की संभावना है। यात्रा का योग।

कुंभ : नए संपर्कों से लाभ होगा। स्थान परिवर्तन का योग बनेगा। दूर की यात्रा का योग बनेगा। सन्मार्ग पर चित्त रखने से लाभ होगा।

मीन : दांपत्य जीवन सुखमय। परिवार का सहयोग मिलेगा। लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। संचित कोष से व्यय होगा।

अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन 5 जून को

ललितपुर। अटल आवासीय विद्यालय धौर्रा के प्रधानाचार्य ने अवगत कराया है कि आयुक्त झांसी मण्डल की स्वीकृति के अनुसार मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन 5 जून को अपरान्ह 1 बजे से हाइब्रिड मोड में किया जाना सुनिश्चित है। बैठक का आयोजन मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में किया जायेगा जबकि जिलाधिकारी सत्य प्रकाश भौतिक रूप में विद्यालय से बैठक में प्रतिभाग करेंगे व बैठक में आप सादर आमंत्रित है व जनपद झांसी के अधिकारी आयुक्त कार्यालय में भौतिक रूप से अथवा ऑनलाइन तथा जनपद के अधिकारी अटल आवासीय विद्यालय धौर्रा में भौतिक रूप से बैठक में प्रतिभाग करेंगे,

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में 5 से 21 जून तक नगर से लेकर ग्रामीण स्तर तक आयोजित होंगे समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरुकता कार्यक्रम'

ललितपुर। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में 5 जून से 21 जून के मध्य नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिनके सफल एवं भव्य आयोजन हेतु जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक कर प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यक्रमवार नोडल नामित किया और कार्यक्रम को जनप्रतिनिधिगणों की सहभागिता के साथ भव्यतम रुप में आयोजित कराये जाने के निर्देश दिये। 'जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के इस अभियान में पूरी ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का निवर्हन करें, सरकार की अन्त्योदय की भावना को जन-जन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें और आयोजन में जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए पूरी भव्यता के साथ कार्यक्रमों का आयोजन करायें। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरुकता कार्यक्रम की शुरुआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के साथ होगी, जिसके तहत जिला स्तर पर राजकीय इण्टर कॉलेज में संकेतात्मक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, इसी क्रम में 8 जून से 14 जून तक विशेष जन-सम्पर्क एवं जन-जागरुकता कार्यक्रम के तहत समाज विभिन्न वर्गों तक शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं उपलब्धियां पहुंचाने हेतु जनपद के प्रबुद्ध वर्ग आदि से संवाद किया जाएगा, 11 जून से 14 जून तक मीडिया सम्बोधन एवं संवाद के तहत जनपद स्तर पर प्रेस वार्ता के दौरान सरकार की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। 14 जून से 16 जून तक जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला अभियान के अंतर्गत समस्त विकास खण्डों में जनकल्याण मेले आयोजित किये जायेंगे। 16 जून से 17 जून तक विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के तहत राज्य स्तर पर विभिन्न विधाओं, क्षेत्रों के प्रबुद्ध महानुभावों, विषय विशेषज्ञों का जनपद स्तरीय विकास खण्डों में भ्रमण हेतु चयन किया जाएगा। 17 जून से 20 जून तक गरीब कल्याण को समर्पित सरकार की उपलब्धियों तथा उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी परियोजनाओं, आध्यात्म केन्द्रों के विकास एवं आन्तरिक सुरक्षा के सुदृढ़ मॉडल ''पहले और अब'' के प्रारूप में कलैक्ट्रेट में विकास प्रदर्शनी के रुप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए जिला पर्यटन अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, अपर पुलिस अधीक्षक, डीएसटीओ व डीआईओ को नोडल बनाया गया है। इसी क्रम में 18 जून से 19 जून तक विकास भवन सभागार में खेती कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, इसके लिए उप निदेशक कृषि को नोडल व जिला कृषि अधिकारी को सह नोडल बनाया गया है, 21 जून को पुलिस लाइन परिसर व समस्त ग्राम पंयायतों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इम्तियाज अहमद, जिला विकास अधिकारी अतिरंजन सिंह, एडीएफओ सत्येन्द्र तोमर, पीडी डीआरडीए दीपक यादव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ भगवान सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुँवर सिंह यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी सिंह, अधिशसी अभियंता सिंचाई खण्ड भूपेश सुहेरा, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, समस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हेलमेट और सीट बेल्ट से ही बचेगा जीवन, सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने का आह्वान

उई : **सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते सांसद ।**

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
उरई(जालौन) । संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सांसद नारायणदास अहिरवार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, दुर्घटना संभावित स्थलों, यातायात नियमों के अनुपालन तथा सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई।

सांसद ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि परिवारों की अपूरणीय क्षति हैं। उन्होंने बिना हेलमेट, रॉन्ग साइड व बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ÷सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाना होगा।÷ विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने इसे सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए ग्राम पंचायत स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का सुझाव दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों व स्वयंसेवी संगठनों से सक्रिय सहभागिता की अपील की। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पूर्व निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता से कराने, घायलों को 'गोल्डन ऑवर' में चिकित्सा सुविधा देने हेतु पुलिस-स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सड़क संकेतक, स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड व प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने को भी कहा गया।बैठक में पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीरेंद्र सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ललितपुर में आगामी त्योहारों को देखते हुये की गई धारा 163 लागू

ललितपुर। अपर जिला मजिस्टेऊट दिनेश कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद की सीमा में निवास करने वाले तथा आने जाने वाले सभी व्यक्तियों के लिये धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अंन्तर्गत आदेश किया है, जिसमें 26 को मुहर्रम का त्योहार तथा माह जून व जुलाई में विभिन्न परीक्षायें प्रस्तावित हैं व त्योहार तथा परीक्षाओं के दृष्टिगत जनपद में असामाजिक तत्वों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु शांति व्यवस्था भंग करने एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, अतः उक्त अवसर पर शांति व्यवस्था के निमित्त प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक एवं समीचीन है, एतएव उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये 31 जुलाई तक जनपद ललितपुर की सीमान्तर्गत धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू किया जाना अपरिहार्य है व किसी भी स्थान पर पांच या उससे अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्रित नहीं होंगे व जनपद की सीमाओं में अस्त्र, शस्त्र, डण्डा, चाकू, भाला आदि लेकर नहीं चलेगा और न ही शादी विवाह में शस्त्र से फायर आदि करेगा व न ही किसी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलेगा, परन्तु यह प्रतिबन्ध शासकीय डयूटी पर तैनात अधिकारी, कर्मचारियों तथा लाठी के संबंध में अपंग व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा व कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान, धार्मिक स्थल आदि पर इस प्रकार का भाषण, वक्तव्य चाहे वह मौखिक हो या लिखित रूप में जारी नहीं करेगा, जिससे किसी धर्म, जाति, सम्प्रदाय अथवा समुदाय, व्यक्ति विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंचे व किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिये नहीं किया जायेगा तथा किसी भी धार्मिक स्थल में इस प्रकार का कोई ऐसा कृत्य न किया जाये, जिससे सामाजिक धार्मिक एवं जाति द्वेष की भावना उत्पन्न हो व सुरक्षा हेतु डयूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा और न ही उसका प्रदर्शन करेगा, जिससे जन सामान्य में भय अथवा आक्रोश उत्पन्न होने की सम्भावना है व कोई भी व्यक्ति मदिरा व अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर जुलूस एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों में प्रवेश नहीं करेगा व सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति, पार्टी अथवा संगठन किसी तरह का प्रदर्शन नहीं करेंगे व कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर ऐसे किसी उत्तेजित नारे एवं भाषण एवं भाषा का प्रयोग नहीं करेगा, जिससे किसी व्यक्ति समुदाय को साम्प्रदायिक व जातिगत, राजनैतिक भावना के प्रति कुप्रभाव पड़े तथा न ही ऐसी बात करेगा, जिससे उस क्षेत्र की शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े व वाणी, प्रचार, सामग्री द्वारा ऐसी बात नहीं करेगा, जिससे जनशांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े व उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश विशेष परिस्थितियों में उप मजिस्ट्रेट ललितपुर, महरौनी तालबेहट, पाली, मडावरा द्वारा अनुमति दिये जाने पर उस सीमा तक शिथिल होंगे, जिस सीमा तक अनुमति दी जायेगी।

दहेज उत्पीड़न व मारपीट में पति समेत 6 पर लिखा मुकद्दमा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, कोंच(जालौन)। कोतवाली के मोहल्ला मालवीय नगर निवासिनी अंगूरी देवी पत्नी सुभाष पुत्री विनोद कुमार हाल निवास मोहल्ला सिद्धार्थ नगर कस्बा व थाना कदौरा जिला जालौन ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि मेरी शादी हिंदू रीति रिवाज से दिनांक 27 मई 2021 को सुभाष पुत्र राम मोहन के साथ हुई थी जिसमें मेरे माता-पिता ने करीब 7 लाख रुपया नगर व दान दहेज का सामान दिया था पति सुभाष के संसर्ग से मेरे एक पुत्र नक्श उम्र करीब 2 वर्ष है और दूसरी संतान लगभग चार माह का गर्भ पेट में पल रहा था लेकिन अतिरिक्त दहेज की मांग के कारण ससुराल रीजन पति सुभाष ससुर राम मोहन सास रामवती ननद राजश्री वह प्रेमलता तथा छोटी ननद राखी सभी ने मिलकर मेरे साथ गाली गलौज करते हुए मेरी मारपीट की और छोटी ननद ने मेरे पेट में दो लाते हैं मेरी जिससे मुझे ब्लीडिंग होने लगी तब मैं मोहल्ले वालों के सहयोग से थाने गई और वहां से सरकारी अस्पताल कोच इलाज के लिए आई लेकिन यहां से जिला महिला चिकित्सालय उरई रेफर कर दिया गया जहां पर दिनांक 15 अप्रैल 2026 से दिनांक 17 अप्रैल 2026 तक मेरा इलाज किया गया लेकिन 4 में का भ्रूण का गर्भपात हो गया इसके बाद 17 अप्रैल 2026 को मेरी रिश्तेदारी उमरार खेड़ा में पंचायत हुई वहां भी ससुराली जनों ने मेरे साथ मारपीट की अंगूरी देवी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 113/26 धारा 85/115(2)/352/92 बी एन एस में मुकद्दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार सेवकों ने कलम बंद हड़ताल कर मानदेय दिलाये जाने की उठाई मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
कोंच(जालौन)। विकास खण्ड कोंच के ग्राम रोजगार सेवक संघ के अध्यक्ष रामलला निरंजन व महामंत्री नरेंद्र परिहार की अगुआई में दिन बुधवार को खण्ड बिकास अधिकारी को एक पत्र देते हुए बताया कि ग्राम पंचायतों में तैनात ग्राम रोजगार सेवकों खण्ड बिकास कार्यालय में तैनात मनरेगा कर्मियों का मानदेय बिगत 8 से 9 माह से नहीं मिला है जिससे सभी मनरेगा कर्मी आर्थिक संकट से परेशान हैं जिस पर ग्राम रोजगार सेवक बेलफेयर एशोसिएशन उत्तर प्रदेश के पत्रांक संख्या 152/2026 प्रांतीय आदेश पर दिनांक 2 जून 2026 से अनिश्चित कालीन कलमबंद हड़ताल करने का निर्णय लिया गया ग्राम रोजगार सेवकों ने खण्ड बिकास अधिकारी से उचित कार्यवाही करते हुए मानदेय दिलाये जाने की मांग की है।

इस दौरान सुनील कुमार रामसेवक चंद्रभान नरेंद्र सिंह रामलाल प्रीति सिंह नामदेव सोनम पटेल लाल जी प्रसाद राम कुमारी जय राम हरि सिंह छोटेलाल सहित तमाम रोजगार सेवक व मनरेगा कर्मचारी मौजूद रहे ।

उपहार योजना में रोटावेटर पाकर किसान के चेहरे पर सफलता की चमक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
जालौन। मुख्यमंत्री .षक उपहार योजना के अंतर्गत नवीन गल्ला मंडी में आयोजित कार्यक्रम में लकी ड्रॉ के माध्यम से चयनित किसान को रोटावेटर भेंट किया गया। रोटावेटर पाकर किसान के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

बुधवार को मंडी में आयोजित कार्यक्रम में मंडी सचिव अंकित गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री .षक उपहार योजना का उद्देश्य किसानों को प्रोत्साहित करना और उन्हें मंडी व्यवस्था से जोड़ना है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी उपज मंडी में बेचने के बाद व्यापारियों से सिक्स आर (रसीद) अवश्य प्राप्त करें। इसी के आधार पर किसानों का पंजीकरण होता है और उन्हें .षक उपहार योजना जैसी लाभकारी योजनाओं में शामिल होने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसान इस योजना से जुड़ें ताकि उन्हें भी भविष्य में उपहार एवं अन्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। लकी ड्रॉ में चयनित अकोढ़ी दुबे निवासी किसान संजीव द्विवेदी को मंडी निरीक्षक राघवेंद्र गुर्जर ने रोटावेटर भेंट किया गया। उपहार में रोटावेटर पाकर किसान का चेहरा खिल उठा।

ऑटो के अवैध संचालन को बंद कराने की मांग की बस ऑपरेटरों ने

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
जालौन। राज्य मार्ग पर टैंपो एवं ऑटो रिक्शा चालक अवैध रूप से सवारियों को ढोने का काम कर रहे हैं। जिसके चलते बस संचालकों को नुकसान हो रहा है। न्यू बुंदेलखंड बस ऑपरेटर वैलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देकर टैंपो व ऑटो के अवैध संचालन को बंद कराने की मांग की है।

न्यू बुंदेलखंड बस ऑपरेटर वैलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में एसोसिएशन के अध्यक्ष मुन्ना सिंह के नेतृत्व में बस संचालकों ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही को ज्ञापन देकर बताया कि वह स्थायी सवारी गाड़ी बसों के परमिट धारक हैं। नियमानुसार उरई से शेरगढ़ घाट (औरैया) वाया जालौन व उरई से जगम्मनपुर बसों का नियमित संचालन करते हैं। शासन के निर्देशानुसार प्रतिमाह यात्री कर जमा करते हैं। वह सरकार को टैक्स देकर बसों का संचालन कर रहे हैं। दूसरी ओर राज्य मार्गों पर नियमों की अनदेखी कर ऑटो व टैंपो का अवैध रूप से संचालन हो रहा है। मुख्यमंत्री की रोक के बाद भी नगर में देवनगर चैराहे पर टैंपो, ऑटो रिक्शा स्टैंड अवैध ढंग से चल रहा है। इसके साथ ही नगर क्षेत्र व आसपास 15 किमी के अंदर सवारियों को लाने ले जाने की अनुमति के परमिट की आड़ में 30-40 किमी दूर सवारियों को लाने व ले जाने का काम कर रहे हैं। बस स्टॉफ द्वारा मना करने पर लड़ने-झगड़ने पर अमादा रहते हैं। जिससे बसों के संचालन में नुकसान हो रहा है। उन्होंने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से नगर में देवनगर चैराहे चल रहे अवैध ऑटो स्टैंड व अवैध ऑटो के संचालन पर रोक लगवाने की मांग की है। इस मौके पर प्रताप सिंह, रज्जू महाराज, अरुण कुमार तिवारी, संतोष कुमार, शैलेंद्र कुमार, विजय कुमार गुप्ता, शिशुपाल, शैलेंद्र यादव, गोविंद सिंह यादव, विवेक यादव, संतोष कुमार, सैय्यद सरवर अली आदि रहे।

क्या जालौन में भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगें सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ?

- **विधायक का सामाजिक टकराव का सिद्धांत महंगा पड़ सकता है भाजपा को**
- **पाल समाज, खांगर एवं कोरी समाज की नाराजगी से अलग-थलग पड़े गौरीशंकर वर्मा**

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
उरई(जालौन)। सामाजिक सदभाव को मजबूत कर हर वर्ग एवं समुदाय के लोगों में अपनी पकड़ को मजबूत करने का प्रायः सभी जनप्रतिनिधियों का सपना होता है। क्योंकि यही सामाजिक पैठ उसके राजनैतिक भविष्य को सवारती है। राजनैतिक दल भी किसी व्यक्ति को पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मसलन चुनाव में टिकट देने तक में उसके सामाजिक सरोकार का आंकलन करती है वह किस तरह से पार्टी के लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जब कोई कार्यकर्ता पद प्रतिष्ठा पाकर सामाजिक टकराव पैदा करने, पार्टी के वोटबैंक को आपस में लड़ाने और अपनी ही पार्टी के प्रति लोगों में नाराजगी बढ़ाने का काम करने लगे तो वह अपनी ही पार्टी के लिए भस्मासुर की स्थिति में पहुंच जाता है।

जालौन जिले में उरई जालौन विधानसभा क्षेत्र के सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा के सामाजिक टकराव के कारनामे लोगों खासकर भाजपा कार्यकर्ताओं की जुबान पर देखे जा सकते है। पहले बिना सोचे समझे श्रेय लेने के लिए वह दो कदम आगे बढ़ते है लेकिन विरोध होने पर चार कदम पीछे हट जाते है। जिससे उन्हे बार-बार अपनी छीछालेकर का सामना करना पड़ता है। पिछले कुछ महीनों में उनके क्रियाकलापों ने भाजपा कार्यकर्ता में असामंजस की स्थिति पैदा कर दी है। पार्टी के लोग यह नही समझ पा रहे है कि वह भाजपा के सामाजिक एवं सदभाव पर चोट करके पार्टी का कौन सा भला कर रहे है।

ताईबाई प्रतिमा को लेकर क्षत्रिय समाज की नाराजगी

जालौन की ऐतिहासिक गौरव गाथा को सुशोभित करने वाली वीरांगना ताईबाई की प्रतिमा को जालौन के देवनगर चैराहे पर लगाने की क्षत्रिय समाज द्वारा मांग की जा रही थी इस मुद्दे को सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने लपका और ताईबाई की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा कर डाली। नगर पालिका परिशद जालौन ने देवनगर चैराहे का सौन्दयीकरण किया वैसे ही क्षत्रिय समाज द्वारा प्रतिमा स्थापित करने की मांग की जाने लगी लेकिन विधायक ने जानबूझकर हीलाहबाली की या किसी के दबाब में उनके तेवर ठंडे पड़ गये यह तो नही पता लेकिन उस स्थान पर लौह पुरूष सरदारपटेल की प्रतिमा रातोंरात स्थापित तो गयी तो क्षत्रिय समाज हाथ मलते रह गया। बाद में क्षत्रिय समाज ने विधायक की चुप्पी पर नाराजगी जाहिर की थी।

..जब होल्कर सेना ने लगाये विधायक मुर्दाबाद के नारे

आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ हर जाति वर्ग समुदाय में पैठ बनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाये हुए है। वही सदर विधायक के कारनामे योगी आदित्य नाथ के प्रयासों पर 440 बोल्ट का करेंट देने में लगे है। मुख्यमंत्री की मंशा के विपरीत वह भाजपा के प्रति नाराजगी पैदा कराने के कारक बने हुए है। सदर विधायक गौरीशंकर के खिलाफ राजामाता आहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा को लेकर पाल समाज द्वारा जालौन बाईपास मबई मोड़ पर जाम लगाकर मुर्दाबाद के नारेबाजी की गई थी। कारण सदर विधायक ने मबई मोड़ पर अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा रखने का आश्वासन दिया था और 31मई को उस प्रतिमा का लोकार्पण करने की घोषणा की थी जब समय करीब आया तो होल्कर सेना ने पिछले दिनों विधायक से प्रतिमा रखने की बात की तो वह मबई मोड़ चैराहे पर प्रतिमा लगाने के वचन से मुकर गये जिस पर पाल समाज द्वारा जाम लगाकर गौरीशंकर वर्मा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाये गये थे बाद में वह शिवा पैलेस के पास प्रतिमा लगाने की बात करने लगे जिससे पूरे जिले में गौरीशंकर के खिलाफ पाल समाज में नाराजगी देखी जा रही है।हांलाकि बाद में पाल समाज को भारी मन से शिवा पैलेस वालें चैराहे पर अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा रखने सहमत होना पड़ा।

स्वतंत्रदेव सिंह की घोषणा का भी मान नही रखा विधायक ने

एक तरह से बुंदेलखंड के मिनी मुख्यमंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने महाराजा खेत सिंह खांगर की जयंती के उपलक्ष्य में उरई के गौरी पैलेस में खांगर समाज द्वारा आयोजित भव्य सम्मान समारोह में कोंच चैराहे पर महाराजा खेत सिंह प्रतिमा लगाने की घोषणा की थी। इस कार्यक्रम में भाजपा के सभी विधायकों के साथ सदर विधायक भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि स्वतंत्रदेव सिंह की इस घोषणा का सदर विधायक गौरीषंकर वर्मा ने करतल ध्वनि से स्वागत किया था समारोह के बाद कोंच चैराहे पर प्रतिमा स्थापना को लेकर समाज के लोगों ने ग्रह विभाग से लेकर प्रषासन,पुलिस हर जगह से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया था । अपने पूर्वज महाराजा खेत सिंह की प्रतिमा स्थापना को लेकर खांगर समाज खुश था क्योंकि वर्शों पुरानी मांग को जल्द पूरी होने की उम्मीद बढ़ गयी थी कि परसुराम की जयंती पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने षोभायात्रा के दौरान उस चैराहे पर फरसा गाड़ दिया। विधायक के इस कारनामे से खांगर समाज सकते में आ गया और अपने आपको ठगा का महसूस करने लगा चूंकि षासन सत्ता में दख लना होने के कारण समाज के लोगों को मन मसोस कर रह जाना पड़ा। अब प्रतिमा स्थापना के लिए दूसरे स्थानों का चयन करने को कहा जा रहा है। खांगर-क्षत्रिय समाज के लोगों का कहना था कि सदर विधायक ने मंत्रीजी की घोषणा का भी मान नही रखा। जबकि उस कार्यक्रम में विधायक गौरीषंकर वर्मा भी मौजूद थे।

कोरी समाज ने बैठक कर सदर विधायक को लानत भेजी

सदर विधायक ने परसुराम जयंती पर कोंच चैराहे पर जहां फरसा गाड़ा उसके सामने वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापित है और प्रतिमा के सामने वाले मार्ग को नगर पालिका उरई के द्वारा वीरांगना झलकारी बाई प्रतिमा मार्ग घोषित किया जा चुका है लेकिन सदर विधायक द्वारा फरसा गाड़ने की घटना से कोरी समाज तिलमिला गया है और विधायक के द्वारा फरसा गाड़ने की घटना के विरोध में कोरी कुटिया में विरोध सभा कर आगामी विधानसभा चुनाव में सबक सिखाने की घोषणा कर दी गई। कोरी समाज के लोगों का कहना था कि कोंच चैराहे की पहचान वीरांगना झलकारी बाई चैराहे के रूप में थी इस पहचान को मिटाने का कार्य विधायक ने किया है। वीरांगना झलकारी बाई विष्व विधालय आंदोलन के प्रमुख अनिल सिन्दूर का तो यहां तक कहना था कि प्रतिमायें हमेषा ऐसे महापुरूशों की लगायी जाती है जिन्होने देष समाज के लिये काम किया हो वीरांगना झलकारी बाई के देष के लिये बलिदान को पूरा देष नमन करता है लेकिन उन्होने समाज और देष के लिये क्या किया जिनका विधायक जी महिमामंडन करने में लगे है।

सजातीय लोगों द्वारा किया जा रहा सदर विधायक का विरोध 2027 के विधानसभा चुनाव में उनके टिकट की दावेदारी को मुश्किल में डाल सकता है। वीरांगना झलकारी विश्व विद्यालय आंदोलन के प्रमुख अनिल सिंदूर का कहना था विधायक जी को सोचना चाहिये कि वह विधायक बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की बदौलत बने है न कि परसुराम की कृपा से। सदर विधायक ने कोंच चैराहे पर फरसा गाड़कर वीरांगना झलकारी बाई की शहादत को कमतर करने का प्रयास किया।

सबका साथ सबका विकास के मंत्र को झटका तो नही देंगे विधायक के कारनामे

विधायक गौरीशंकर वर्मा के फरसा गाड़ने की घटना ने ब्राहम्ण समाज, खांगर समाज एवं कोरी समाज के बीच सामाजिक भाईचारे को टकराव की स्थिति में ला दिया है। इस घटना से भाजपा अपने पक्ष में किसी तरह के राजनैतिक फायदे की उम्मीद नही कर पा रही है। भाजपा के अंदर खाने यह चर्चा काफी गरम है कि सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा के इस तरह के क्रियाकलापो ने भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने असमंजस की स्थिति पैदा कर दी। उनका मानना है कि विधायक के कारनामे भाजपा के बढ़ते जनाधार को चैपट करने, पार्टी में सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न करने वाले माने जा सकते है और 2027 के लिए ठीक नही कहे जा सकते है। यहां तक मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के द्वारा सभी जाति वर्ग समुदाय को पार्टी से जोड़े रखने के प्रयासों को विधायक के क्रिया कलापों को झटका माना जा सकता है समाजवादी पार्टी के पीडीए से निपटने के लिए सबका साथ सबका विकास भाजपा के इस उदघोष के प्रति विधायक की उलटवांसी उनके राजनैतिक कैरियर के लिए अच्छी नही कहीं जा सकती और इस तरह का सामाजिक टकराव का सिद्धांत उनके लिए राजनैतिक नुकसान दायक भी माना जा रहा है। और विधायक का इस तरह का आचरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबका साथ सबका विकास के मूलमंत्र को बट्टा लगा सकता है।

फरसा गाड़ने के मामले में सपाई कर रहे राजनीति - गौरीशंकर वर्मा

कोच चैराहे पर फरसा गाड़ने, मवई मोड पर राजमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा ना लगने देने के विरोध में विधायक मुर्दाबाद के नारे तथा पार्टी के अंदर भी पनप रहे विरोध, कोरी समाज द्वारा बैठक करके विधायक के रवैया के विरोध को लेकर जब इस संबंध में सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा से बात की गई तो उन्होंने स्पष्ट किया की कौन कौन चैराहे पर फरसा गाड़ने से पहले कुछ नहीं था अब कह रहे हैं हमारा था हमारा था उन्होंने स्पष्ट किया कि हमने किसी को रोका नहीं था चाहे कोई प्रतिमा लगवा लेता लेकिन अब जब फरसा गढ़ गया तब सब चिल्ला रहे हैं कोरी समाज के विरोध को राजनीतिक बताया और कहा कि जो लोग समाजवादी पार्टी से टिकट मांग रहे हैं वही हमारा विरोध कर रहे हैं दूसरे दल के लोगों को हमारा तो विरोध करना ही है उन्होंने कोच चैराहे पर महाराजा खेत सिंह की प्रतिमा के सवाल पर कहा कि उन्हें भी पहले किसी ने नहीं रोका था फिर भी अब उनसे दूसरे अन्य चैराहे पर प्रतिमा लगाने की बात चल रही है और डीवीसी कॉलेज झांसी चैराहा के पास भी उनकी प्रतिमा के लिए मैंने कह दिया है होलकर सेना द्वारा विधायक के खिलाफ नारेबाजी के सवाल पर गौरीशंकर ने बताया कि पाल समाज के लोग जालौन बायपास रोड पर शिवा पैलेस के सामने अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा लगाने पर सहमत हो गए हैं और पूजन भी हो गया। संयुक्त मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही के खिलाफ बयान बाजी पर उन्होंने कहा कि जालौन के व्यापारियों ने मुझे वोट दिया विधायक बनाया हम उनके साथ हैं अधिकारी द्वारा व्यापारियों को ना सुनना भी तो गलत बात है।

बूथ गठन हेतु बैठक का हुआ आयोजन

ललितपुर। सेक्टर क्रमांक 52 जामुनधाना की बूथ क्रमांक 586 एवं 587 के बूथ गठन हेतु बैठक की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामबाबू चिरगईया मुख्य मंडल प्रभारी झांसी एवं विशिष्ट अतिथि रामसिंह कुशवाहा मंडल प्रभारी झांसी, केहर सिंह गौतम मंडल प्रभारी झांसी, जानकी प्रसाद बौद्ध एडवोकेट जिला अध्यक्ष, कीरत सिंह लोधी पूर्व विधानसभा प्रभारी, संतोष अहिरवार तालबेहट विधानसभा अध्यक्ष, अर्जुन लाल सेक्टर प्रभारी, रायसिंह राजपूत, देव सिंह नेता एवं बैठक में मुख्य अतिथि ने कहा कि पूरे भारत देश में भी जो काम नहीं हुआ था, विकलांग अभ्यर्थियों के लिए देश का पहला विश्वविद्यालय डॉ.शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय बहिन जी के शासनकाल में ही स्थापित किया गया था, देश का पहला रेसिंग ट्रैक नोएडा में बहिन के ही शासनकाल में बनाया गया था व पूरे देश में पहली बार शहरी गरीबों के लिए मान्यवर साहब कांशीराम शहरी आवास आवंटन बहिन जी के शासनकाल में हुआ था व पहला विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कुमारी मायावती जी के शासनकाल में स्थापित हुआ था व कामों को देखते हुए 2027 में प्रत्येक बूथ को जिताकर बहिन जी को पांचवीं बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना है, जिससे आम जनमानस का संपूर्ण उत्तर प्रदेश का सतत विकास होता रहे एवं सबको मुक्त शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार मिले अन्य उपस्थित के रूप में अर्जुन लाल, प्रीतम बछलापुर देवी सिंह बछलापुर व बैठक में अनूप तिवारी को सेक्टर का सचिव व लाल सिंह अहिरवार को सेक्टर का अध्यक्ष व दिनेश अहिरवार को बूथ संख्या 588 बरोदा बिजलोन का बूथ अध्यक्ष व धर्मेंद्र रजक को बूथ का सचिव व शीतल को बूथ का सचिव व सुग्रीव बूथ अध्यक्ष 589 दशरथ अहिरवार को सेक्टर का सचिव नियुक्त किया गयां।

एक पेड़ मां के नाम थीम पर रोपे जाएंगे 54 लाख पौधे

. वन विभाग 18 लाख व 26 अन्य सरकारी विभाग करें पौधारोपण

. प्राइवेट कंपनियां संभालेंगी 36 लाख पौधों को रोपने का जिम्मा

बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के नेतृत्व में इस साल पर्यावरण दिवस के मौके पर बांदा जिले को पूरी तरह हरा.भरा बनाने और वन क्षेत्र का दायरा बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक तथा अभूतपूर्व वृक्षारोपण महाभियान शुरू होने जा रहा है। प्रकृति संरक्षण को समर्पित इस विशाल हरित अभियान के तहत इस बार पूरे जिले में रिकॉर्ड 54 लाख पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और सुनियोजित रणनीति के चलते इस बार के पौधरोपण कार्यक्रम को महज एक सरकारी औपचारिकता न रखकर एक व्यापक जन.आंदोलन का रूप दे दिया गया है ताकि समाज का हर वर्ग सीधे तौर पर प्रकृति को संवारने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके।

इस विशाल लक्ष्य को समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए वन विभाग सहित तमाम प्रशासनिक अमले और निजी संस्थाओं ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस पूरे महाभियान की कमान संभालते हुए अकेले वन विभाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 18 लाख पौधों का रोपण करेगा। जबकि शेष 36 लाख पौधों को रोपने का बड़ा जिम्मा अन्य 26 सरकारी विभागों और निजी कंपनियों को सौंपा गया है। पर्यावरण संतुलन के साथ.साथ आम जनमानस को पोषण

जन-आंदोलन बनेगा वृक्षारोपण

से समृद्ध करने के उद्देश्य से इस बार विशेष रूप से लगभग 5 लाख फलदार पौधों को लगाने का निर्णय लिया गया है जो आने वाले समय में जिले की आर्थिक और पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेंगे। योगी सरकार की इस अनूठी मुहिम को बेहद भावनात्मक और जन.केंद्रित बनाने के लिए इस बार की थीम एक पेड़ मां के नामष् रखी गई है। इस संवेदनशील और प्रेरक संदेश के माध्यम से समाज के हर व्यक्ति को पर्यावरण से सीधे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक का समावेश करते हुए सरकार ने इस बार आम नागरिकों को डिजिटल माध्यम से भी इस अभियान का हिस्सा बनने का अवसर दिया है। लोग अपने द्वारा रोपे गए पौधे की तस्वीर भारत सरकार के श्मेरी लाइफ पोर्टलश् पर लाइव अपलोड कर सकेंगे। जिससे उन्हें सीधे

इस राष्ट्रीय हरित क्रांति से जुड़े होने का गौरव प्राप्त होगा। अभियान के दीर्घकालिक प्रभाव और पौधों के सुरक्षित विकास के लिए जनप्रतिनिधियों को भी इस मुहिम में एक बड़ी और जिम्मेदार भूमिका सौंपी गई है। जिले के सभी जनप्रतिनिधि अब अपने.अपने क्षेत्रों में अपने द्वारा निर्मित करवाई जाने वाली नई सड़कों के दोनों किनारों पर सघन पौधरोपण सुनिश्चित करवाएंगे और साथ ही उन पौधों के जीवित रहने तथा उनके उचित रखरखाव का पूरा जिम्मा भी स्वयं संभालेंगे। डीएफओ अरविंद कुमार ने बताया कि बांदा जिले की सभी 469 ग्राम पंचायतों में इस वृक्षारोपण अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ चलाया जाएगा। ग्रामीण स्तर पर इस महाभियान को गति देने के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अग्रणी भूमिका सौंपी गई है जो महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते हुए हर गांव को हरा.भरा बनाएंगी। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले करोड़ों लाभार्थी भी इस पुनीत कार्य में अपनी स्वेच्छा से श्रमदान करेंगे। सामूहिक प्रयासों और जन.भागीदारी की यह अनूठी कड़ी बांदा जिले में एक बड़े सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन की शुरुवात करने जा रही है जिससे जिले की फिजा बदलेगी और वन क्षेत्र के विस्तार से आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा।

शचींद्रनाथ सान्याल के जन्म दिन पर किये श्रद्धासुमन अर्पित

भरुआ सुमेरपुर। देशभक्तों की देश के प्रति भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी के तहत संस्था के अध्यक्ष डा. भवानीदीन ने क्रांतिकारियों के मार्गदर्शक और गुरु शचींद्रनाथ सान्याल के जन्म दिन पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि सान्याल सही मायने में संगठन में बेजोड़ थे। देश के प्रति उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इनका जन्म वाराणसी में हरिनाथ सान्याल तथा वासिनी देवी के घर 3 जून 1893 को हुआ था। शिक्षा काल में ही 15 वर्ष की आयु में बनारस में अनुशीलन समिति का गठन किया था। उस समय के भगतसिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारी इन्हें अपना राजनीतिक गुरु मानते थे। गदर पार्टी के गठन में भी इनका योगदान था। इनके जीवन काल में जितने क्रांतिकारी आन्दोलन हुये। उनमें सान्याल का अनुदाय अवश्य रहा। आगे चलकर क्षय रोग के कारण इनका 7 फरवरी 1942 को निधन हों गया। इस कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, सागर, प्रिन्स, पंकज सिंह, भोलू सिंह, दयाराम सोनकर, महावीर प्रजापति, राहुल, होरी लाल, नीलकंठ धुरिया, सतेन्द्र, अजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कुरारा,हमीरपुर। आज नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने डीएम को ज्ञापन देकर बताया कि नगर पंचायत कुरारा सीमा के अन्तर्गत कृषि उत्पादन मण्डी समिति से भगत तालाब तक लगभ 2 कि0मी0 दूरी तक कुरारा-भौली मार्ग अत्यन्त क्षतिग्रस्त हो गया है। इसी मार्ग में नगर का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी स्थित है, कुरारा-भौली मार्ग में जगह-जगह गड्?ढे हो जाने से स्वास्थ्य केन्द्र आने-जाने वाले मरीजों व वाहनों व विद्यालय आने-जाने वाले छात्रध्छात्राओं, यात्रियों के आवागमन में अत्यन्त परेशानी उत्पन्न होती है व दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। समस्या के निराकरण हेतु नगरवासियोंध्आम नागरिकों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत की जा रही है। नगर क्षेत्र के अन्तर्गत कुरारा-भौली मार्ग कृषि उत्पादन मण्डी समिति से भगत तालाब तक का मार्ग की मरम्मत कराया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। उक्त मार्ग की मरम्मत ध् निर्माण विगत वर्ष में लोक निर्माण विभाग हमीरपुर द्वारा कराया गया था। किन्तु नगर के अन्दर जल भराव व बारिश में यह मार्ग अतिशीघ्र ही खराब हो जाता है। जिससे समस्या यथावत बनी रहती है। उक्त मार्ग के स्थायी समाधान हेतु उक्त नगर के अन्दर लगभग 2 कि0मी0 की दूरी तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। अतः आपसे अनुरोध है कि नागरिकों ध् मरीजों के आवगमन में होने वाली परेशानियों के निराकरण हेतु नगर क्षेत्र सीमान्तर्गत कुरारा-भौली मार्ग के निर्माणध्मरम्मत हेतु कुरारा में कृषि उत्पादन मण्डी समिति से भगत तालाब तक लगभग 2 कि0मी0 की दूरी तक सी0सी0 मार्ग का निर्माण कराये जाने हेतु लोक निर्माण विभाग हमीरपुर को आदेशित किये जाने की कृपा करे। जिससे नगर निवासियोंध्आम नागरिकों के साथ-साथ मैं भी आपकी अत्यन्त आभारी रहूंगी।

दहेज में दो लाख और बुलेट न मिलने पर विवाहिता की हत्या का आरोप, मां ने थाने में दी तहरीर

भरुआ सुमेरपुर। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या करने और लाश गायब करने के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की मां ने पति, सास, ननद और देवर के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

निवादा थाना बिवांर निवासी छाया देवी ने थाने में दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी पुत्री दीपिका की शादी चार साल पहले चन्द्रपुरवा निवासी जनार्दन पुत्र स्व. मुन्नू सिंह के साथ हिंदू रीति रिवाज से की थी। विदा के बाद से ही पति, सास, ननद और देवर दीपिका से अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये नगद और एक बुलेट मोटर साइकिल की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर पुत्री के साथ लगातार मारपीट और बेइज्जती की जाती थी। जिस पर वह कई बार ससुराल जाकर समझाने का प्रयास कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति नहीं हैं और आर्थिक स्थिति सही नहीं है। लेकिन ससुरालीजन अपनी मांगों पर अड़े रहे।

आरोप है कि 1 जून 2026 को ससुरालीजनो ने दहेज की मांग पूरी न होने पर दीपिका को जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या कर दी। इसके बाद लाश गायब करने का प्रयास किया गया। पीड़िता की मां ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष दुर्गेश राय ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जनपद की नदियों एवं जलाशयों में 31 अगस्त तक मत्स्य आखेट पर पूर्ण प्रतिबंध

हमीरपुर। मत्स्य संसाधनों के संरक्षण तथा मछलियों के प्रजनन काल को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल ने जनपद की सीमा में स्थित सभी नदियों एवं जलाशयों में 1 जून से 31 अगस्त, 2026 तक मत्स्य आखेट (मछली पकड़ने) पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों एवं उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के तहत यह प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अतिरिक्त शासन के आदेशानुसार 15 जुलाई से 30 सितम्बर, 2026 तक मत्स्य फ्राई एवं फिंगरलिंग को पकड़ने, नष्ट करने अथवा बेचने पर भी रोक रहेगी। वहीं मछलियों के प्रजनन काल 15 जून से 30 जुलाई, 2026 तक किसी भी प्रकार का मत्स्य शिकार पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध अवधि के दौरान यदि कोई व्यक्ति आदेशों का उल्लंघन करते हुए मत्स्य आखेट करता पाया जाता है अथवा प्रतिबंधित श्रेणी की मछलियों का क्रय-विक्रय करता है। तो उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम, 1948 के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों, स्थानीय निकायों एवं पुलिस प्रशासन को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आमजन से अपील की है कि जल जीवों एवं पर्यावरण संरक्षण के हित में प्रतिबंध का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

युवक की ट्रेन से गिरकर मौत

बदौसा;बांदा। थाना बदौसा क्षेत्र के ग्राम बदौसा निवासी एक युवक की ट्रेन से गिरकर दर्दनाक मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। मोहन लाल ;26 वर्षद्ध पुत्र छोटे लाल निवासी ग्राम एवं पोस्ट बदौसाए थाना बदौसाए जनपद बांदाए 2 जून 2026 की शाम लगभग 5रू45 बजे भरतकूप से मानिकपुर.कानपुर सेंट्रल मेमो ट्रेन से यात्रा कर रहा था। बताया जा रहा है कि बागे नदी पुल के पास अचानक ट्रेन से गिर जाने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बदौसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय बांदा भेज दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी शीलू तथा तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिवार में बेटा दिलीप उर्फ विकास ;5 वर्षद्ध और बेटियां शिवानी ;3 वर्षद्ध एवं माहीं ;1 वर्षद्ध हैं। घटना के बाद पत्नी एवं बच्चों सहित पूरे परिवार का रो.रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम का माहौल बना हुआ है और लोगों की आंखें नम हैं।

बंटवारे की पंचायत के दौरान अचानक गिरी महिलाए मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,

बांदा। जायदाद बंटवारे को लेकर घर में चल रही पंचायत के दौरान महिला गश खाकर गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गिरवा थाना क्षेत्र के बहेरी गांव निवासी केशव देवी 55 पत्नी रज्जन का जमीन बंटवारे को लेकर अपनी जेठानी सुनीता और जेठ सीवन से विवाद हो गया। विवाद के बाद मंगलवार की शाम पंचायत बैठी हुई थी। दोनों पक्षों के बीच समझौते का दौर चल रहा था। इसी दौरान महिला गश खाकर जमीन में गिर पड़ी। मौके पर मौजूद परिजनों ने उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुत्र धर्मेंद्र ने बताया कि जमीन बंटवारे को लेकर उसकी मां का जेठानी से विवाद हुआ था। तभी मां गश खाकर गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामे के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

धोखाधड़ी का शिकार होने वाले दो पीड़ितो के खाते में कुल 1.17 लाख रुपए कराये गए वापस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना बांदा टीम द्वारा विभिन्न माध्यमों से साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने वाले 02 पीड़ितों के खाते में कुल 1ण्17 लाख रुपये वापस कराये गये । गौरतलब हो कि विभिन्न मामलों में साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्तियों के राशियों को वापस कराये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम को निर्देशित किया गया था । जिसके सम्बन्ध मे थाना तिंदवारी क्षेत्र के रहने वाले सुनील कुमार पुत्र चुनकी द्वारा बताया गया कि उनकी पत्नी के प्रसव से जुड़े कार्य के दौरान साइबर ठगों द्वारा आशा बहु बनकर झांसा देकर 56ए991ध् रूपये की ठगी कर ली गई है तथा थाना पैलानी क्षेत्र की रहने वाली सोनाली सिंह के साथ साइबर अपराधियों द्वारा यूपीआई के माध्यम से 60ए000 हजार रुपए दूसरे बैंक एकाउंट में ट्रांसफर करने की ठगी के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त हुई थी । दोनों मामलों में साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए सभी के पीड़ितों की कुल 1ए16ए991 रुपए की धनराशि बरामद कर वापस कराई गई । धनराशि वापस मिलने पर दोनों पीड़ितो ने पुलिस टीम के प्रयासो की सराहना करते हुए हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया ।

जिलाधिकारी ने कई नायब तहसीलदारों का कार्य क्षेत्र बदले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, अतर्रा बांदा। जिलाधिकारी बांदा अमित असेरी शासकीय कार्य हित मैं एक जून 2026 को दिनन सोमवार को कई नायब तहसीलदारों को इधर से उधर किया। जानकारी के अनुसार बांदा जनपद के विभिन्न तहसीलों में काफी समय कार्यरत नायब तहसीलदारों का कार्य क्षेत्र से बदले। जिसमें कुमार शिवम मौर्य तहसील अतर्रा में काफी समय से कार्यरत थे उनका स्थानांतरण अतर्रा से हटाकर सहायक भूलेख अधिकारी कार्यालय बांदा के लिए किया गया। वही तहसील बबेरू में कार्यरत शिवदीप मिश्रा नायब तहसीलदार को तहसील अतर्रा भेजा गया है। कुमारी कृतिका को विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी कार्यालय बांदा से नायब तहसीलदार पैलानी के लिए भेजा है। इसी तरह नायब तहसीलदार मनोज कुमार का स्थानांतरण तहसील नरैनी से हो जाने के कारण भूलेख अधिकारी का पद रिक्त चल रहा था जिस पर कुमार शिवम मौर्य को कार्यरत किया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद में चलेगा व्यापक वृक्षारोपण अभियान

हमीरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून, 2026 को जनपद हमीरपुर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसहभागिता बढ़ाना, हरित आवरण में वृद्धि करना तथा प्रकृति के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करना है।जिलाधिकारी एवं जिला वृक्षारोपण समिति के अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक वृक्षारोपण किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय एवं पारंपरिक प्रजातियों के साथ-साथ फलदार पौधों के रोपण को प्राथमिकता दी जाएगी। जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता और पोषण सुरक्षा को भी बढ़ावा मिल सके। उन्होंने बताया कि अमृत सरोवरों, तालाबों, सड़कों, नदियों एवं नहरों के किनारों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। साथ ही नगर निकायों एवं विकास खंडों में हरित क्षेत्रों के विकास तथा सिटी फॉरेस्ट की अवधारणा को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। अभियान में विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। वृक्षारोपण कार्यक्रमों के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता से संबंधित जन-जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। सभी कार्यक्रमों को प्लास्टिक मुक्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति एवं विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे विश्व पर्यावरण दिवस पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी है।

बुंदेलखंड इंसाफ सेना भूख हड़ताल को सिटी

. जलए जंगलए पहाड़ए अवैध कटान और केन नदी बचाने को लेकर चल रही थी भूख हड़ताल

बांदा। बांदा में जलए जंगलए पहाड़ए अवैध कटान और केन नदी बचाने को लेकर बुंदेलखंड इंसाफ सेना की तीन दिवसीय भूख हड़ताल को सिटी मजिस्ट्रेट संदीप केला द्वारा जूस पिलाकर समाप्त किया गयाएजिसमें बुंदेलखंड इंसाफ सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए एस नोमानी सहित संगठन के पदाधिकारीगण ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि बांदा जनपद में बढ़ते अवैध खननए बेकाबू वायु प्रदूषणए भीषण गर्मीए लगातार हो रही वनों की कटाई तथा जल स्रोतों पर बढ़ते संकट के विरोध में बुंदेलखंड इंसाफ सेना द्वारा भूख हड़ताल किया जा रहा था जिसे सिटी मजिस्ट्रेट श्री संदीप केला जी द्वारा मांगों पर आश्वासन देते हुए मांगों को पूरी करने का आश्वासन दिया गयाए

ए एस नोमानी ने यह भी कहा है कि खनन कार्यों में नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। निर्धारित मानकों से अधिक खनन के कारण पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा हैए जिससे कृषिए जल स्रोतोंए वन्य जीवन और आम जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बुंदेलखंड की प्राकृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है।

समाजसेवी शाहान अली ने आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए कहा कि जलए जंगलए पहाड़ए तालाब और नदियों की रक्षा केवल पर्यावरण का नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर जागरूक रहने और जनहित के मुद्दों पर एकजुट होने की अपील की।आंदोलन को समाजसेवी प्रमोद आज़ाद तथा पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस प्रद्युम्न दुबे का भी समर्थन प्राप्त हुआ। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे एण् एसण् नोमानी ने मांग की कि बांदा जनपद में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए आगामी 10 वर्षों तक खनन गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे खननए जंगलों की कटाई और जल स्रोतों के दोहन से क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर संकट में है। यदि अब भी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकटए प्रदूषण और प्राकृतिक विनाश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।आंदोलनकारियों ने कहा कि यह संघर्ष केवल वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए नहींए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्यए स्वच्छ पर्यावरणए हरियालीए जल संरक्षण और केन नदी के अस्तित्व की रक्षा के लिए भी है। साथ ही बुंदेलखंड क्षेत्र के तालाबों को संरक्षित करनेए उन पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाने तथा उनके पुनर्जीवन की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। 03 जून 2026 को आंदोलन के तीसरे दिन बुंदेलखंड इंसाफ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एण् एसण् नोमानी ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर मजिस्ट्रेट बांदा संदीप केला को मांगपत्रध्ज्ञापन सौंपा। नगर मजिस्ट्रेट ने आंदोलनकारियों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके उपरांत नगर मजिस्ट्रेट संदीप केला ने लगातार तीन दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे एण् एसण् नोमानी को जूस पिलाकर भूख हड़ताल समाप्त कराई। इस अवसर पर मोहनलाल वर्माए भोले बाबा जीए महेंद्र कुमारए छोटेलाल वर्माए बृजेश कुमार द्विवेदीए जुल्फी खान तथा उपस्थित सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पर्यावरण संरक्षणए जल स्रोतों की सुरक्षाए अवैध खनन पर रोक तथा जलए जंगलए पहाड़ए तालाब और केन नदी के संरक्षण के संकल्प को दोहराया। बुंदेलखंड इंसाफ सेना ने स्पष्ट किया कि भूख हड़ताल का चरण समाप्त हुआ हैए लेकिन पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए जनजागरण एवं लोकतांत्रिक संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

बांदा में योगी सरकार की नीतियों से बढ़ा धान का रकबाए अब दलहन-तिलहन पर विशेष जोर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

अतर्रा बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को दी जा रही आधुनिक सुविधाओं के कारण बांदा जिले में कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सरकार द्वारा सिंचाईए न्यूनतम समर्थन मूल्य और उन्नत बीजों की समय पर उपलब्धता कराने से जिले में हर साल धान की बुवाई का दायरा ;रकबाद्ध बढ़ रहा है। खरीफ सीजन में बांदा के किसान तय लक्ष्य से अधिक जमीन पर धान की बुवाई कर रहे हैं। जिससे पैदावार में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और स्थिति यह है कि अब सरकार ने यहां पर धान की बढ़ रही लगातार पैदावार को देखते हुए यहां के धान की पैदावार के लक्ष्य को कम किया है और दलहन और तिलहन की फसलों का लक्ष्य बढ़ाने का फैलसा लिया है। आप सभी को ज्ञात हो की पर्यावरणविद् और पद्मश्री उमाशंकर पांडेय ने इस सकारात्मक बदलाव पर खुशी जाहिर की है। इन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सिंचाई संसाधनों में लगातार विस्तार किया जा रहा है जिसके कारण बांदा का किसान अब श्पानीदारश् हो रहा है। इन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा सामाजिक असर यह हुआ है कि क्षेत्र से होने वाला पलायन अब रुक गया है। और शहर गए पढ़े.लिखे युवा अब अपनी नौकरियां छोड़कर गांवों की तरफ लौट रहे हैं और आधुनिक खेती अपनाकर शानदार मुनाफा कमा रहे हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों और जमीनी हकीकत को देखते हुए सरकार अब नई रणनीति पर काम कर रही है। बांदा के उप कृषि निदेशक डॉण् अभय कुमार यादव ने बताया कि हमारे जिले में पर्याप्त सिंचाई संसाधनों के चलते धान की पैदावार तो लगातार बढ़ रही हैए लेकिन इसके कारण स्थानीय किसान दलहन और तिलहन की फसलों से दूरी बना रहे हैं। जिसके चलते इस असंतुलन को ठीक करने के लिए योगी सरकार ने अब धान के निर्धारित लक्ष्य ;टारगेटद्ध को कम करने का फैसला किया है। इन्होंने बताया कि सरकार का पूरा ध्यान अब किसानों को दलहन और तिलहन की खेती के लिए प्रेरित करने और उन्हें इसके लिए विशेष सुविधाएं व लक्ष्य देने पर केंद्रित हैए ताकि बुंदेलखंड की कृषि को और अधिक विविधीकृत और टिकाऊ बनाया जा सके।

जिला कारागार में सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण इला चैधरी ने किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, चित्रकूट- जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में बुधवार को जिला कारागार चित्रकूट में इला चैधरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा औचक निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक एवं हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया गया। लीगल एड क्लीनिक में अनुरक्षित समस्त पंजिकाओं को देखा गया। समस्त पंजिकाओं की प्रवृष्टियां नियमानुसार अंकित पाई गयीं। लीगल एड क्लीनिक में नियुक्त पैरालीगल वालेण्टियर्स को निर्देशित किया गया कि यदि कोई बन्दी अपने मुकदमें की पैरवी के लिए व्यक्तिगत अधिवक्ता करने में अक्षम है तो नियमानुसार पत्राचार करते हुए अधीक्षक जिला कारागार चित्रकूट के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से उक्त बन्दी के मुकदमें की पैरवी के लिए अधिवक्ता प्राप्त करा सकते हैं।

दौरान निरीक्षण बच्चा बैरक में एक बन्दी 18 वर्ष से कम उम्र का पाया गया, जिसको बताया गया कि लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से उम्र के संबन्ध में प्रार्थना पत्र संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें। जिससे वह

भारतीय कानून के तहत उसे विशेष संरक्षण और लाभ प्राप्त कर सकता है।

बैरक संख्या 10, 21, 22, बच्चा बैरक एवं महिला बैरक के बन्दियों को जेल सभागार में एकत्रित कर प्री -लिटिगेशन की जानकारी से सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम करते हुए इला चैधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट द्वारा बताया गया कि किसी विवाद या शिकायत को लेकर औपचारिक रूप से अदालत (कोर्ट) जाने या मुकदमा दायर करने से पहले किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बातचीत, मध्यस्थताया कानूनी नोटिस के माध्यम से मामलों को जल्दी, सस्ता और शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना है। प्री-लिटिगेशन के अन्तर्गत विवादों को न्यायालय के बाहर सुलझाने के लिए विवादित पक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करता है, दूसरे पक्ष को नोटिस भेजकर सुनवाई के लिए बुलाया जाता है। मध्यस्थ या सुलहकर्ता दोनों पक्षों को समझाकर समाधान का प्रयास करता है। दोनों पक्ष सहमत हो जाते हैं, तो समझौता पत्र तैयार किया जाता है एवं यदि दोनो पक्षों के मध्य समझौता नहीं हो पाता, तो पक्षकार न्यायालय में मुकदमा दायर करने के लिए स्वतंत्र होते हैं।

शिवशंकर उपाध्याय, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि वर्तमान समय में समाज में विभिन्न प्रकार के विवाद उत्पन्न होते रहे हैं। ये विवाद पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक, संपत्ति सम्बन्धी, उपभोगता सम्बन्धी या अन्य किसी प्रकार के हो सकते हैं। जब किसी विवाद का समाधान आपसी सहमति से नहीं हो पाता तब सम्बन्धित पक्ष न्यायालय का दरबाजा खटाखते हैं, किन्तु न्यायालय में मुकदमा दायर करने के पहले विवाद के समाधान के लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है, उसके प्री-लिटिगेशन कहा जाता है।कुलदीप सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि आधुनिक न्याय व्यवस्था का एक प्रभावी और आवश्यक अंग है। यह विवादों के समाधान का सरल, त्वरित, किफायती एवं सौहार्दपूर्ण माध्यम प्रदान करता है।इस अवसर पर कुशकुमार सिंह अधीक्षक जिलाकारागार, गया प्रसाद, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, सुनील कुमार वर्मा जेलर, कौशलेन्द्र मिश्रा डिप्टी जेलर , बृजकिशोरी डिप्टी जेलर आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

कानपुर, बृहस्पतिवार, 4 जून 2026 10

मध्यांचल समाचार

इटावा/फर्रूखाबाद/औरैया/मैनपुरी/एटा/कन्नौज/फिरोजाबाद/आगरा/मथुरा/अलीगढ़

सांप के काटने से युवक की हालत बिगड़ी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

फर्रुखाबाद। कायमगंज क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर टिलिया निवासी सुआलाल खेत पर काम कर रहा था।पास की झाड़ियां में बैठे जहरीले सांप ने उसे काट लिया उसके चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोग उधर दौड़े और उसके परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी लाये यहां उसका इलाज चल रहा है

गौशाला वीडियो वायरल मामले में गौ रक्षक दल किसान यूनियन अखंड भारत के 10 पदाधिकारी जेल भेजे गए

-एक वाहन सीज

-तहसील में प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कुल 28 पर की कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

फर्रुखाबाद। कायमगंज कंपिल क्षेत्र की सुल्तानपुर पलनापुर गौशाला प्रकरण को लेकर तहसील परिसर में हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। गौ रक्षक दल किसान यूनियन के प्रदर्शनकारी जेल भेजे गए जबकि अन्य 18 लोगों के खिलाफ भी शांतिभंग की कार्रवाई की गई।

गौशाला मामले में दर्ज मुकदमे के नामजद आरोपी नरेंद्र सोमवंशी को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सुल्तानपुर पलनापुर गौशाला में गोवंशों की मौत का भ्रामक वीडियो वायरल करने और रंगदारी मांगने के आरोप में दर्ज मुकदमे के विरोध में मंगलवार को तहसील परिसर में हुए धरना प्रदर्शन के बाद पुलिस ने 28 लोगों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। बताया गया है कि कंपिल थाना क्षेत्र की गौशाला के मामले में नोडल अधिकारी की ओर से नरेंद्र सोमवंशी समेत सात अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन अखंड एवं अन्य संगठनों के पदाधिकारियों और समर्थकों ने तहसील परिसर में धरना.प्रदर्शन किया था।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यशवीर और मोनू निवासी हरिहरपुर थाना राजेपुर मनमोहन सिंह निवासी प्रेमनगर शिवम अवस्थी निवासी नगला हूँसा थाना अमृतपुर रत्नांशू निवासी मोहल्ला पाठक अनमोल पांडेय निवासी आवास विकास सुभाष निवासी मदनपुर थाना राजेपुर राजेश कुमार दीक्षित निवासी सिंह वाहिनी कॉलोनी सुमित निवासी राजेपुर तथा पुष्कर अग्निहोत्री निवासी अमृतपुर का मेडिकल परीक्षण कराकर एसडीएम कोर्ट में पेश किया यहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसके अलावा 18 अन्य लोगों का भी मेडिकल परीक्षण कराया गया और उनके खिलाफ भी शांतिभंग की कार्रवाई की गई। पुलिस ने एक वाहन को भी सीज किया है।

प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि कानून.व्यवस्था प्रभावित करने और बिना अनुमति प्रदर्शन करने की कोशिश के मामले में यह कार्रवाई की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गौशाला प्रकरण में दर्ज मुकदमे के नामजद व्यक्ति द्वारा निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए लोगों को एकत्र कर प्रशासन और पुलिस पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। प्रदर्शन के दौरान उग्र नारेबाजी भी की गई थी। कानून.व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने शांतिभंग की कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि कंपिल थाने में दर्ज मुकदमे के नामजद आरोपी नरेंद्र सोमवंशी को साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया। इधर कोतवाली पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बिजली के करंट से तीन लोग घायल हालत गंभीर

फर्रुखाबाद। कायमगंज अलग.अलग स्थानों पर नगर से सटे गांव गांव गढ़ी निवासी शदाबू व शदाबू का 20 वर्षीय पुत्र मोनिस तराई क्षेत्र के गांव खजुरिया निवासी सरिता को करंट लग गया। करंट लगते ही वह अचेत हो गई। यह देख परिजनों के हाथ पांव फूल गए। गंभीर हालत मे तीनो के परिजनो को सीएचसी लाया गया। यहाँ उनका इलाज हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गोष्ठी आज

फर्रुखाबाद।जिला गंगा समिति के तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर उपलक्ष्य मे कल 4 जून को प्रातः 9 बजे से डीएन कॉलेज फतेहगढ़ में गोष्ठी आयोजित की जाएगी यह जानकारी जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल ने दी

फ्लिपकार्ट पर जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम फैशन सेल शुरू हुई

कानपुर। भारत के होमग्रोन ई.कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपनी लेटेस्ट फैशन सेल जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम पेश की है जो भारत के डिजिटल.फर्स्ट ग्राहकों को शॉपिंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। दिलचस्प भारतीय ट्रेंड गरम गरम के साथ जेन ज़ी के विश्वप्रसिद्ध ट्रेंड जीआरडब्लूएम से प्रेरित यह कैम्पेन फ्लिपकार्ट फैशन की फ्लैगशिप एंड.ऑफ.सीज़न सेल को एक नई ट्रेंड.फर्स्ट पहचान दे रहा है। यह कैम्पेन पारंपरिक क्लीयरेंस सेल से अलग है। इसमें जो नया हैए जो ट्रेंड कर रहा है और जो सांस्कृतिक रूप से जुड़ा है वह पेश किया जा रहा है। यह सेल फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस सेलर्स और होमग्रोन डी2सी ब्रांड्स के बढ़ते हुए परिवेश के माध्यम से फैशन के लिए अगले 200 मिलियन भारतीयों को ऑनलाईन लाने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम सेल में प्रमुख फैशन ब्रांड उभरते हुए डी2सी लेबल मार्केटप्लेस सेलर और बढ़ता क्रिएटर ईकोसिस्टम हिस्सा ले रहा है। इसमें 50 से अधिक इंटरनेशनल और होमग्रोन ब्रांड्स के 10 लाख से अधिक ट्रेंडी प्रोडक्ट उपलब्ध होंगे। शॉपिंग का उत्साह बढ़ाने के लिए शॉपर्स को रिवार्डए स्क्रैच कार्डए सुपरकॉईन के ऑफर आदि दिए जाएंगे। इस सेल में भारत के ग्राहकों को सभी लोकप्रिय रेंज और बजट में अनेकों स्टाईल उपलब्ध होंगे। देश के ग्राहकों को बैगी जीन्स से लेकर कोरियन ट्राऊज़र्स फ्लोरल ड्रेस से लेकर पैलेज़्ज़ो सेट और सर्वोच्च इंटरनेशनल एवं डी2सी ब्रांड्स एक ही जगह मिलेंगे।इस कैम्पेन के बारे में कपिल थीरानी वाईस प्रेसिडेंट फ्लिपकार्ट फैशन ने कहा आज फैशन डिस्कवरी खासकर जेन ज़ी ग्राहकों के बीच क्रिएटर्सए कम्युनिटीज़ और डिजिटल संस्कृति से प्रभावित होती जा रही है। जीआरडब्लूएम जीआरडब्लूएम के साथ हम पारंपरिक एंड.ऑफ.सीज़न सेल को नए रूप में पेश कर रहे हैं ताकि युवा भारत आज के फैशन को खोजकर उससे जुड़ सके। इसमें ज्यादा नया ट्रेंड.फर्स्ट और सांस्कृतिक जुड़ाव रखने वाला शॉपिंग अनुभव प्राप्त होगा। इस सेल में व्यक्तिगत सुझावों से लेकर सुंदर कलेक्शन तथा मशहूर एवं किफायती ब्रांड भारत के ग्राहकों के लिए लेटेस्ट स्टाईल लेकर आए हैं। फैशन को अगली पीढ़ी के ग्राहकों तक पहुँचाते हुए हम फैशन की उपलब्धता बढ़ाने तथा उसे सभी के लिए उपयोगी और समावेशी बनाने की ओर एक और कदम बढ़ा रहे हैं।

व्यापारीयों से ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन कराने की अपील

इटावा। शहर के होटल ममाज में जीएसटी विभाग के तत्वावधान में व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता जीएसटी कमिश्नर ग्रेड.2 सुरेन्द्र मोहन सिंह ने की। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू करने का उद्देश्य व्यापार का आसान करना हैए व्यापारी स्वयं जागरूक हों और बिचैलियों से बचेंएजो लोग ईमानदारी से अपना टैक्स भरते हैं उन्हें बहुत लाभ हो रहे हैं। डीसी प्रशासन अरुण सिंह ने कहा कि बहुत से लोग जीएसटी का दुरुपयोग कर फर्जी फर्म बना कर सरकार को नुक्सान करते हैं उन पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित ने कहा कि सेल्स टैक्स व वेट में जीएसटी रजिस्ट्रेशन के लिए 5 लाख की लिमिट थी जीएसटी में बढ़कर 40 लाख कर दी गई है 2017 के बाद जीएसटी लागू होने से अकेले इटावा जिले में टैक्स कलेक्शन में करीब 360 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। ऑनलाइन शॉपिंग के प्रभाव के चलते छोटे में रिटेल के व्यापारियों का कारोबार घटा है। इसलिए छोटे व रिटेल के व्यापारी पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन का दबाव न बनाया जाएए जिलाध्यक्ष उद्योग मंच भारतेन्द्र नाथ भारद्वाज ने कहा कि 50000 तक का माल खरीदने बेचने पर ई.वे बिल अनिवार्य है तथा बड़े कारोबारी पर ऑनलाइन बिलिंग के अनिवार्यता किया जा चुका है। इस अवसर पर संरक्षक हाजी शंहशाह वारसीए जिलाउपाध्यक्ष अशोक जाटवए शहर अध्यक्ष सुनील कुशवाहाए महिला प्रदेशमंत्री मंजूलता द्विवेदीए महिला जिलाध्यक्ष शकीला बेगमए महिला शहर अध्यक्ष पूर्वी सक्सेनाए रेडीमेड ऐसोसिएशन के अध्यक्ष देव गुप्ताए महामंत्री ममता दुबेए ज्योति पालीवालए राखीए लखन सोनीए महिला कोषाध्यक्ष प्रीति शर्माए युवा जिलामहामंत्री अजीत कुमारए युवा जिलाउपाध्यक्ष धर्मेन्द्र यादवए उमेश प्रजापतिए सिकंदर वारसी दर्जनों व्यापारी नेताओं सहित जीएसटी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नवयुग पालिका योजना में फर्रुखाबाद नगर पालिका का चयन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

फर्रुखाबाद।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नवयुग पालिका योजना के क्रियान्वयन को लेकर इलेक्ट्रिक सभागार में बैठक आयोजित की गई जिसमें

नवयुग पालिका योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अनुपालन के संबंध में जानकारी दी गई

बैठक में प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन नगर विकास अनुभाग 9 लखनऊ द्वारा निर्गत दिशा.निर्देशों के क्रम में योजना के उद्देश्यों कार्यप्रणाली एवं अपेक्षित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप योजना के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि नवयुग पालिका योजना का उद्देश्य नगरीय निकायों में ऑनलाइन नागरिक सेवाओं का विस्तार डिजिटल गवर्नेन्स की आधारभूत संरचना का विकासए नगरों के कलात्मक एवं सौंदर्यपरक स्वरूप में सुधार तथा अभिनव तकनीकों एवं नवाचारों के माध्यम से नगरीय निकायों का सर्वांगीण विकास करना है।

शासन स्तर से प्रदेश के 58 नगरीय निकायों का चयन इस योजना के प्रथम चरण में किया गया है जिनमें नगर पालिका परिषद फर्रुखाबाद को भी शामिल किया गया है। यह चयन जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिससे नगर के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

बैठक में योजना के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा करते हुए अवगत कराया गया कि यह योजना वित्तीय वर्ष 2025.26 से प्रारम्भ होकर आगामी पांच वर्षों तक संचालित की जाएगी। योजना के अंतर्गत चयनित 58 निकायों को उनकी

जनसंख्या के आधार पर दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। श्रेणी.1 में 1ण्5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर पालिका परिषद तथा श्रेणी.2 में 1ण्5 लाख से कम जनसंख्या वाले नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत सम्मिलित हैं।

योजना के अंतर्गत श्रेणी.1 के नगरीय निकायों को अधिकतम 12 करोड़ रुपये तथा श्रेणी.2 के निकायों को अधिकतम 8 करोड़ रुपये तक का वार्षिक बजट आवंटन किए जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त विशेष परिस्थितियों में निकाय की आवश्यकता भौगोलिक स्थिति राजस्व वृद्धि नवाचार आधारित परियोजनाओं एवं राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को ध्यान में रखते हुए बजट में आवश्यक परिवर्तन किए जाने का भी प्रावधान रखा गया है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि निर्धारित बजट के अतिरिक्त निकायों को उनकी कार्यकुशलता एवं प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। संपत्ति कर अभिलेखों के ई.प्रस्तुतीकरणए संपत्ति कर रजिस्टर में दर्ज संपत्तियों की संख्या में वृद्धि तथा कुल राजस्व वसूली में वृद्धि करने वाले निकायों को अतिरिक्त प्रोत्साहन बजट प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन नगरीय निकायों को यह प्रोत्साहन राशि प्रतिवर्ष दी जाएगी।बैठक में योजना के अंतर्गत संभावित परियोजनाओंए राजस्व संवर्धन उपायों तथा नवाचार आधारित विकास कार्यों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल अपर जिलाधिकारी वरिष्ठ कोषाधिकारी अंबरीश बाजपेई आदि मौजूद रहे

भाकियू धरतीपुत्र ने भेजा पत्र समाधान की उठाई मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो , फर्रुखाबाद।कोयमगंज भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र के प्रदेश सचिव मुन्नालाल सक्सेना समेत कई पदाधिकारियों ने किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से कृषि पशुपालन नगर व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति से संबंधित मुद्दों के समाधान की मांग की है।

किसान नेताओं ने कहा कि धान की पौध रोपाई का समय चल रहा है। ऐसे में किसानों को डीएपी खाद और बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जनपद में यूरिया खाद की कमी दूर कर भूमि के रकबे के अनुसार किसानों को खाद वितरण सुनिश्चित किया जाए। संगठन ने बरसात के मौसम को देखते हुए पशुओं में खुरपका.मुंहपका और गलघोंटू जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाने की मांग भी उठाई। नगर क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा गया कि सड़कोंए नालों और फुटपाथों पर अतिक्रमण के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। संगठन ने मामले की जांच कराकर प्रभावी कार्रवाई करने और नगर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। इसके अलावा उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा बिजली बिलों में लगाए गए ईंधन अधिभार को वापस लेने की मांग की गई। संगठन ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार ट्रांसफार्मरों के सुरक्षित स्थानों पर स्थापना तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण की मांग भी रखी। इसमें अलावा अन्य कई मांगे उठाई। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों और आम जनता से जुड़े इन मुद्दों का शीघ्र समाधान कराया जाएए जिससे लोगों को राहत मिल सके।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल कायमगंज नगर अध्यक्ष अमन पटेल को बनाया गया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

फर्रुखाबाद। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने जिले की कार्यकारिणी का विस्तार किया है ।

संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष और जिला अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने कायमगंज नगर के युवा उद्यमी अमन पटेल को अध्यक्ष बनाकर कायमगंज नगर की जिम्मेदारी दी है । अमन पटेल को अपनी कायमगंज नगर की पूरी कार्यकारिणी शीघ्र बनाकर घोषित करने के निर्देश दिए हैं। इस मौके पर संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री और प्रदेश सह. मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ने बताया कि जिले की एक महत्वपूर्ण व्यवसायिक तहसील कायमगंज में काफी दिनों से हमारे संगठन की इकाई का वहां मौजूद न होना काफी अखर रहा था

उन्होंने आगे बताया कि संगठन की मजबूती और विस्तार के वास्ते शीघ्र ही कायमगंज में हमारे संगठन की युवा इकाई और महिला इकाई का गठन भी किया जाएगा । कायमगंज के नगर अध्यक्ष अमन पटेल ने बताया कि उनको जो जिम्मेदारी शीर्ष संगठन ने दी है वह उसको बखूबी ईमानदारी और निष्ठा से निभाएंगे और व्यापारी भाइयों की समस्याओं को दूर करने का पूरा भरसक प्रयास करेंगे। इस मौके पर संगठन की तरफ से मुख्य रूप से आनंद मोहन वर्मा जिला महामंत्री?? अरुण गुप्ता अध्यक्ष लिंजी गंज व्यापार मंडल दीपक गुप्ता सदस्य लिंजी गंज व्यापार मंडल आनंद गुप्ता नगर महामंत्री आशीष वर्मा महामंत्री लिंजी गंज व्यापार मंडल राहुल गुप्ता संगठन मंत्री लिंजी गंज व्यापार मंडलए श्री महेश चंद गुप्ता उपाध्यक्ष लिंजीगंज व्यापार मंडल मौजूद रहे

मनरेगा के दो दशक रोजगार की गारंटी से उठते सवाल

-20 साल बाद भी लाइन में मजदूर उपलब्धियां और दावो के बीच फंसा सच

-2006 में शुरू हुई योजना आज भी करोड़ों का सहारा 86 हजार करोड़ का बजट - एसके सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

फर्रुखाबाद। 23 अगस्त 2005 को संसद ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम पारित किया। 2 फरवरी 2006 को इसकी शुरुआत हुई। तब प्रधानमंत्री डॉण् मनमोहन सिंह और ग्रामीण विकास मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह थे। कानून में लिखा गया कि ग्रामीण परिवार काम मांगेगा तो 15 दिन में काम मिलेगाए नहीं तो बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। पहली बार सरकार ने स्वीकार किया कि गांव में काम न होना सिर्फ मजदूर की नहींए सरकार की भी जिम्मेदारी है।

2026 में मनरेगा को 20 साल पूरे हो रहे हैं। इस दौरान 15 करोड़ से ज्यादा जॉब कार्ड जारी हुए। करोड़ों परिवारों को रोजगार मिला। लाखों जल संरक्षण कार्य हुए। हजारों गांवों में तालाबए मेड़बंदीए कुएं और ग्रामीण परिसंपत्तियां बनीं। 2024.25 में 5ण्12 करोड़ परिवारों ने काम किया और 288 करोड़ से ज्यादा मानव.दिवस रोजगार पैदा हुआ। इस साल योजना पर 81 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए। बजट 86 हजार करोड़ रुपये रखा गया।

2014 में हर साल 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया गया था। 12 साल में 24 करोड़ नौकरियां होनी चाहिए थीं। लेकिन आज भी मनरेगा कार्यालयों के बाहर भीड़ दिखती है। करोड़ों लोग फावड़ा और तसला लेकर सरकारी रोजगार मांग

रहे हैं। 2015 में संसद में मनरेगा को ष्विफलता का स्मारकष् कहा गया था।

2020 में कोरोना आया। 24 मार्च 2020 को चार घंटे की नोटिस पर लॉकडाउन लगा। अप्रैल 2020 में 12ण्2 करोड़ नौकरियां चली गईं और बेरोजगारी दर 23 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई। लाखों मजदूर पैदल गांव लौटे। उस समय यही योजना करोड़ों परिवारों का सहारा बनी। दिसंबर 2024 में 2ण्15 करोड़ से ज्यादा परिवारों ने काम मांगा। पूरे साल 5 करोड़ से ज्यादा परिवारों ने काम किया। सरकार दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने की बात करती है। दूसरी तरफ मनरेगा में काम मांगने वालों की संख्या करोड़ों में बनी हुई है। सवाल उठता है कि अगर अर्थव्यवस्था मजबूत है तो मनरेगा की लाइन में भीड़ क्यों है। अगर गांव समृद्ध हो गए हैं तो रोजगार गारंटी की जरूरत क्यों है।

मनरेगा की असली ताकत गड्ढे खुदवाना नहीं है। इसने सत्ता को याद दिलाया कि मजदूर भी नागरिक है। 12 साल की सत्ताए लाखों करोड़ के बजटए हजारों उद्घाटन और सैकड़ों विज्ञापनों के बाद भी अगर करोड़ों भारतीयों को मनरेगा की जरूरत है तो सवाल यही हैरू 2005 में जिस गरीब के लिए रोजगार गारंटी कानून बना थाए वह 2026 में भी गारंटी पर निर्भर क्यों है। देश बदला है या सिर्फ विज्ञापनों का डिज़ाइन बदला है।

खबर एक नज़र

नेपाल की वादियों में लहराई संग्राम की तलवार

-पूर्व प्रधानमंत्री नेपाल ने किया संग्राम सिंह का सम्मान

-अंतर्राष्ट्रीय नेपाल.भारत मैत्री अवार्ड 2026 से सम्मानित

कन्नौज। भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव द्वारा हिमालय की गोद में बसे पहाड़ी शहर काठमांडू में आयोजित कार्यक्रम में आल्हा सम्राट ठाकुर संग्राम सिंह की तलवार लहराते ही पूरा पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जोश व उत्साह के संगम में डूबकी लगाते श्रोताओं ने कन्नौज की विधा का भरपूर आनंद लिया।

क्रांतिधरा साहित्य अकादमी द्वारा नेपाल की राजधानी काठमांडू में तीन दिवसीय नेपाल.भारत साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारत के विभिन्न प्रांतों से अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले 55 लोककलाकारों व साहित्य प्रेमियों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल ने किया। आयोजन के दूसरे दिन आल्हा सम्राट ठाकुर संग्राम सिंह ने जैसे ही मंच पर अपनी तलवार लहराते हुये भारत माता की जय के नारे लगाये तो पूरा पांडाल गूंज उठा। इसके उपरांत कन्नौज के लाल ने अपनी ओजपूर्ण वाणी से वहीं उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपनी सशक्त सांस्कृतिक विरासतए प्राचीन मन्दिरों और हिमालयी नजारों के लिए जानी जाने वाली नगरी में आल्हा का रस घुल गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि नेपाल के प्रधानमंत्री झलनाथ खनालए आयोजक डॉण् विजय पंडितए अध्यक्ष पूनम पंडितए संस्कृत ग्रामर किशोर सिंहए अध्यक्ष डॉण् देवी पंथी आदि ने संग्राम सिंह को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री विजय पंथी ने अंतर्राष्ट्रीय नेपाल.भारत मैत्री अवार्ड से सम्मानित करते हुये कन्नौज की धरती को प्रणाम किया तथा कन्नौज आने का आश्वासन भी दिया। आज सुबह कन्नौज लौटने पर आल्हा गायक का जगह जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। ढोल नगाड़ों के बीच पूरे शहर में नृत्य करते युवाओं ने कहा कि कन्नौज के लाल से विश्व पटल पर भारत व कन्नौज का नाम ऊंचा कर हम सभी को गौरान्वित किया है

पत्रकारों के सम्मान के लिए संयुक्त प्रेस क्लब संकल्पित-सुधीर

इटावा। लोकतंत्र के चैथे स्तंभ को सशक्त बनाने और श्रमजीवी पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए संयुक्त प्रेस क्लबए इटावा पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठन के वरिष्ठ महामंत्री सुधीर मिश्र ने अपनी भावी कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि उनका पद केवल एक दायित्व नहींए बल्कि इटावा के समस्त पत्रकार साथियों के विश्वासए सम्मान और सुरक्षा का एक मजबूत कवच है। महामंत्री सुधीर मिश्र ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में कहाएप्संयुक्त प्रेस क्लब इटावा मात्र एक संगठन नहींए बल्कि हम सभी पत्रकारों का एक परिवार है। महामंत्री के रूप में मेरा एकमात्र लक्ष्य संगठन में अभेद्य एकता स्थापित करनाए हर साथी के अधिकारों के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़े रहना और पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखना है। उन्होंने संकल्प दोहराया कि वे ईंट से ईंट जोड़कर संगठन को उस ऊंचाई पर ले जाएंगेए जहां हर छोटा.बड़ा पत्रकार खुद को सुरक्षित और गौरवान्वित महसूस कर सके।

दो बच्चों की मौत पर चार चार लाख रूपए की सहायता मिली

इटावा। थाना बसरेहर क्षेत्र के ग्राम कृपालपुर मौजा अमृतपुर में 1 जून को खेत में बने जलभरावयुक्त गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की मृत्यु होने की अत्यंत दुःखद घटना घटित हुई थी। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित कराई गई।

उक्त दुर्घटना में राजकुमार की पुत्री मनीषा आयु लगभग 10 वर्ष तथा मनोज के पुत्र प्रियांशु आयु लगभग 8 वर्ष की असामयिक मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों एवं मानकों के अनुरूप दैवीय आपदा राहत मद से आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। मृतक दोनों बच्चों के आश्रित परिवारों को 4.4 लाख चार.चार लाख रुपये की अनुमन्य आर्थिक सहायता प्रदान की गई। विधायका सदर सरिता भदौरिया द्वारा शोक संतप्त परिवारों को राहत सहायता के चेक वितरित किए गए तथा परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर सहित राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वर्षा ऋतु एवं जलभराव की परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतें। खेतों में बने गड्ढोंए तालाबोंए नहरोंए जलाशयों तथा अन्य जलभराव वाले स्थलों के समीप बच्चों को अकेले न जाने दें तथा संभावित जोखिम वाले स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करेंए जिससे ऐसी दुःखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ट्रकों की आमने.सामने भिड़ंत के बाद लगा जाम

उदीए इटावा। इटावा.ग्वालियर मार्ग पर ग्राम उदी के समीप स्थित चंबल पुल पर दो ट्रकों की आमने.सामने भिड़ंत के बाद लम्बा जाम लग गया। मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश सीमा पर लगे लगभग चार किलोमीटर लंबे जाम को तीन घंटे बाद भी नही खोला जा सका। इटावा की ओर से भिण्ड की तरफ जा रहे एलपी ट्रक और 22 चक्का डम्फर में आमने.सामने जोरदार टक्कर में हालांकि कोई घायल नहीं हुआ लेकिन पुल के ऊपर पिलर संख्या 6 पर हुई टक्कर के बाद रास्ता पूरी तरह जाम हो गया। मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश की सीमावर्तीय पुलिस की भारी मशक्कत के बाबजूद तीन घंटे की मशक्कत के बाद जाम को पूरी तरह नहीं खोला जा सका है। भारी गर्मी में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बताया गया है कि इटावा की ओर से भिंड जा रहा ट्रक तेज गति के कारण असन्तुलित हो गया और भिण्ड की ओर से आ रहे डम्फर में टक्कर मार दी गयी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए लेकिन किसी चालकए परिचालक को चोट नहीं लगी। टक्कर के बाद दोनों ट्रक खराब हो गए और देखते ही देखते जाम लग गया।जाम की सूचना पर मध्य प्रदेश की सीमावर्तीय थानां फूप पुलिस एवं इटावा के बढ़पुरा थानां पुलिस मौके पर पहुंची तथा दोनों ट्रकों को पुल से हटाने की जुगत में लग गयी। कुछ समय बाद थानां बढ़पुरा पुलिस ने क्रेन की सहायता से दोनों क्षतिग्रस्त ट्रकों को हटाने का कार्य शुरू कराया गया। ट्रकों को पुल से हटाने में लगे समय के कारण दोनों प्रदेश सीमा में लगभग चार.चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिसमें बड़े वाहनों के साथ छोटे चार पहिया व तीन पहिया वाहन तक फंसे रहे। चंबल पुल पर तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात काफी प्रभावित रहा। दूर दराज को आने जाने बाले बृद्धए बच्चों व महिलाओं को भीषण गर्मी में जाम के कारण भारी परेशानी उठानी पड़ी। पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद धीरे.धीरे वाहनों को निकलवाकर यातायात सुचारु कराने में तीन घंटे से अधिक समय लगा हैए शाम तीन बजे से लगा जाम छह बजे शाम तक पूरी तरह नहीं खुल सका था।

सीडीओ ने रसोई का शुभारंभ किया

इटावा। राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन योजनान्तर्गत पचनद ब्रांड अंतर्गत तहसील परिसर सैफई में पचनद प्रेरणा रसोई का शुभारंभ अजय कुमार गौतम सीडीओ व प्रशिक्षु आईएएस कोमल पूनिया ने किया। सीडीओ ने रसोई संचालिका रश्मि ने तैयार किये गये भोजन की गुणवत्ता व स्वाद की सराहना करते हुए कहा कि स्वंय सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भरता व सशक्तिकरण जनपद में अनूठी पहल मिसाल पेश कर रही है।

पचनद प्रेरणा रसोई का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ साथ आमजन को किफायती व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। एसडीएम सैफई सिद्धार्थ ने इस पहल को स्वंय सहायता समूह की महिलाओं के लिए आर्थिक उन्नति व सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसादए उपायुक्त स्वतः रोजगार विनय कुमारए तहसीलदार सैफई आभा चैधरीए खंड विकास अधिकारी सैफई गौरव पुरोहितए सूर्यनारायन पांडेय जिला मिशन प्रबंधकए ब्लाक मिशन प्रबंधक बृजेन्द्र कुमारए धर्मेन्द्र श्रीवास्तव व समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

गौमाता पर सीएम योगी का वक्तव्य ही भाजपा की लाइन!

गाय को औपचारिक तौर पर 'राष्ट्रीय पशु' या 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने के पक्ष में नहीं दिख रही है भाजपा

नई दिल्ली, ब्यूरो। देश में गौ-हत्या निषेध के विचार को पूरी सख्ती से लागू करने के लिए गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देकर गाय की हत्या करने वाले के लिए मृत्युदंड कर प्रावधान किए जाने की मुस्लिम समाज के काफी बड़े वर्ग की ओर से उठाई जा रही मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो प्रतिक्रिया दी है उसी लाइन को राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा भी आगे बढ़ाने में जुट गई है। गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गाय को माता के बजाय पशु बताने वाले को सीएम योगी ने पशु बुद्धि वाला करार देते हुए दो-टूक शब्दों में कहा था कि गाय को अलग से किसी प्रमाणपत्र या विशेष दर्जे की कोई आवश्यकता नहीं है। अब इसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए भाजपा ने भी कहा है कि जिस तरह गांधी जी को राष्ट्रपिता का सम्मान किसी संवैधानिक घोषणा से नहीं, बल्कि देश की जनभावना, उनके योगदान और सामाजिक स्वीकृति से मिला उसी प्रकार लोग गाय को धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक आधार पर गौमाता मानते हैं। वैसे भी किसी व्यक्ति, प्रतीक या परंपरा के प्रति सम्मान हमेशा सरकारी अधिसूचना या संवैधानिक दर्जे का मोहताज नहीं होता बल्कि समाज कई बार अपने आदर्शों और आस्थाओं के आधार पर भी सम्मानसूचक संबोधन देता है। भाजपा का साफतौर पर कहना है कि गाय को गौमाता मानने की परंपरा भी भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, कृषि-आधारित जीवन पद्धति और लोक आस्था से जुड़ी हुई है जो किसी सरकारी घोषणा की मोहताज नहीं है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने कहा है कि हाल के दिनों में कुछ धर्मगुरु, मुफ्ती-मौलवी और स्वयंभू बुद्धिजीवी यह तर्क दे रहे हैं कि गाय को पहले राष्ट्रीय पशु अथवा राष्ट्रमाता घोषित किया जाए तभी उसे माता माना जाना चाहिए। उनका यह तर्क भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक मान्यताओं की मूल भावना के कतई अनुकूल नहीं है बल्कि देश के करोड़ों लोग गाय को मातृवत सम्मान देते हैं। यह उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का विषय है, जिसका सम्मान लोकतांत्रिक समाज में किया जाना चाहिए। किसी समुदाय की आस्था को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि उसे किसी विशेष कानूनी या संवैधानिक उपाधि का दर्जा प्राप्त नहीं है। जमाल ने कहा कि गाय केवल आस्था का विषय ही नहीं बल्कि देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार है। गाय से करोड़ों किसानों, पशुपालकों और डेयरी व्यवसाय से जुड़े परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त होता है, दुग्ध उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है और लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में गाय का दूध अल्लाह की महान नेमतों में से एक माना गया है। पवित्र कुरआन में दूध को एक शुद्ध, पौष्टिक और लाभदायक पेय बताया गया है जिससे इंसान को अल्लाह की कुदरत और रहमत का एहसास होता है। ऐसे में उन्होंने सभी नागरिकों, धार्मिक नेताओं और बुद्धिजीवियों से गुजारिष की है कि समाज को विभाजित करने वाले अनावश्यक विवादों से बचते हुए आपसी सद्भाव, संवाद और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर ही जोर दिया जाना चाहिए है।

भटवारी और डिघिया में किसानों को दिया गया डीएसआर तकनीक का प्रशिक्षण

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। हलिया विकास खंड के ग्राम पंचायत भटवारी एवं डिघिया में बुधवार को यूपी एग्रीस योजना के अंतर्गत कृषकों को धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान, वाराणसी से आए वैज्ञानिक डॉ. अजय सिंह ने दिया। उन्होंने किसानों को डायरेक्ट सीडिंग राइस विधि से धान की खेती करने की वैज्ञानिक विधि, फायदे और सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। बताया गया कि इस तकनीक से पानी, समय और मजदूरी तीनों की बचत होती है और उत्पादन भी बेहतर होता है। मौके पर एडीओ एजी नरेंद्र कानापुरिया, गौरव सिंह सीएम फेलो हरिकेश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए आगामी सीजन में डीएसआर विधि अपनाने की इच्छा जताई।

पावर टिलर से तैयार किया खेत, किसान ने शुरू की बंडा की खेती

स्वतंत्र भारत मऊ। दोहरीघाट विकास खंड क्षेत्र के बुढावर गांव के किसान विजय कुमार ने पावर टिलर (हैंड ट्रैक्टर) की सहायता से खेत तैयार कर बंडा (अरबी) की खेती शुरू कर दी है। आधुनिक कृषि यंत्र के उपयोग से खेत कम समय में तैयार हो गया, जिससे किसान को श्रम और खर्च दोनों में राहत मिली है।किसान विजय कुमार ने बताया कि पावर टिलर के प्रयोग से खेत तैयार करने में सुविधा हुई तथा मजदूरी पर होने वाला खर्च भी कम आया। उन्होंने कहा कि इस बार बंडा की खेती से अच्छी पैदावार की उम्मीद है।

रोहन राकेश बने कोपागंज थाने के नए थानाध्यक्ष

स्वतंत्र भारत मऊ। कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत रोहन राकेश को कोपागंज थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्रवासियों में बेहतर पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण को लेकर नई उम्मीद जगी है।नवनियुक्त थानाध्यक्ष रोहन राकेश ने मंगलवार को पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ आम जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल देने की अपील की।क्षेत्र के गणमान्य लोगों एवं सामाजिक संगठनों ने रोहन राकेश के कोपागंज थाने का कार्यभार संभालने पर उनका स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

आवश्यकता

श्री कोमिल सिंह शांती देवी महाविद्यालय लड़ैता छिबरामऊ, कन्नौज में परास्नातक स्तर पर कला संकाय हेतु गृह विज्ञान तथा विज्ञान संकाय हेतु जंतु विज्ञान व वनस्पति विज्ञान विषयों हेतु सहायक आचार्यों/प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता व वेतनमान यूजीसी मानकानुसार इच्छुक अभ्यर्थी 15 दिनों के अंदर आवेदनपत्र कार्यालय में प्रेषित करें।

प्रबंधक/सचिव 9450008522

सी.आर.- 441/K

चुनार पीएचसी में डॉक्टर नदारद, मरीज परेशान

कुत्ते के काटने पर नहीं लगा इंजेक्शन, सीएमओ पर भी उठे सवाल

स्वतंत्र भारत मिर्जापुर। के चुनार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में डॉक्टरों की कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। एक मरीज ने डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें ड्यूटी न करने और कार्यशैली में लापरवाही बरतने की बात कही गई है। मरीज को दो से तीन दिन पहले कुत्ते ने काट लिया था और उसे इंजेक्शन लगवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पीड़ित मरीज ने बताया कि वह पिछले कई दिनों से इंजेक्शन लगवाने के लिए पीएचसी के चक्कर लगा रहा है। अस्पताल का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित है, लेकिन इस दौरान भी उसे कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं मिला। मरीज का आरोप है कि डॉक्टर तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं और अपनी ड्यूटी पर मौजूद नहीं रहते।इस संबंध में जब संबंधित अधिकारी प्रभारी निरीक्षक डॉ0 राकेश कुमार पटेल चुनार से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि अस्पताल का समय ओपीडी टाइम सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। हालांकि, मरीज ने बताया कि उसने इस समय सीमा के भीतर कई बार अस्पताल का दौरा किया, लेकिन उसे कोई डॉक्टर नहीं मिला। मिर्जापुर के सीएमओ से संपर्क करने पर उन्होंने मरीज को डॉक्टर से मिलने की सलाह दी, जबकि वहां कोई डॉक्टर मौजूद ही नहीं था। सीएमओ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मरीज का कहना है कि यह स्थिति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को धूमिल कर रही है। मिर्जापुर में चिकित्सा अधिकारी समय पर उपलब्ध नहीं होते, जिससे लोगों को दवा और जांच कराने में भी दिक्कतें आती हैं।मरीज ने बताया कि कुत्ते के काटने के बाद से वह दो-तीन दिन से इंजेक्शन लगवाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

उसने संबंधित अधिकारियों से फोन पर भी बात की, लेकिन उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले पर क्या कार्रवाई करते हैं।

जर्जर हो चुकी पुलिया के निर्माण हेतु डीएम को दिया पत्रक

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य व भाजपा नेता आदित्य तिवारी ने डीएम पवन कुमार गंगवार को मंगलवार को पत्रक देकर जर्जर हो चुकी पुलिया की तात्कालिक मरम्मत व निर्माण कार्य की मांग की है।दिए गए पत्रक में क्षेत्र पंचायत सदस्य ने बताया कि जिले के अंतिम छोर पर मध्यप्रदेश की सीमा से सटे भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव के हरिजन बस्ती,बहेलियान बस्ती व यादव बस्ती में जाने के लिए वर्ष 1999 में पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क बनाई गई थी। सड़क बनाने के दौरान ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में बनाई गई दोनों पुलिया का पीडब्ल्यूडी द्वारा नव निर्माण नही करवाया जा सका। सड़क पर बनी दोनों पुलिया विगत तीन वर्षों से जर्जर हो चुकी है।भारी बारिश होने से कभी भी धराशाई हो सकती है। जिससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो जाएगा। क्षेत्र पंचायत सदस्य ने बताया कि ग्राम पंचायत व क्षेत्र पंचायत से पुलिया निर्माण हेतु गुहार लगाई गई तो वहां से पीडब्ल्यूडी द्वारा पुलिया निर्माण कराने की बात कही गई। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता का कहना है कि शासन को पुलिया निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। जनहित में बारिश से पूर्व क्षतिग्रस्त दोनों पुलिया की मरम्मत करवाए जाने की आवश्यकता है। क्षेत्र पंचायत सदस्य ने जिलाधिकारी को पत्रक देकर जर्जर हो चुकी पुलिया का निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

जमुनीपुर-बेला कसैला-रेवली माइनर नहर मार्ग की पटरी निर्माण शुरू ग्रामीणों में खुशी

स्वतंत्र भारत मऊ। दोहरीघाट ब्लॉक क्षेत्र के जमुनीपुर से बेला कसैला होते हुए रेवली माइनर नहर तक जाने वाले मार्ग पर पटरी निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। निर्माण एजेंसी द्वारा मार्ग के दोनों किनारों पर मिट्टी डालकर पटरी को मजबूत किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद जगी है।ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से मार्ग की पटरी कमजोर होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन प्रभावित होता था। खेतों तक पहुंचने में भी किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब पटरी निर्माण शुरू होने से लोगों में खुशी है और मार्ग की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद बढ़ी है।इस संबंध में मनोज कुमार, सूरजनाथ शास्त्री, जितेंद्र चौहान, विकास गुप्ता प्रवीण सोनकर एवं हरिओम विश्वकर्मा ने बताया कि पटरी मजबूत होने से किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में सुविधा मिलेगी तथा आवागमन भी सुरक्षित होगा। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने की मांग की है।

स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान के तहत चला विशेष स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र भारत मऊ। जनपद में संचालित स्वच्छ गाँव, सुरक्षित जलवायु अभियान के तीसरे दिन ग्राम पंचायतों में स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक गतिविधियां आयोजित की गई। इस दौरान बाजारों, संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बल्क वेस्ट जनरेटर्स की पहचान कर कचरे के पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण के लिए जागरूक किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों, स्वच्छता कर्मियों एवं ग्रामीणों ने श्रमदान कर बाजारों, गलियों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की।

जिला सलाहकार (आईईसी/एचआरडी) अंकित कुमार सिंह ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने अभियान को जनआंदोलन बनाने और स्वच्छ, हरित एवं जलवायु-अनुकूल ग्रामीण परिवेश के निर्माण पर बल दिया।

आगामी दिनों में मिशन लाइफ आधारित जागरूकता कार्यक्रम, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियां और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) महोदय, उन्नाव
दीवानी वाद संख्या– 67/2025
1. जगदीश आदि..वादीगण

बनाम–1.सत्येन्द्र कुमार यादव बालिग पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम नथईखेड़ा मजरा हिम्मतगढ़ परगना गोरिन्दा परसंदन, तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव 2. अश्मित इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर अम्बरीश प्रताप सिंह पुत्र श्याम प्रताप सिंह निवासी ग्राम तेजगंज, पोस्ट जासमई कुसमरा, मैनपुरी, उ०प्र० 3. विक्रमजीत बालिग पुत्र सुरेन्दर निवासी ग्राम कैंथी, तहसील व जिला लखनऊ, हाल निवास नवाबगंज पछियांव, परगना झलोतर अजगैन, तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव.....प्रतिवादीगण

दावा मंसूखी वसीयत व हुकुम इम्तनाई दवामी

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15.07.2026 ई. को बवक्त बमुकाम असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुलउमूर अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा को कीजिए और आपको लाजिम है कि उस रोज अपने जुमला गवाहो की जिनकी शहादत पर नीव जुमला दस्तावेजात जिस पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल कराना चाहते हो उसी रोज पेश करिए। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मसमूआ फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 29.05.2026 ई. को जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.- 441/K-CN

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय उन्नाव
दी. प्रकीर्ण अपील सं. 07/2026
ता. पेशी 09.07.2026

इरशाद अली उम्र 50 वर्ष पुत्र दिलशाद खान निवासी मकान नम्बर–659, दरोगा बाग, शहर उन्नाव, तहसील व जिला उन्नाव।
......अपीलकर्ता

बनाम– 1. श्रीमती छाया सोनकर उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी श्री सुरेन्द्र सोनकर निवासिनी 21/14 बेनाझाबर नई ईदगाह कालोनी, कानपुर नगर, तहसील व जिला कानपुर नगर।
......विपक्षी

2. प्रताप सिंह बालिग पुत्र लल्लू सिंह निवासी ग्राम मल्हीखेड़ा मजरा टीकरगढ़ी परगना व तहसील व जिला उन्नाव 3. पंकज सिंह चौहान बालिग पुत्र सत्य नरायन सिंह चौहान निवासी 45/3 प्रयाग नरायण खेड़ा दरोगा बाग, शहर उन्नाव तहसील व जिला उन्नाव......फार्मल विपक्षीगण।

अपील अन्तर्गत आदेश 43 नियम 1 (आर) जा०दी० विरूद्ध आदेश दिनांक 23.01.2026 ई० दीवानी वाद संख्या–126/2026 श्रीमती छाया सोनकर बनाम प्रताप सिंह आदि न्यायालय सिविल जज (सी०डि०) महोदय, उन्नाव

चूकिं ऊपर नामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएवं आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए तारीख 09.07.2026 ई. को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक कोण अनुदिष्ट अपने अभिवक्ता द्वारा उपस्थिति हो ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज ता. 29.05.2026 ई.को निकाली गई। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.- 441/K-CN

अदालती सूचना

समक्ष न्यायालय श्रीमान् अपर प्रमुख पारिवारिक न्यायाधीश कक्ष सं0–3, कानपुर नगर
मिसलेनियस केस नं. 57/2024
विवाह विच्छेद याचिका संख्या 1802 सन् 2020

दीपक शर्मा उम्र लगभग 41 वर्ष पुत्र प्रकाश चन्द्र शर्मा निवासी 66/86 कछियाना मोहाल थाना हरबंश मोहाल, कानपुर नगर हाल निवासी दबौली–2, थाना गोविन्द नगर, कानपुर नगर। मो.8423090880,
....प्रार्थी/याची

बनाम–रूचि शर्मा उर्फ प्राची उम्र 36 वर्ष बालिग पत्नी दीपक शर्मा पुत्री श्री विनोद शर्मा निवासिनी ग्राम प्रसिद्धपुर भाट रनिया कानपुर देहात
.......प्रतिवादिनी

प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 5 परिसीमा अधिनियम

चूंकि आपके विरूद्ध वादी ने अन्तर्गत धारा 5 परिसीमा अधिनियम प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि दिनांक 08.07.2026 को स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अगर आपको कोई आपत्ति हो तो प्रेषित करे आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षिय आदेश पारित होगा। आज दिनांक 21.05.2026 न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर द्वारा जारी। आज्ञानुसार, मुन्सरिम/रीडर अपर प्रमुख पारिवारिक न्यायाधीश कक्ष सं. 3 कानपुर नगर

सी.आर.- 441/K-CN

अदालती सूचना

न्यायालय अपर उपजिलाधिकारी मण्डल कानपुर जनपद कानपुर नगर तहसील कानपुर सदर
वाद सं. 3693/2026
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. टी202603410103693
दिवाकर सिंह बनाम राज नारायण राजपूत आदि
अन्तर्गत धारा 134 अधिनियम उ.प्र. रा.सं. 2006

दिवाकर सिंह बालिग पुत्र स्व० रामशरण सिंह निवासी–ग्राम कसिगंवा, तहसील नर्वल जिला कानपुर नगर मो. 7275054125...वादी

बनाम–1. राज नारायण राजपूत बालिग पुत्र स्व० जखई 2. अरविन्द राजपूत बालिग पुत्र राज नारायण राजपूत उर्फ सरवन राजपूत निवासीगण ग्राम राजापुरवा मजरा मौजा रमईपुर तहसील सदर जिला कानपुर नगर....प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा–134 उ0प्र0 राजस्व संहिता मौजा रमईपुर तहसील सदर जिला कानपुर नगर

आप सभी के नाम एक नालिस बाबत दायर की है आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08.06.2026 बवक्त बमुकाम असालतन या मार्फत, वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई चार्किफ किया गया हो और कुलउमूर अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाब देही दावा को कीजिए और आपको लाजिम है कि उस रोज अपने जुमला गवाहो की जिनकी शहादत पर जुमला दस्तावेजात जिस पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलात कराना चाहते हो उसी रोज पेश करिए। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा गैर हाजिरी आपके मसमूआ फैसला होगा। बसब्त 03.06.2026 मेरें दस्तखत और मुहर अदालत से जारी किया गया। आज्ञा से,न्यायालय अपर उपजिलाधिकारी मण्डल कानपुर जनपद कानपुर नगर तहसील कानपुर सदर

सी.आर.- 441/K-CN

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी० डि०) महोदय उन्नाव
दी. वाद सं–1224 सन् 2024

राजीव कुमार श्रीवास्तव उम्र 53 वर्ष पुत्र स्व० लालता प्रसाद श्रीवास्तव निवासी फ्लैट न०– 101, प्रथम तल, म. नं०– 10/208ए खलासी लाइन, कानपुर नगर–208001....वादी

बनाम– 1. सुनील कुमार श्रीवास्तव उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र स्व० लालता प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी– 20/307, बिन्दानगर पोनी रोड शुक्लागंज जिला उन्नाव 209861, 2. अनिल कुमार श्रीवास्तव उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र स्व० लालता प्रसाद श्रीवास्तव निवासी फ्लैट नं.–302, स्थित 10/208ए खलासी लाइन, कानपुर नगर 208001, 3. श्रीमती मंजू सक्सेना उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी श्री दिनेश बहादुर सक्सेना पुत्री स्व. लालता प्रसाद श्रीवास्तव नि. 125/72, के–ब्लाक गोविन्दनगर कानपुर 208006, 4. श्रीमती अन्जू श्रीवास्तव उम्र लगभग 47 वर्ष पत्नी श्री शैलेश कुमार श्रीवास्तव पुत्री स्व. लालता प्रसाद श्रीवास्तव निवासी –104/291, पुराना शीशामऊ, पी रोड कानपुर नगर–208012.....प्रतिवादीगण

दावा अधिकार घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा

चूकिं ऊपर नामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएवं आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए तारीख 25.07.2026 ई. को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक कोण अनुदिष्ट अपने अभिवक्ता द्वारा उपस्थिति हो ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज ता. 24.05.2026 ई.को निकाली गई। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.- 441/K-CN

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

रोशन शाक्य पुत्र राकेश चंद्र निवासी महमूदपुर जागीर वर्ष 2024 रोल नंबर 1241 32 3748 अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।(20)

सी.आर.- 441/K-25

सूचना

मैने अपना नाम करुणा शंकर अवस्थी से बदलकर करुणा शंकर रख लिया है। अब मुझे करुणा शंकर के नाम से ही जाना पहचाना जाए। करुणा शंकर अवस्थी पुत्र लक्ष्मीनारायण निवासी भड़सर नौशहरा थाना फतेहपुर 84 जिला उन्नाव।(32)

सी.आर.- 441/K-32

सूचना

मैं अपने पुत्र नूरआलम खान के दुर्व्यवहार से दुखी होकर अपनी चलअचल सम्पत्ति से बेदखलकर सभी प्रकार से संबंध विच्छेद करता हूँ। इसके किसी अनैतिक कार्य व लेनदेन से मेरा कोई सरोकार न होगा। सलाउद्दीन हासीम ख़ान पुत्र हासीम ख़ान, नि. दलेलखेड़ा बरहटा, पो. लालपुर बिन्दकी, फतेहपुर।(36)

सी.आर.- 441/K-36

तुलसियापुर में निर्माणाधीन मछली मंडी गेट की शटरिंग गिरी, एक मजदूर की मौत, पांच घायल

स्वतंत्र भारत बढ़नी सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के मधवापुर में निर्माणाधीन मछली मंडी का मुख्य गेट अचानक भरभराकर गिर जाने से वहां कार्य कर रहे एक मजदूर की ढाई घण्टे मलबे में दबे रहने के कारण घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी और छह मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से सभी घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मजदूर निर्माण कार्य में लगे हुए थे, तभी अचानक गेट का ढांचा असंतुलित होकर गिर पड़ा। इसकी चपेट में आकर छह मजदूर घायल हो गए। घायलों में तीन मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर के लिए रेफर कर दिया गया। लोगों ने निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।मृतक का नाम ढेबरुआ थानाक्षेत्र के मढ़नी निवासी 25 वर्षीय मुस्ताक पुत्र किताबुल्लाह है। घायल बुधई, राजेन्द्र पुत्र पुत्र बुधई निवासी घरुआर, नूर आलम ,रामदयाल निवासी अमहवा नेपाल, रुपेश यादव निवासी मानपुर है। मण्डी परिषद निर्माण खण्ड द्वारा 5.56 करोड़ की लागत से बन रहे इस मछली मण्डी का निर्माण कराया जा रहा था।

तेज रफ्तार मैजिक की टक्कर से बाइक सवार साला जीजा की मौत, अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। थाना क्षेत्र के मुड़पेली मोड़ के पास मंगलवार की दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार साला व रिस्तेदार के जीजा की मौत हो गई।

घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मैजिक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना हलिया क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी मोहन कोल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मोनू कुमार अपने रिश्तेदारी के जीजा सुनील कोल निवासी कवलझर के साथ मोटरसाइकिल से किसी कार्य से बाजार जा रहा था।मंगलवार दोपहर करीब चार बजे मुड़पेली मोड़ के पास सामने से आ रही यूपी 63 बीटी 1975 नंबर की मैजिक के चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोनू कुमार व सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने दोंनो कोई बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंच गए और रो-रोकर बेहाल हो उठे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मैजिक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। दोषी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना
NER-LJN-2026-159 & 160

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है–

ई–निविदा संख्या–NER-LJN-2026-159, कार्य का नाम: लखनऊ डिवीजन के स.मं.इंजी/उत्तर/गोंडा के अधीन सी.से.इंजी./पी.वे/बढनी खंड में आउटसोर्सिंग के माध्यम से दो वर्षों की अवधि के लिए विभिन्न पी.वे रखरखाव गतिविधियों का संचालन। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 6,76,84,633.89, अग्रिम धन(रू0): ₹ 13,53,700.00, समापन अवधि: 24 माह।

ई–निविदा संख्या–NER-LJN-2026-160, कार्य का नाम: लखनऊ डिवीजन के स.मं. इंजी/उत्तर/गोंडा के अधीन सी.से.इंजी./पी.वे/बलरामपुर खंड आउटसोर्सिंग के माध्यम से दो वर्षों की अवधि के लिए विभिन्न पी.वे रखरखाव गतिविधियों का संचालन। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 7,17,15,732.02, अग्रिम धन(रू0): ₹ 14,34,300.00, समापन अवधि: 24 माह।

1.उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-159 & NER-LJN-2026-160 के लिये ई–निविदा दिनांक 09.07.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/150 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर सूचना संख्या- वि./ग.श.यू./प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/66 दिनांक 02.06.2026

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: वि.-ग.श.यू.-कार्य ठेका-81-2026	
कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल के इटावा स्टेशन पर आइलैंड प्लेटफार्म के निर्माण के कारण 25 केवी ओएचई संशोधन कार्य।	
अनुमानित लागत: ₹ 20753084.64	**बिड सुरक्षा राशि:** ₹ 415100.00
कार्य अवधि: 12 महीना	**बोली प्रणाली:** एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 24.06.2026, 14.00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 24.06.2026, 15.00 बजे	

नोट- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेंगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

1246/26 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

फोन : 0512-2332212
0512-2330533

E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

स्वतंत्र भारत

देश विदेश

12

आरएनआई रजि नं. 50969/89 डाक पंजीयन सं. के.पी./सिटी एल.पी.पी./2/96

कानपुर, बृहस्पतिवार, 4 जून, 2026

ईरान ने जमीन से खोद निकाला मिसाइलों का जखीरा

फिर अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए दनादन हमले

फ्लोरिडा। अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर जवाबी कार्रवाई भी की है। यह हमले ऐसे समय में सामने आए हैं, जब हाल ही में ईरान ने मिसाइल के अपने भूमिगत जखीरों को फिर से पा लिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान अपने दबे हुए शस्त्रागारों को तेजी से खोदकर निकालने के बाद इस्राइल और अन्य पश्चिम एशियाई देशों पर कहीं अधिक लंबी दूरी की मिसाइलें दागने के लिए तैयार है। कई हफ्तों तक अमेरिका और इस्राइल के हमलों ने सुरंगों के प्रवेश द्वारों को बंद करके ईरान की अपनी भूमिगत मिसाइल साइटों तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि, सीएनएन की रिपोर्ट में सैटेलाइट की तस्वीरों के हवाले से कहा गया है कि ईरान ने बुलडोजर और डंप ट्रक जैसे साधारण उपकरणों का इस्तेमाल कर इन भूमिगत शस्त्रागारों को खोल लिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे पता चलता है कि तेहरान की मिसाइल क्षमताओं को केवल सुरंगों के प्रवेश द्वारों को निशाना बनाकर नष्ट नहीं किया जा सकता है।

रूसी तेल खरीद पर छूट खत्म करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह रूसी तेल खरीदने वाले देशों को दी गई प्रतिबंधों से छूट को जल्द समाप्त करना चाहता

- भारत पर पड़ सकता है असर

है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष यह बात कही। अमेरिका के इस कदम से भारत समेत कई देशों पर असर पड़ सकता है। मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका की मूल नीति रूस के तेल क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाने की रही है। इसलिए सरकार चाहती है कि यह छूट जितनी जल्दी संभव हो, समाप्त कर दी जाए। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में अंतिम फैसला अमेरिकी वित्त विभाग करेगा। अमेरिका ने मार्च में रूसी तेल खरीद पर लगे प्रतिबंधों से कुछ देशों को छूट दी थी।

बाद में इसे दो बार बढ़ाया गया। सबसे हालिया विस्तार 17 मई को एक महीने के लिए दिया गया था, जिसकी अवधि 17 जून को समाप्त हो रही है। सुनवाई के दौरान सीनेट सदस्य जीन शाहीन ने पूछा कि क्या इस छूट को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। इस पर रूबियो ने कहा कि यह राहत वैश्विक बाजार में तेल आपूर्ति बनाए रखने और कीमतों में तेजी के असर को कम करने के लिए दी गई थी। बता दें कि भारत उन देशों में शामिल है जिन्हें इस छूट का लाभ मिला है। रूबियो ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को इसकी उतनी आवश्यकता नहीं है, लेकिन दुनिया की कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं को इससे फायदा हुआ है। रूबियो ने कहा कि इन छूटों को कब तक जारी रखा जाएगा, यह अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार की स्थिति और अमेरिकी नीतिगत जरूरतों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इच्छा है कि परिस्थितियां सामान्य होते ही इन छूटों को समाप्त कर दिया जाए। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पश्चिमी देशों ने रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। इसके बावजूद वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए अमेरिका समय-समय पर कुछ अस्थायी छूट देता रहा है।

एक नज़र

सांस्कृतिक और पर्यटन संबंध बढ़ाएंगे भारत और चीन

बीजिंग। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने चीन के सांस्कृतिक अधिकारियों से मुलाकात कर द्विपक्षीय सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। गुओयुन अमूर्त सांस्कृतिक विरासत केंद्र के सीईओ झांग जियाक्सिंग के साथ बैठक में उन्होंने अतुल्य भारत अभियान के तहत जन-सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दिया। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सुझोउ-कुनशान क्षेत्र में बने एक योग शिविर का उद्घाटन किया।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला नाकाम, चार आतंकी ढेर

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को आत्मघाती हमला नाकाम कर चार आतंकियों को मारा गिराया। तहरीक-ए- तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े ये सभी आतंकी उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीरानशाह के पास एक सुरक्षा चौकी को विस्फोटकों से भरी गाड़ी से निशाना बनाने की फिराक में थे। हालांकि, सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने खतरे को भांप लिया और वाहन को उसके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिया। इस अभियान में चार आतंकी मारे गए।

भारत ने अफ्रीकी देशों को भेजी चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप

नई दिल्ली। भारत ने इबोला प्रकोप से जूझ रहे अफ्रीकी देशों की मदद के लिए 43 टन चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप भेजी है। इसमें सुरक्षात्मक उपकरण, निदान एवं निगरानी उपकरण, दवाएं शामिल हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को सोशल मीडिया में यह जानकारी दी और उम्मीद जताई कि इस सहायता से अफ्रीकी संघ को इबोला से निपटने की क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। इससे पहले, 29 मई को अफ्रीकी संघ को चिकित्सा सहायता की पहली खेप भेजी गई थी।

अमेरिका में रिंग कंपनी पर निजता के उल्लंघन का आरोप

वर्जीनिया। अमेरिका में अमेजन की सहायक कंपनी रिंग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वर्जीनिया के एक निवासी ने सिएटल फेडरल कोर्ट में याचिका दायर कर कंपनी पर निजता के उल्लंघन आरोप लगाया है। उनका दावा है कि रिंग स्मार्ट डोरबेल का फैमिलियर फेसेस फीचर एआई का इस्तेमाल कर बिना सहमति के राहगीरों के चेहरे का डाटा और तस्वीरें रिकॉर्ड करता है। याचिकाकर्ता ने प्रभावित लोगों के लिए कम से कम 5 मिलियन डॉलर (41 करोड़) के हर्जाने की मांग की है।

565 भारतीय शांतिरक्षकों को संयुक्त राष्ट्र पदक

खारतूम। संघर्ष प्रभावित दक्षिण सूडान में आम नागरिकों की रक्षा करने और शांति निर्माण में सहयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवाएं दे रहे 565 भारतीय शांतिरक्षकों को सम्मानित किया गया। भारतीय शांतिरक्षकों को उनके समर्पण व प्रतिबद्धता के लिए सम्मान मिला, जिनमें इनमें 53 महिलाएं भी शामिल हैं। सम्मानित होने वालों में भारत के 565 व रवांडा के 464 शांतिरक्षकों को यूएन सम्मान पदक दिया गया। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने मलाकाल शहर में सम्मान समारोह आयोजित किया।

पीओके में मानवाधिकारों का हनन, पीएम मोदी से मांगी मदद

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वहां जारी मानवाधिकारों के हनन और राजनीतिक दमन को रोकने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की है। अयूब मिर्जा ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नागरिक अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मिर्जा के अनुसार राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक अधिकारों की मांग दबाने के लिए गिलगित-बाल्टिस्तान अवामी एक्शन कमेटी के कई शीर्ष नेताओं को जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने आशंका जताई कि पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियां 9 जून को प्रस्तावित आम हड़ताल से पहले जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर बड़ा क्रैकडाउन करने की तैयारी में हैं। क्षेत्र के आर्थिक संकट का जिक्र करते हुए मिर्जा ने कहा कि ईद के दिन भी सैकड़ों स्वास्थ्यकर्मियों का प्रदर्शन करना जनता के गहरे आक्रोश को दिखाता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विकास मॉडल ही वहां के लोगों को सम्मान का जीवन दे सकता है, इसलिए भारत इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए।

'ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए'

आईएईए प्रमुख ने किया दावा

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। अमेरिकी विदेश मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

जापान में पाकिस्तान की फजीहत

अवैध निर्माण के आरोपों में घिरी मस्जिद, पाक राजदूत की मौजूदगी में हुआ था उद्घाटन

टोक्यो। जापान के सइतामा प्रांत के कावागोए शहर में एक मस्जिद के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मस्जिद का निर्माण आवश्यक सरकारी अनुमतियों के बिना किया गया, जिसके बाद पाकिस्तान के दूतावास ने भी इस परियोजना से खुद को अलग कर लिया है और जापान में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों से स्थानीय कानूनों का पालन करने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कावागोए स्थित यह मस्जिद 4,500 वर्ग मीटर के उस भूखंड पर बनाई गई है जिसे पर्वतीय वन भूमि (माउंटेन फॉरेस्ट लैंड) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह क्षेत्र शहरीकरण नियंत्रण क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां विशेष अनुमति के बिना निर्माण कार्य सामान्यतः प्रतिबंधित होता है।

किशोरों की सुरक्षा के लिए मेटा ने सभी देशों में लागू किया सख्त कंटेंट सेटिंग्स

न्यूयॉर्क। किशोरों की सुरक्षा और मानसिक सेहत को लेकर बढ़ते वैश्विक दबाव के बीच सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और मैसेंजर पर किशोरों के लिए कंटेंट सेटिंग्स का दायरा वैश्विक स्तर पर बढ़ा दिया है। इस पहल की शुरुआत पिछले साल अक्तूबर में कुछ चुनिंदा देशों से हुई थी, जिसका मकसद बच्चों को अनुपयुक्त सामग्री से बचाना है। मेटा ने कहा है कि अब किशोरों के खातों (अकाउंट्स) के लिए 13+ कंटेंट सेटिंग्स को डिफॉल्ट रूप से लागू कर दिया गया है। इसके अलावा इस साल के अंत तक फेसबुक और मैसेंजर पर अधिक प्रतिबंधात्मक अनुभव देने वाली लिमिटेड कंटेंट सेटिंग भी पेश की जाएगी। मेटा ने जानकारी दी कि वह इंस्टाग्राम पर एक नए फीचर का परीक्षण कर रहा है, जो किशोरों को एक ही तरह के कंटेंट को बार-बार देखने से रोकेगा और उनके फीड में विविधता लाएगा। मेटा ने कहा कि हम मानते हैं कि पोषण, वेटलिफ्टिंग या चिंता (एंग्जायटी) से निपटने से जुड़े पोस्ट मददगार हो सकते हैं, लेकिन इन्हें बार-बार दिखाने के बजाय अन्य प्रकार के कंटेंट के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब हाल में (25 मार्च को) लॉस एंजिल्स की एक जूरी ने मेटा और गूगल को युवाओं के लिए हानिकारक प्लेटफॉर्म डिजाइन करने का दोषी पाते हुए जुर्माना लगाया था। साथ ही मेटा ने अप्रैल में निवेशकों को चेतावनी दी थी कि युवाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनी और नियामक फैसलों से उनके बिजनेस और वित्तीय नतीजों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा को मिली शाही माफी

पैरोल खत्म होने से पहले ही मिल गई रिहाई

बैंकॉक। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा ने बुधवार को अपनी जेल की सजा से जुड़ी सभी कानूनी जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप से पूरा कर लिया। शाही माफी मिलने के बाद उनकी चार महीने की पैरोल समय से पहले खत्म कर दी गई। दो दशकों से अधिक समय तक थाई राजनीति में एक प्रभावशाली व्यक्ति रहे 76 वर्षीय अरबपति और लोकप्रिय नेता को पिछले महीने बैंकॉक की जेल से रिहा किया गया था। तब से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि वह सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा फिउ थाई पार्टी पर अपना मजबूत प्रभाव जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनके परिवार ने कहा है कि वह राजनीति से पीछे हटना चाहते हैं। थाईलैंड के राजा महा वाचिरालोंगकोन द्वारा जारी किया गया माफी आदेश मंगलवार देर रात रॉयल गजट में प्रकाशित हुआ। यह बुधवार को प्रभावी हो गया। थाईलैंड एक सांविधानिक राजशाही है, जिसमें राजा को दोषी अपराधियों की माफी पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार है। राजा का यह निर्णय रानी सुतिदा के जन्मदिन के अवसर पर लिया गया था। थाकसिन एक दूरसंचार दिग्गज थे, जिन्होंने 1998 में अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, जब एक सैन्य तख्तापलट ने उन्हें विदेश में रहते हुए सत्ता से बेदखल कर दिया था।

चीन में शीर्ष मानचित्र वैज्ञानिक हिरासत में

बीजिंग। चीन के जाने-माने मानचित्र (कार्टोग्राफिक) वैज्ञानिक और इंस्टीट्यूट ऑफ ज्योग्राफिक साइंसेज के पूर्व उप निदेशक झोउ चेंगहू (62) को भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में लिया गया है। चीन की शीर्ष अनुशासन और निगरानी संस्था केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग (सीसीडीआई) ने सोमवार को बताया कि झोउ पर गंभीर कर्तव्य उल्लंघन के आरोपों में जांच चल रही है। हांगकांग के एक अखबार ने मंगलवार को यह खबर प्रकाशित की है। हालांकि, सीसीडीआई ने आरोपों का विस्तृत विवरण साझा नहीं किया है। झोउ को अप्रैल के अंत में संस्थान की इमारत से हिरासत में लिया गया था। वह 20 से अधिक कंपनियों से जुड़े थे और कम-से-कम 17 में उनके शेयर थे।

बलूचिस्तान में मारे गए 17 संदिग्ध विद्रोही

शटल ट्रेन पर हमले के बाद कार्रवाई

पेशावर। पिछले सप्ताह बलूचिस्तान में एक शटल ट्रेन पर बम हमले के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 17 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया है। 24 मई को क्वेटा में हुए संदिग्ध आत्मघाती हमले में 16 लोग मारे गए थे, जिनमें तीन सुरक्षाकर्मी शामिल थे। पाकिस्तान सेना के आईएसपीआर के अनुसार, घटना के बाद सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के विभिन्न जिलों में खुफिया-आधारित अभियान चलाए। इन अभियानों में मस्तंग, नुश्की, जेहरी, खुज़दार और केच में विद्रोहियों के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। फिटना-अल-हिंदोस्तान से जुड़े 17 आतंकवादी भारी गोलीबारी में मारे गए। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और तैयार आईईडी बरामद किए। सुरक्षाबलों के मुताबिक मारे गए विद्रोही पाकिस्तानी क्षेत्र में कई आतंकी वारदातों में शामिल थे।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका!

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख

- मार्को रूबियो बोले- यह हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति के सामने गवाही देते हुए रूबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण खनिजों को अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा अब केवल व्यापार और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है, बल्कि रणनीतिक संसाधनों तक भी फैल चुकी है। मार्को रूबियो ने कहा, दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

क्यूबा पर फिर यूएस की निगाहें टेढ़ी

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने क्यूबा को विफल देश बताते हुए उसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए

- रूबियो का आरोप- यूएस के खिलाफ गतिविधियों का केंद्र बना क्यूबा

बढ़ता हुआ खतरा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूबा में चीन और रूस की खुफिया गतिविधियां चल रही हैं और क्यूबा पूरे लैटिन अमेरिका में अमेरिका-विरोधी गतिविधियों को समर्थन देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश विभाग और संबंधित कार्यक्रमों पर बनी संसदीय उपसमिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा कि क्यूबा की आर्थिक बदहाली और अमेरिका के विरोधी देशों के साथ उसके करीबी रिश्ते, पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी हितों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। रूबियो ने कहा कि दशकों की खराब आर्थिक नीतियों और कुप्रबंधन की वजह से क्यूबा का आर्थिक मॉडल लगभग टूट चुका है। उनके मुताबिक, देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब नागरिक संस्थाओं के बजाय सेना से जुड़े संगठनों के नियंत्रण में है। उनके अनुसार, सेना की ओर से नियंत्रित संस्थाओं के पास काफी संपत्तियां होने के बावजूद क्यूबा लंबे समय से ईंधन और बिजली की भारी कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो दशकों में बड़ी संख्या में लोग क्यूबा छोड़कर चले गए हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है और कुशल लोगों की संख्या भी कम हो गई है।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था।

अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं।

अमेरिका : पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति

- 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 53 वर्षीय एंड्रयू रिचर्ड ल्यूकार्ट को स्टार्के स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6:19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हैंशॉ की हत्या और गंभीर बाल उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकार्ट

पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईवी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, मैं माफी चाहता हूं। घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकार्ट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्साकर्मी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने प्रेस वार्ता में बताया कि ल्यूकार्ट ने अंतिम भोजन लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी।

2025 में फ्लोरिडा में दी गई 19 लोगों को मौत की सजा

यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी। इससे पहले 2025 में राज्य में रिकॉर्ड 19 लोगों को मौत की सजा दी गई थी। रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डीसैंटिस के कार्यकाल में 2025 में एक ही वर्ष में जितनी फांसियां दी गईं, उतनी 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी फ्लोरिडा गवर्नर के कार्यकाल में नहीं हुई थीं। इससे पहले 2014 में आठ फांसियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था।

बाजार दर्पण